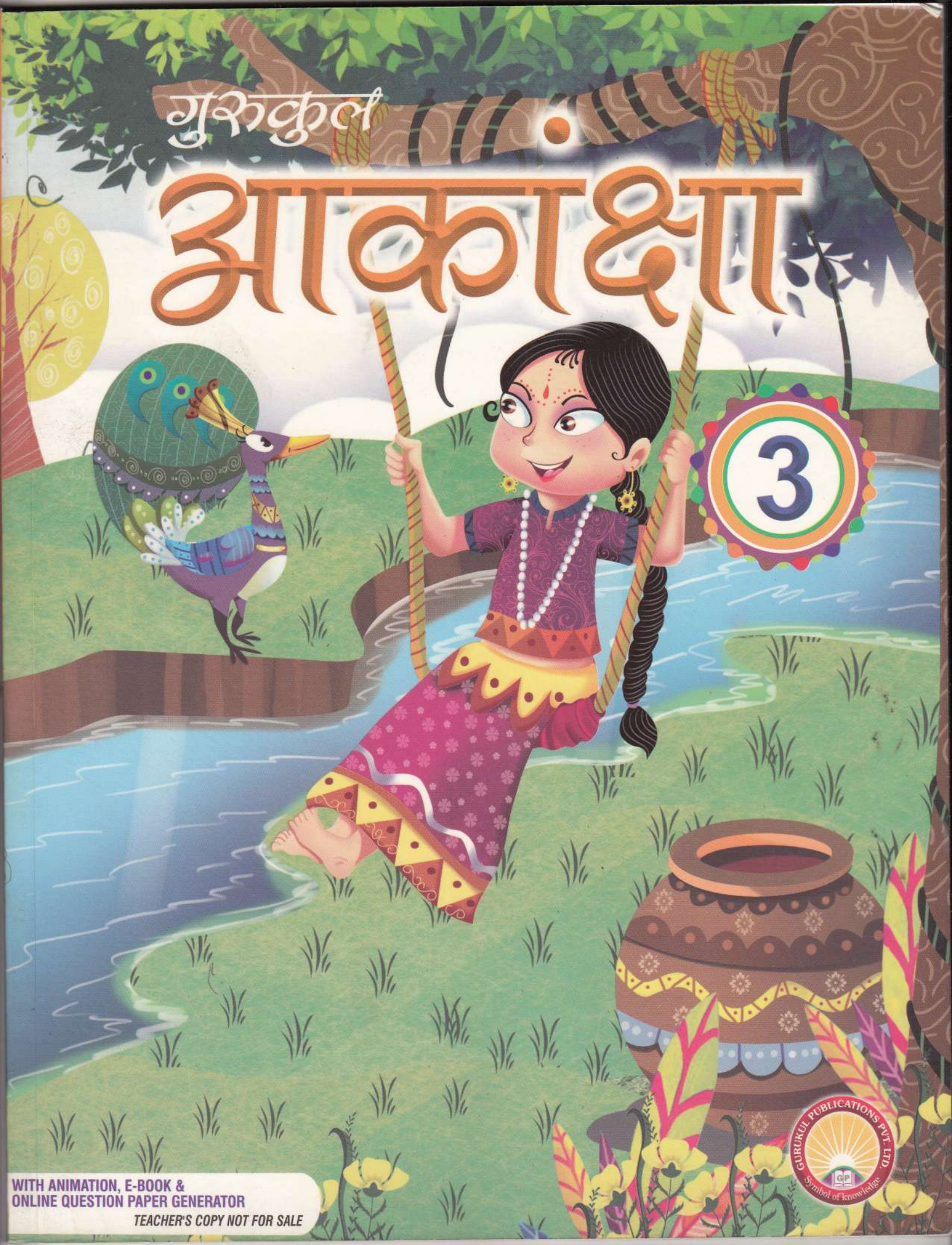

गुरुकुल आकांक्षा

3

WITH ANIMATION, E-BOOK &
ONLINE QUESTION PAPER GENERATOR

TEACHER'S COPY NOT FOR SALE

GURUKUL PUBLICATIONS PVT. LTD.
Symbol of knowledge

आकांक्षा

हिंदी पाठमाला

एवं

अभ्यास पुस्तिका

SATISH CHANDRA MEMORIAL SCHOOL
LIBRARIAN
CHAKDAHA (NADIA)

लेखन

प्रमोद कुमार मौर्य

एम.ए. (हिन्दी), बी.एड्., एम.एड्.

संपादन

सोना भट्ट

एम.ए. (हिन्दी), बी.एड्.

पूर्व शिक्षिका, मैक्सफोर्ट स्कूल, रोहिणी (दिल्ली)

गुरुकुल पब्लिकेशंस (प्रा॰) लिमिटेड

पाठ तालिका

	पाठ	मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)	पृष्ठ
1.	हम सेनानी (कविता) तारादत्त निर्विरोध	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र में रंग भरना)	7
2.	भालू आया (लोक कथा)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति (कुंभ मेले पर बातचीत) • लिखित अभिव्यक्ति	11
3.	घोड़ा बना गुलाम (लोक कथा)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र में रंग भरना)	16
4.	जैसे को तैसा (कहानी)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति	21
5.	परोपकारी आज़ाद (व्यक्तित्व)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र के बारे में लिखना)	27
6.	खरहा भागा (कविता) रामधारी सिंह 'दिनकर'	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति	32
7.	नैनीताल की सैर (पत्र)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र के बारे में लिखना)	37
8.	प्यारे बापू (कविता) सियाराम शरण गुप्त	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति	42

9.	स्वामी दयानंद जी (व्यक्तित्व)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति	45
10.	हिंद देश के निवासी (एकांकी)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र में रंग भरना)	50
11.	मैं दही हूँ (चित्र कथा)	मौखिक पाठ केवल पढ़ने के लिए (Reading Skills)	57
12.	बरगद की बातें (कविता) श्रीप्रसाद	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र बनाना व रंग भरना)	59
13.	धरती और सूरज (विज्ञान कथा)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति	64
14.	चींटी ने मज़ा चखाया (लोक कथा)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र में रंग भरना)	68
15.	मुल्ला नसरुद्दीन (कहानी)	मौखिक पाठ केवल पढ़ने के लिए (Reading Skills)	74
16.	कोयल (कविता) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति	76
17.	दो बैलों की कथा (कहानी) मुंशी प्रेमचंद	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति	80

18.	संत तिरुवल्लुवर (व्यक्तित्व)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र के विषय में लिखना)	87
19.	मलेथा की सुरंग (कहानी)	■ पाठ आधारित प्रश्न • मौखिक प्रश्न • वस्तुनिष्ठ प्रश्न • लिखित प्रश्न ■ भाषा कौशल • व्याकरण आधारित लिखित प्रश्न ■ जीवन कौशल ■ रचनात्मक कार्य • मौखिक अभिव्यक्ति • लिखित अभिव्यक्ति (चित्र वर्णन)	92
20.	पानी की खुशहाली (नाटक)	मौखिक पाठ केवल पढ़ने के लिए (Reading Skills)	97
	संभावित प्रश्न पत्र	अर्धवार्षिक परीक्षा वार्षिक परीक्षा	101 104
	गिनती	हिंदी और अंग्रेज़ी अंकों में तथा हिंदी शब्दों में	107
	शब्दों के अंग्रेज़ी नाम	फूलों एवं जानवरों के अंग्रेज़ी नाम	108

विशेष – इस पुस्तक के कुछ पाठों के रचनाकारों/कॉपीराइट धारकों से अपरिहार्य कारणों से प्रकाशन हेतु अनुमति प्राप्त नहीं की जा सकी है। ऐसे पाठों के कॉपीराइट धारकों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रकाशक से संपर्क करें ताकि उनसे अनुमति प्राप्त की जा सके।

1

हम सेनानी

मुट्ठी बाँधे निकल पड़े हैं,
आज देश की रखवाली को,
नन्हे-मुन्ने हम सेनानी।

छोटी-सी है सैन्य हमारी,
लेकिन साहस बहुत बड़े हैं।
खट्टे दाँत किए हैं उनके,
जो दुश्मन हमसे झगड़े हैं।

हममें कोई वीर शिवाजी,
राणा और तिलक-से मानी,
नन्हे-मुन्ने हम सेनानी।

जब तक कर्म अधूरे रहते,
हम विश्राम नहीं करते हैं।
जिस धरती में जन्म लिया है,
उसके लिए मृत्यु वरते हैं।

गौरव तो है देश वीर का,
और वीरता है राजधानी,
नन्हे-मुन्ने हम सेनानी।

—तारादत्त निर्विरोध

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न)

(Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. मुट्ठी बाँधकर कौन निकल पड़े हैं?
2. बालकों की सेना कैसी थी?
3. बालक किसके समान स्वाभिमानी हैं?

(ख) सही शब्द चुनकर कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

राजधानी, दाँत, देश, विश्राम

1. आज ..... की रखवाली को,
2. खट्टे ..... किए हैं उनके,
3. हम ..... नहीं करते हैं।
4. और वीरता है .....,

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. कविता में सेनानी किन्हें कहा गया है? .....
2. छोटे बच्चों का साहस कैसा है? .....
3. वीरों का गौरव क्या है? .....
4. इस कविता के कवि का नाम बताइए? .....

(घ) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (×) का चिह्न लगाइए–

1. नन्हें सेनानियों की सेना बहुत बड़ी है। ☐
2. इनमें शिवाजी जैसा स्वाभिमान भरा है। ☐
3. सेनानियों ने दुश्मनों के दाँत खट्टे किए हैं। ☐
4. वीरों की राजधानी दिल्ली है। ☐

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. नन्हें सैनिकों ने किनको हटाया है?
2. ये सैनिक कब विश्राम करते हैं?
3. वीर सैनिक अपनी राजधानी किसे कहते हैं।

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

वर्णमाला– वर्णों का समूह **वर्णमाला** कहलाता है। हिंदी वर्णमाला में दो प्रकार के वर्ण हैं–

स्वर – अ, आ, इ, ई, ... आदि।

व्यंजन – क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, ... आदि।

इनमें स्वरों को व्यंजन के साथ मात्रा के रूप में लिखा जाता है। जैसे– छोटी = छ + ो + ट + ी

(च) निम्नलिखित वर्ण और मात्राओं को मिलाकर शब्द बनाइए–

1. श + ि + व + ा + ज + ी = ...
2. ध + र + त + ी = ...
3. अ + ध + ू + र + ् = ...
4. व + ी + र + त + ा = ...

(छ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. सैन्य = ...
2. साहस = ...
3. विश्राम = ...
4. धरती = ...

(ज) कविता से एक जैसे स्वर वाले शब्द लिखिए–

1. बड़े हैं = ... झगड़े हैं .....
2. मानी = ...
3. करते हैं = ...
4. सेनानी = ...

(झ) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग वाक्यों में कीजिए–

1. देश = ...
2. दुश्मन = ...
3. सेनानी = ...
4. जन्म = ...

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) आप अपने देश का नाम किस तरह बढ़ाएँगे? लिखिए।

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

कविता को याद कीजिए और ओजपूर्ण स्वर में सुनाइए।

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. देश के लिए अपनी जान न्योछावर करने वाले पाँच वीरों के नाम लिखिए।
2. नीचे दिए गए हमारे देश के राष्ट्रीय ध्वज को रंगों से भरिए।

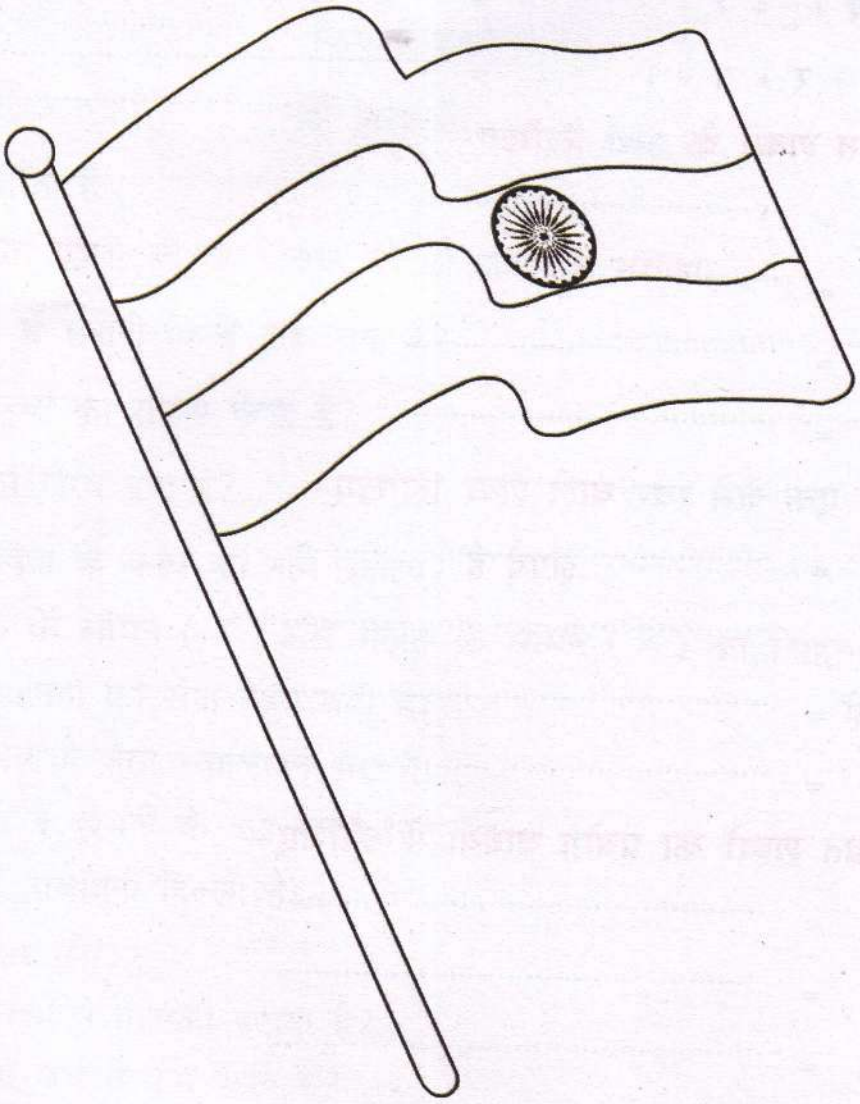

भालू आया

प्रयाग के **संगम** पर कुंभ मेला लगा था। विजयनगर के राजा भी वहाँ पधारे थे। राजा का तंबू संगम के किनारे लगाया गया था। साथ में कई और तंबू लगाए गए थे जिनमें राजपुरोहित, तेनालीराम और **अन्य** दरबारी ठहरे हुए थे।

पुरोहित जी को नींद न आने की बीमारी थी। रात को वे कभी एक बजे नहाने चल देते, कभी दो बजे। नहाकर आते तो दूसरों को जगाते। जो न उठता, सुबह उस पर **व्यंग्य कसते**। सब लोग पुरोहित जी से परेशान हो उठे।

तेनालीराम का तंबू भी राजपुरोहित के तंबू के पास था। वे भी पुरोहित जी की आदतों से परेशान थे। लेकिन पुरोहित जी से कहे कौन? तेनालीराम ने एक उपाय सोचा।

शब्द-संपदा

संगम (junction) = जहाँ दो या अधिक नदियाँ मिलती हैं। **अन्य** (other) = दूसरे
पुरोहित (priest) = पुजारी **व्यंग्य कसते** (taunting) = ताने मारना।

अगली रात एक बजे पुरोहित जी कपड़े लेकर नहाने के लिए चल पड़े। उन्होंने किनारे पर कपड़े रखे और पवित्र गंगा में डुबकी लगाई। 'हर-हर गंगे' करते हुए वे पानी से बाहर आए। उन्हें कुछ दूर पर काली-सी एक छाया दिखी। पुरोहित जी ने उसे भालू समझा। वह छाया उन्हीं की ओर बढ़ रही थी।

डर के मारे पुरोहित जी भीगी धोती पहने हुए ही तंबू की ओर चिल्लाते हुए भागे, "भालू-भालू! दौड़ो-दौड़ो!"

लोग अपने-अपने तंबुओं से निकलकर पुरोहित जी के पास आ गए। वे सब उनके साथ नदी किनारे पहुँचे लेकिन वहाँ कुछ नहीं दिखा। यहाँ तक कि पुरोहित जी के कपड़े भी वहाँ नहीं थे।

दोपहर बाद पुरोहित जी ने राजा से भालू वाली बात कही। तभी तेनालीराम पुरोहित जी के कपड़े लेकर तंबू में आए। उन्होंने राजा साहब को बताया, "महाराज! ये कपड़े मैं भालू से छीनकर लाया हूँ। सुना है, वह रात के अँधेरे में नदी किनारे घूमता रहता है। पुरोहित जी तो डर के मारे कपड़े भी छोड़ आए थे।"

उसके बाद, पुरोहित जी सुबह होने पर ही नहाने के लिए जाने लगे।

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न)

(Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. राजा के तंबू के साथ किनके तंबू लगाए गए थे?
2. नहाकर आने के बाद पुरोहित क्या करते थे?
3. पुरोहित ने राजा से दोपहर में कौन-सी बात बताई?

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. कुंभ का मेला लगा था? .....
2. पुरोहित जी कब उठ जाया करते थे? .....
3. पुरोहित जी ने किस नदी में डुबकी लगाई? .....
4. पुरोहित जी क्या कहते हुए तंबू की ओर भागे? .....

(ग) निम्नलिखित वाक्यों के सामने सही अथवा गलत लिखिए–

1. राजा का तंबू संगम के किनारे लगा था। .....
2. पुरोहित जी से सब परेशान थे। .....
3. पुरोहित जी कपड़े बदलकर तंबू की ओर भागे। .....
4. पुरोहित जी ने शाम को सारी बात राजा को बताई। .....

(घ) पाठ के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम दीजिए–

1. सुबह सब पर व्यंग्य कसते थे। ☐
2. पुरोहित जी रात में एक-दो-बजे उठते थे। ☐
3. पुरोहित जी सुबह होने पर ही नहाने जाने लगे। ☐
4. पुरोहित जी ने गंगा में डुबकी लगाई। ☐
5. उन्होंने काली छाया अपनी ओर आती देखी। ☐

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. प्रयाग के संगम पर किनके-किनके तंबू लगाए गए थे?
2. स्नान करने के बाद पुरोहित जी ने क्या देखा?
3. तेनालीराम ने भालू के बारे में राजा को क्या बताया?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

अं और अँ– हिंदी में 'अं' को व्यंजन के साथ ं के रूप में तथा अँ को ँ के रूप में लगाया जाता है, जैसे ं या ँ लगाकर मंगल, उमंग आदि। दुबारा लिखिए–

(च) ं तथा ँ के प्रयोग से निम्न शब्दों को लिखिए–

1. सगम .....
2. अधेरे .....
3. गगा .....
4. पहुचे .....

(छ) उल्टे अर्थ वाले शब्दों के जोड़े मिलाइए–

1. रात	(i) अनेक
2. सुबह	(ii) दिन
3. एक	(iii) पिछली
4. अगली	(iv) शाम

(ज) निम्न विशेषता बताने वाले शब्दों को उनके सही स्थान पर लिखिए–

काली, पर्वत, भीगी, एक

1. ..... गंगा
2. ..... बजे
3. ..... छाया
4. ..... धोती

(झ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. लोग पुरोहित जी से क्यों परेशान थे?
2. पुरोहित जी गीली धोती पहने ही कहाँ भागे?
3. नदी के किनारे पहुँचे लोगों ने क्या देखा?

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) आज नदियाँ बहुत मैली हो चुकी हैं। नदियाँ साफ़ रहें, इसके लिए लोगों को क्या करना चाहिए?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

1. बीरबल की बुद्धिमानी की कोई कहानी कक्षा में सुनाइए।
2. नीचे दिए गए कुंभ मेले के दृश्य को देखिए और अपने अध्यापक/अध्यापिका से कुंभ मेले के बारे में बातचीत कीजिए–

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. यदि आप तेनालीराम की जगह होते तो पुरोहित जी की आदत कैसे छुड़ाते?
2. 'गंगा नदी' के बारे में अपने अध्यापक/अध्यापिका से पता कीजिए और इस पवित्र नदी के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

घोड़ा बना गुलाम

बहुत पुरानी बात है। जंगल के बीच में एक मैदान में हरी-हरी घास थी। एक घोड़ा अकेला ही उस मैदान में चर रहा था। तभी वहाँ एक हिरण आ गया।

घोड़ा हिरण की मस्ती से चिढ़ता था। उसने हिरण से कहा, "तुम यह मैदान छोड़ दो। इस मैदान में मैं अकेले घास चरूँगा।"

हिरण बोला, "घोड़े भैया, इसमें आपको क्या परेशानी है? यहाँ घास चरूँ, मेरी मर्ज़ी। आप टोकने वाले कौन होते हैं?"

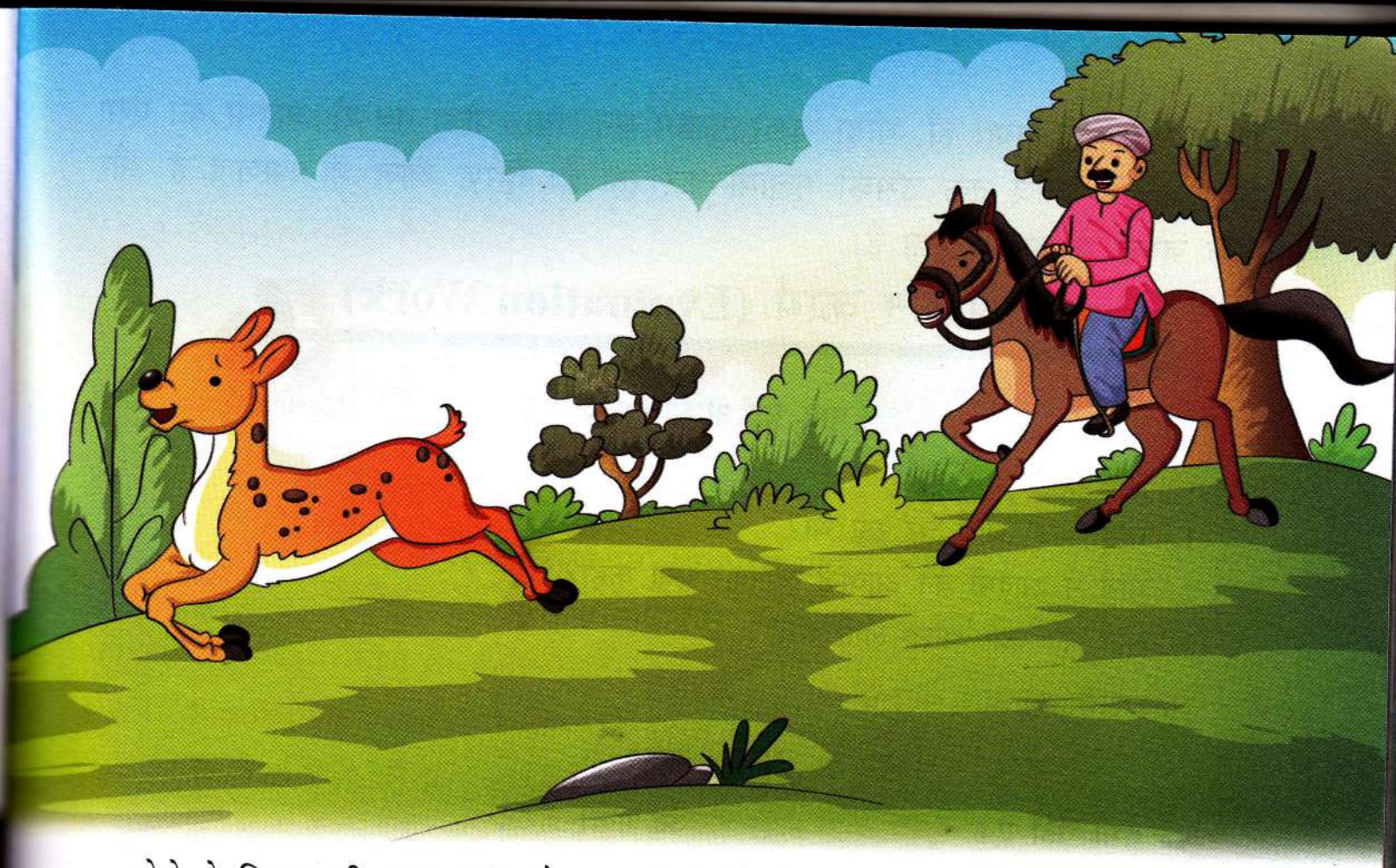

घोड़े ने हिरण की बात सुनी और वह खिसियाकर चुप हो गया। वह सोचने लगा, 'यह सीधी तरह नहीं भागेगा। आज यह चर रहा है, कल इसके साथ और आएँगे। वे भी इस मैदान में घास चरेंगे। समय रहते इसे ठिकाने लगाना होगा।'

उसी समय एक आदमी जंगल में लकड़ी काटने आया। घोड़े ने उसे आवाज़ लगाकर कहा, "अरे भाई, मैं तुम्हें सोने का हिरण दिखाता हूँ। तुम उसे मार दोगे तो धनवान हो जाओगे।"

आदमी ने हिरण और घोड़े की नोक-झोंक सुन ली थी। वह घोड़े की चालाकी भाँप गया था। उसने घोड़े से कहा, "घोड़े भाई! हिरण तो बहुत तेज़ भागता है। मैं उसे पकड़ नहीं सकता। हाँ, तुम मुझे अपनी पीठ पर बिठा लो तो हिरण को पकड़कर मार सकता हूँ।"

आदमी ने गट्ठर बाँधने वाली रस्सी की लगाम बनाकर उसे घोड़े के मुँह में फँसा दी। फिर उसकी पीठ पर चढ़कर बोला, "आज तुम मेरे साथ घर चलो। मेरे यहाँ मज़े से चने खाना। कल सवेरे-सवेरे जंगल लौटकर हिरण का शिकार करेंगे।" इतना कहकर वह घोड़े की सवारी करता हुआ घर लौटा।

वह आदमी प्रतिदिन घोड़े पर सवार होता और जंगल जाकर लकड़ियाँ ले आता। घोड़ा इस आशा में था कि कभी-न-कभी तो हिरण मारा जाएगा।

हिरण मारा नहीं गया। हाँ, घोड़ा ज़रूर गुलाम बन गया। घोड़ा तब से आदमी का ऐसा गुलाम हुआ कि आज तक उसकी गुलामी कर रहा है। हिरण आज भी आज़ाद है और बेखटके जंगल में घूमता रहता है।

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. घोड़ा कहाँ घास चर रहा था?
2. घोड़े ने आदमी को आवाज़ लगाकर क्या कहा?
3. घोड़े को क्या आशा लगी थी?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

कौन, हिरण, घर, जंगल

1. तभी वहाँ एक ..... आ गया।
2. आप टोकने वाले ..... होते हैं?
3. वह ..... जाकर लकड़ियाँ ले आता।
4. आज तुम मेरे साथ ..... चलो।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. हरी-हरी घास कहाँ थी? .....
2. घोड़ा किसे ठिकाने लगाना चाहता था? .....
3. आदमी ने घोड़े को क्या खिलाने का लालच दिया? .....
4. आदमी किसकी चालाकी भाँप चुका था? .....

(घ) किसने कहा? किससे कहा?

1. तुम यह मैदान छोड़ दो। ....
2. इसमें आपको परेशानी क्या है? ....
3. मैं तुम्हें सोने का हिरण दिखाता हूँ। ....
4. हिरण तो बहुत तेज़ भागता है। ....

(ङ) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

1. हिरण घोड़े की मस्ती से चिढ़ता था. ☐
2. घोड़ा खिसियाकर चुप हो गया। ☐

3. आदमी ने घोड़े की चालाकी को भाँप लिया।
4. आज घोड़ा मजे से घूम रहा है।

(च) लिखित उत्तर दीजिए–

1. आदमी जंगल में क्या करने आया था?
2. घोड़े ने हिरण को मैदान से चले जाने के लिए क्यों कहा?
3. आदमी ने घोड़े से क्या-क्या काम लेना शुरू कर दिया?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

संयुक्ताक्षर– जब एक व्यंजन स्वर रहित तथा दूसरा स्वर सहित हो और शब्द में साथ-साथ आए तो उसे संयुक्ताक्षर कहते हैं। जैसे– गट्ठर

(छ) निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों और उनसे बने शब्दों का मिलान कीजिए–

1. प् + य = प्य	(i) म्यान
2. द् + व = द्वा	(ii) ध्यान
3. म् + य = म्य	(iii) प्यास
4. ध् + य = ध्य	(iv) द्वार

(ज) अक्षरों को सही क्रम में रखकर सही शब्द बनाइए–

1. नीपुरा .....
2. शारेनीप .....
3. दआमी .....
4. रढ़चक .....

(झ) निम्नलिखित विशेषता बताने वाले शब्दों को सही स्थान पर लिखिए–

पुरानी, एक, हरी-हरी, सोने का

1. ..... बात
2. ..... आदमी
3. ..... हिरण
4. ..... घास

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) हमें लालच क्यों नहीं करना चाहिए?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

अपने दादा/दादी से सुनी हुई कोई कहानी कक्षा में सुनाइए।

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. यदि घोड़ा हिरण के साथ मिल-जुलकर घास चरता तो क्या होता?
2. क्या आपको दूसरों की गुलामी करना अच्छा लगता है, यदि नहीं तो क्यों? संक्षेप में लिखिए।
3. नीचे दिए गए हिरण के चित्र में रंग भरिए और इसके बारे में चार वाक्य लिखिए।

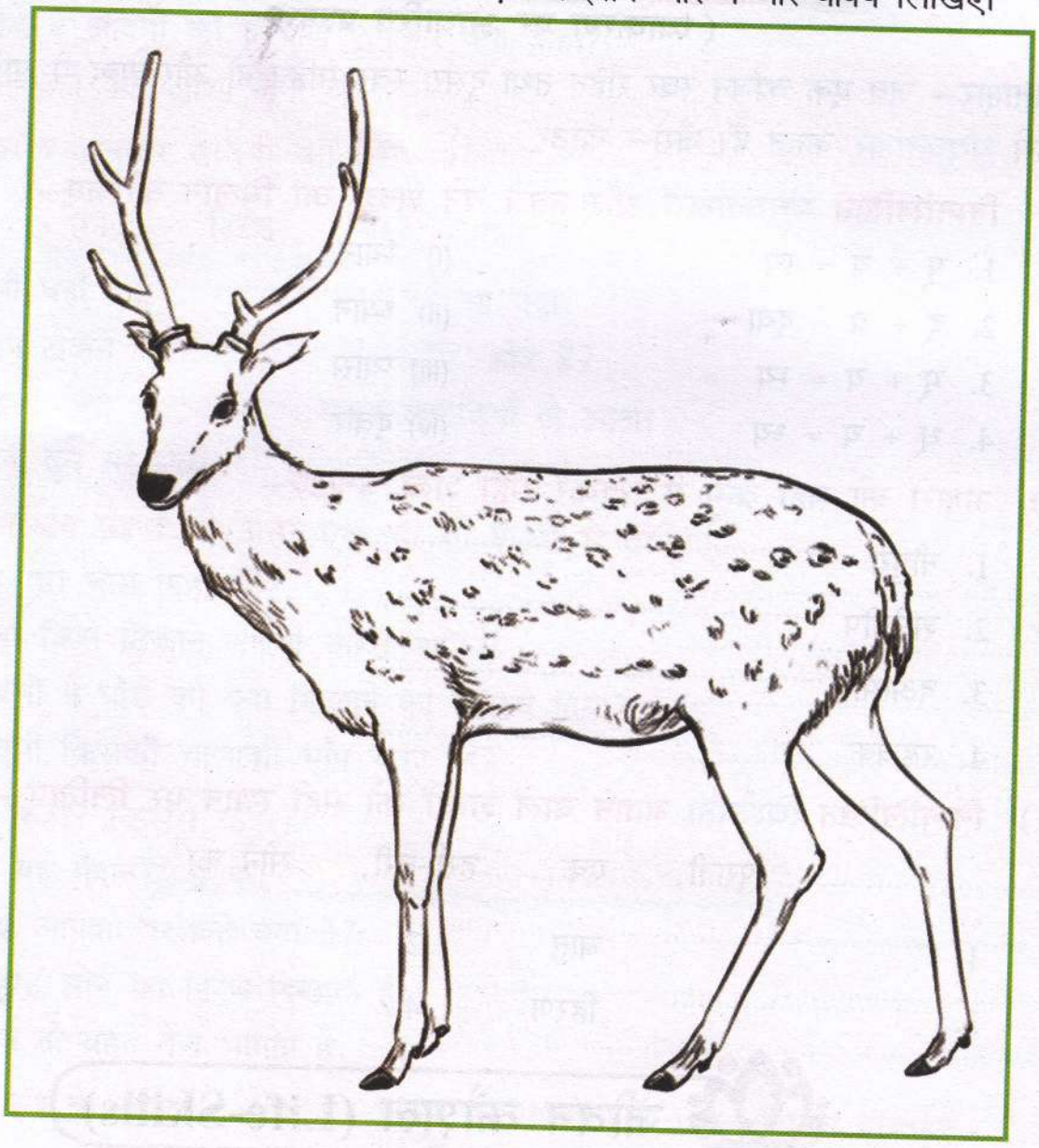

4 जैसे को तैसा

पालमपुर गाँव में देवीलाल और शिवराम नामक दो व्यापारी रहा करते थे। दोनों बचपन के दोस्त थे। एक बार देवीलाल को व्यापार में बहुत घाटा हुआ। तब उसने धन कमाने के लिए **परदेस** जाने के बारे में सोचा। देवीलाल के पास सोने का एक तराज़ू था। परदेस जाने से पहले उसने शिवराम को अपना तराज़ू सँभालकर रखने को दिया।

लगभग एक वर्ष बाद, देवीलाल धन कमाकर गाँव लौटा। वह शिवराम के पास आया और उससे अपना तराज़ू वापस माँगा। तराज़ू का नाम सुनते ही शिवराम फूट-फूटकर रोने लगा। वह रोते-रोते बोला, "मित्र! तुम मुझे बेईमान मत समझना। मैंने तराज़ू एक बड़े-से संदूक में ताले में बंद करके रखा था। एक दिन देखा कि सोने का वह तराज़ू लोहे का हो गया है। तब से मैं परेशान था कि तुम्हें अपना मुँह कैसे दिखाऊँगा।"

शब्द-संपदा

परदेस (foreign) = विदेश, अपने देश से बाहर

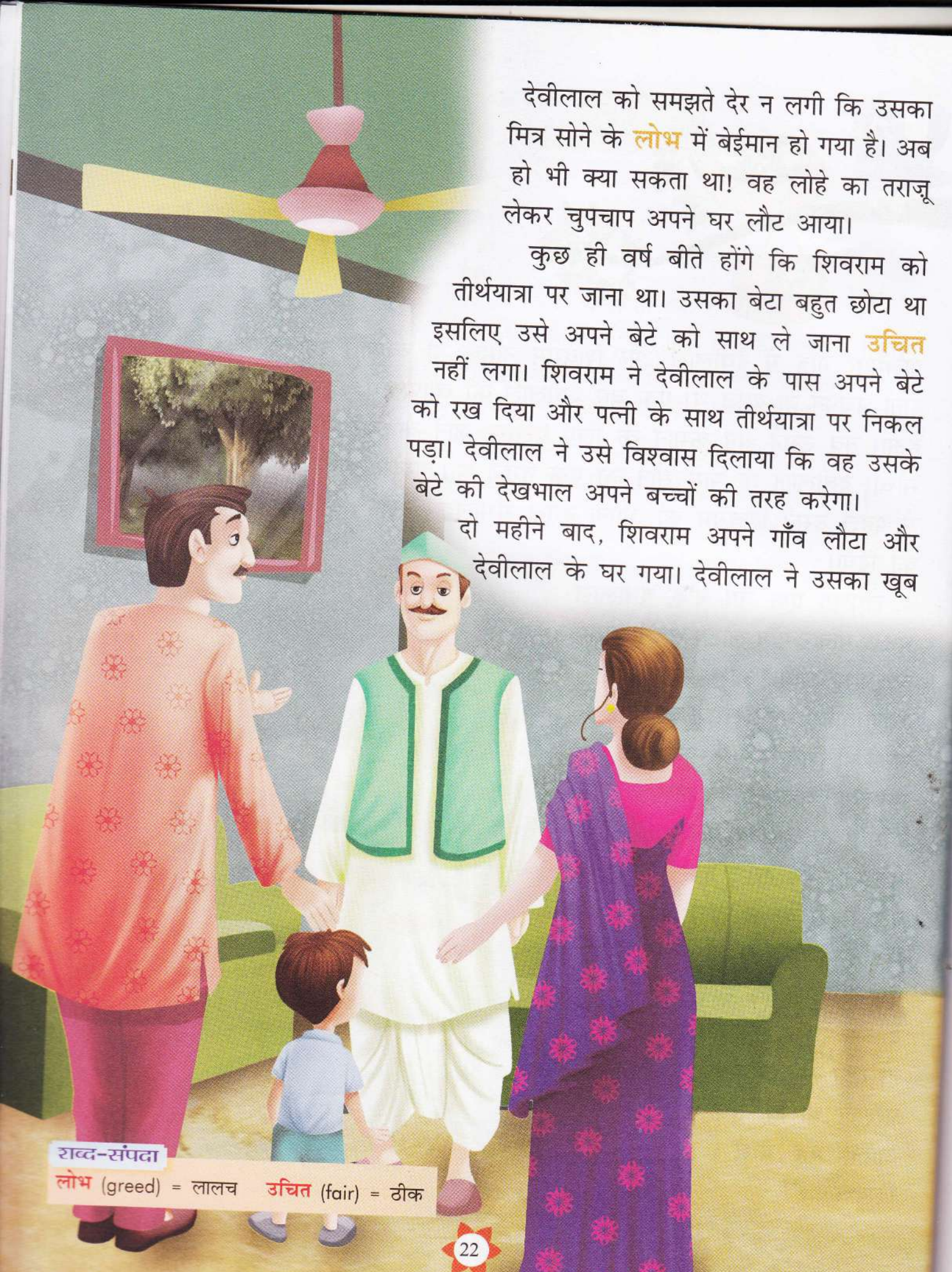

देवीलाल को समझते देर न लगी कि उसका मित्र सोने के **लोभ** में बेईमान हो गया है। अब हो भी क्या सकता था! वह लोहे का तराज़ू लेकर चुपचाप अपने घर लौट आया।

कुछ ही वर्ष बीते होंगे कि शिवराम को तीर्थयात्रा पर जाना था। उसका बेटा बहुत छोटा था इसलिए उसे अपने बेटे को साथ ले जाना **उचित** नहीं लगा। शिवराम ने देवीलाल के पास अपने बेटे को रख दिया और पत्नी के साथ तीर्थयात्रा पर निकल पड़ा। देवीलाल ने उसे विश्वास दिलाया कि वह उसके बेटे की देखभाल अपने बच्चों की तरह करेगा।

दो महीने बाद, शिवराम अपने गाँव लौटा और देवीलाल के घर गया। देवीलाल ने उसका खूब

शब्द-संपदा

लोभ (greed) = लालच **उचित** (fair) = ठीक

स्वागत-सत्कार किया, अच्छा भोजन कराया और कहा, "अब तुम आराम करो, काफ़ी थक गए होगे।"

शिवराम ने कहा, "अरे, मेरे बेटे को तो मेरे पास ले आओ। उसे देखने के लिए मेरा मन **व्याकुल** हो रहा है।"

देवीलाल घर के अंदर से बंदर का एक बच्चा अपने साथ ले आया। उसके गले में रस्सी बँधी थी जिसका दूसरा छोर देवीलाल थामे हुए था। बंदर के बच्चे को **पुचकारते** हुए देवीलाल ने कहा, "बेटे! जाओ, अपने पिता की गोद में बैठ जाओ। उन्हें प्यार करो।"

बंदर का बच्चा उछलता-कूदता शिवराम की गोद में बैठ गया। वह अपने छोटे-छोटे हाथों से उसके गालों को सहलाने लगा। शिवराम ने नाराज़ होते हुए पूछा, "मेरे बेटे की जगह यह बंदर का बच्चा क्यों लेकर आए हो?"

देवीलाल ने कहा, "विश्वास करो, यही तुम्हारा बेटा है।"

शब्द-संपदा

व्याकुल (restless) = बेचैन **पुचकारना** (to pet) = दुलार करना

यह सुनकर शिवराम क्रोध से **आग-बबूला हो गया** और चीखते हुए बोला, "कहाँ है मेरा बेटा? सच-सच बताओ वरना ....."

"वरना क्या?" देवीलाल बोल पड़ा, "जब सोने का तराज़ू लोहे का हो सकता है तो फिर मनुष्य का बच्चा बंदर का बच्चा क्यों नहीं बन सकता?"

दोनों मित्रों में बहस होने लगी। शोर सुनकर गाँववाले इकट्ठे हो गए। पूरी बात जानने के बाद सभी लोगों ने शिवराम को दोषी माना। लज्जित होकर शिवराम ने सबसे **क्षमा** माँगी और उसने सोने का तराज़ू लाकर देवीलाल को दिया। देवीलाल ने भी उसका बेटा लौटा दिया।

गाँववालों ने दोनों मित्रों को गले मिलाया। इसके बाद सब अपने-अपने घरों को चल दिए।

शब्द-संपदा

आग-बबूला होना (to become angry) = खूब गुस्सा होना **क्षमा** (apology) = माफ़ी

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. देवीलाल परदेस क्यों जाना चाहता था?
2. देवीलाल ने शिवराम से क्या माँगा?
3. शिवराम अपने बेटे को साथ क्यों नहीं ले गया?
4. देवीलाल ने बंदर के बच्चे से क्या कहा?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

बेईमान, बचपन, तुम्हारा, तराज़ू

1. दोनों ..... के दोस्त थे।
2. उसने अपना ..... वापस माँगा।
3. तुम मुझे ..... मत समझना।
4. यही ..... बेटा है।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. देवीलाल के पास सोने की कौन-सी वस्तु थी? .....
2. देवीलाल कितने समय बाद गाँव लौटा? .....

3. शिवराम दो महीने बाद कहाँ से लौटा? .....

4. शिवराम किसे देखने के लिए व्याकुल था? .....

(घ) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

1. देवीलाल को व्यापार में घाटा हो गया था। ☐
2. उसने शिवराम से अपना बच्चा माँगा। ☐
3. शिवराम तीर्थ यात्रा पर गया। ☐
4. देवीलाल ने शिवराम का खूब स्वागत किया। ☐

(ङ) किसने कहा? किससे कहा?

1. मैं तुम्हें अपना मुँह कैसे दिखाऊँगा। ....
2. अब तुम आराम करो। ....
3. मेरे बेटे को मेरे पास लाओ। ....
4. विश्वास करो, यही तुम्हारा बेटा है। ....

(च) लिखित उत्तर दीजिए–

1. परदेस जाने से पहले देवीलाल ने क्या किया?
2. शिवराम की बातें सुनकर देवीलाल को क्या लगा?
3. शिवराम तीर्थ यात्रा पर जाने से पहले देवीलाल के घर क्यों गया?
4. लोगों ने किसे दोषी माना?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

व्यंजन द्वित्व– जब एक ही व्यंजन दो बार साथ-साथ आए परंतु पहले वह स्वर रहित हो, बाद में स्वर सहित हो तो **व्यंजन द्वित्व** कहलाता है। जैसे- म् + म = म्म ⟶ चम्मच

(छ) निम्नलिखित द्वित्व व्यंजनों से बने शब्दों के जोड़े मिलाइए–

च् + च = च्चा

1. त् + त = त्ता	(i) अम्मा
2. म् + म = म्म	(ii) गज्जक
3. ब् + ब = ब्ब	(iii) पत्ता
4. ज् + ज = ज्ज	(iv) बब्बर

(ज) शब्द सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए–

1. दोस्त/दोनों/के/थे/बचपन। .....
2. समझना/तुम/बेईमान/मत/मुझे। .....
3. था/पास/सोने/का/तराजू/उसके। .....
4. तुम्हें/मुँह/दिखाऊँगा/अपना/कैसे? .....

(झ) स्त्रीलिंग या पुल्लिग लिखिए–

1. व्यापारी .....
2. पत्नी .....
3. दोस्त .....
4. रस्सी .....

(ञ) विलोम शब्दों के जोड़े बनाइए–

1. दोस्त	(i) नया
2. पुराना	(ii) बाहर
3. बेईमान	(iii) दुश्मन
4. अंदर	(iv) ईमानदार

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ट) हमें कभी भी बेईमानी नहीं करनी चाहिए। ऐसी सीख हमें बड़े लोग क्यों देते हैं?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ठ) मौखिक अभिव्यक्ति–

यदि शिवराम बेईमानी न करता तो दोनों मित्रों का व्यवहार कैसा रहता? कक्षा में बताइए।

(ड) लिखित अभिव्यक्ति–

1. सोना महँगी धातु है। इससे क्या-क्या बनाया जाता है? पता करके लिखिए।
2. लोग तीर्थयात्रा पर क्यों जाते हैं? अपने बड़ों से पता करके लिखिए।

5 परोपकारी आज़ाद

बच्चो! चंद्रशेखर आज़ाद का नाम तो आपने सुना ही होगा। उन्होंने अंग्रेज़ों की नाक में दम कर रखा था। अंग्रेज़ सरकार उन्हें पकड़ने के लिए बेचैन थी पर उन्होंने **प्रण** किया था कि जीते जी वे गिरफ़्तार नहीं होंगे। और, हुआ भी ऐसा ही।

एक बार इलाहाबाद के एक पार्क में उनका आमना-सामना अंग्रेज़ सिपाहियों से हुआ। दोनों ओर से गोलियाँ चलीं। जब आज़ाद के पास अंतिम गोली बची तो उन्होंने अपनी पिस्तौल **कनपटी** पर सटाकर चला दी। इस प्रकार, वे बहादुरी से स्वर्ग सिधार गए।

चंद्रशेखर आज़ाद अंग्रेज़ों के लिए जितने कठोर थे, अपने देशवासियों के लिए उतने ही मुलायम थे। आइए, उनके जीवन से जुड़ी एक घटना सुनाते हैं–

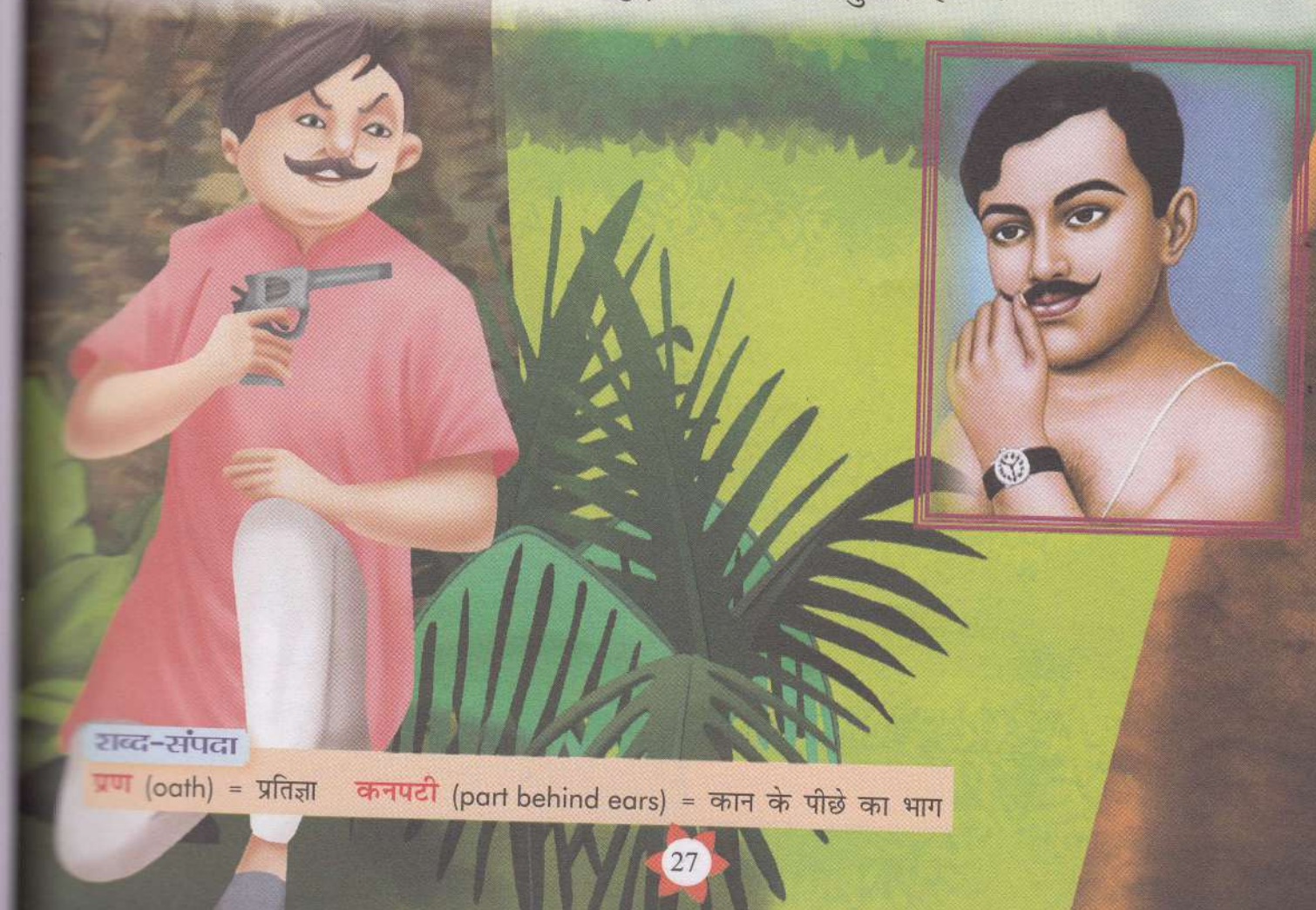

शब्द-संपदा

प्रण (oath) = प्रतिज्ञा **कनपटी** (part behind ears) = कान के पीछे का भाग

एक बार अंग्रेज़ों से बचते हुए चंद्रशेखर आज़ाद कहीं शरण लेना चाहते थे। वे रात को एक घर पर जा पहुँचे जहाँ एक **विधवा** औरत अपनी बेटी के साथ रहती थी। विधवा ने आज़ाद को डाकू समझा और उन्हें शरण देने से **इनकार** कर दिया। आज़ाद ने जब अपना परिचय दिया तो उसने उन्हें सम्मानसहित अपने घर में शरण दे दी।

बातचीत से चंद्रशेखर आज़ाद को पता चला कि गरीबी के कारण उस विधवा की बेटी की शादी में कठिनाई आ रही है। उन्होंने विधवा औरत से कहा, "मेरे सिर पर पाँच हज़ार रुपये का इनाम है। आप अंग्रेज़ों को मेरी सूचना देकर मुझे गिरफ़्तार करवा सकती हैं। इस प्रकार, आपको पाँच हज़ार रुपये का इनाम मिल जाएगा जिससे आपकी बेटी का विवाह **संपन्न** हो सकता है।"

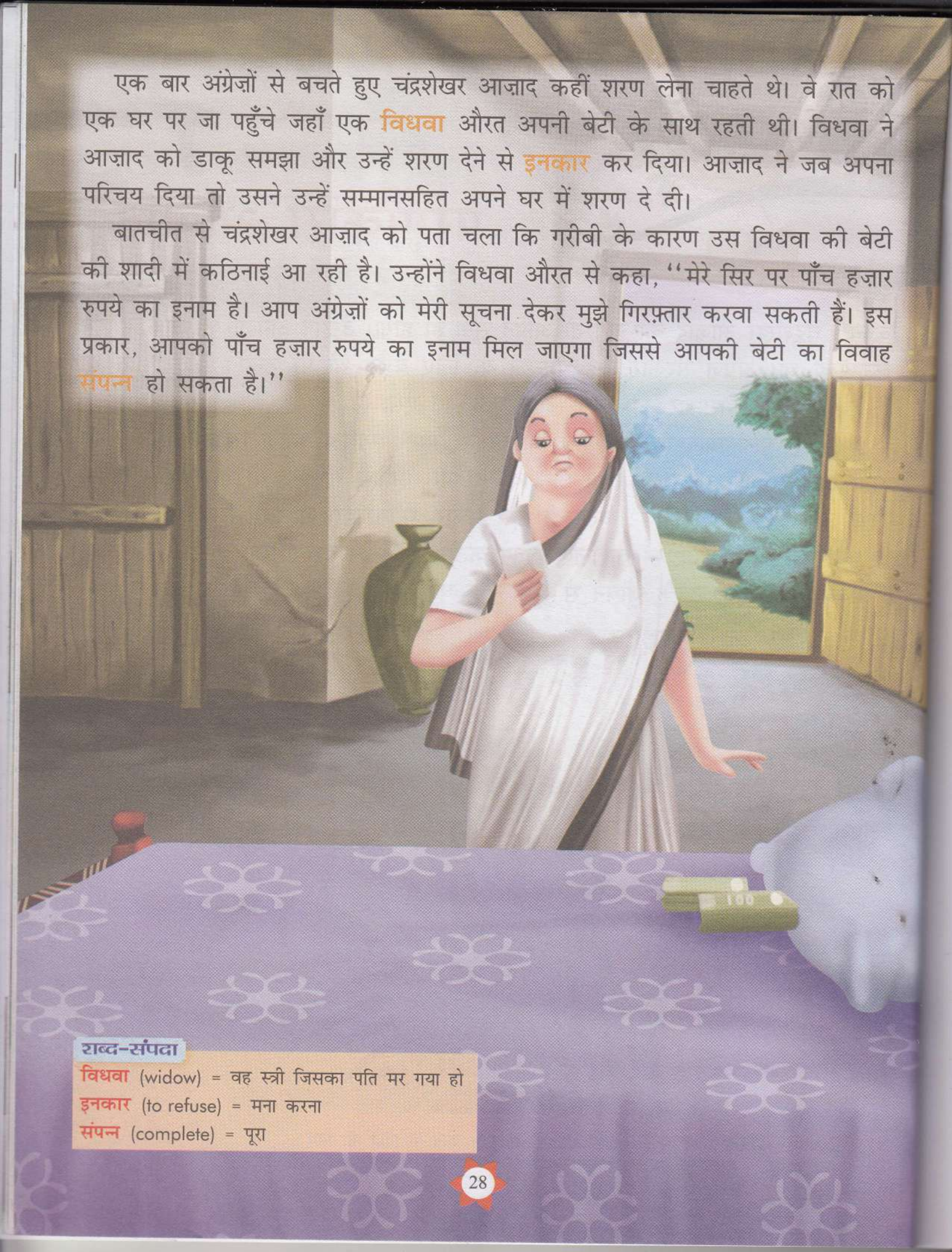

शब्द-संपदा

विधवा (widow) = वह स्त्री जिसका पति मर गया हो
इनकार (to refuse) = मना करना
संपन्न (complete) = पूरा

यह सुनकर विधवा रो पड़ी। रोते-रोते ही उसने कहा, "भैया! तुम देश की आज़ादी के लिए अपनी जान हथेली पर रखे घूमते हो और न जाने कितनी बहू-बेटियों की इज़्ज़त तुम्हारे भरोसे है। तुम्हें गिरफ़्तार कराने का पाप मैं **कदापि** नहीं कर सकती।"

इतना ही नहीं, उस विधवा ने आज़ाद की कलाई पर एक **रक्षा-सूत्र** बाँध दिया और उनसे देश-सेवा का वचन लिया।

सुबह जब विधवा की आँखें खुलीं तो चंद्रशेखर आज़ाद जा चुके थे। विधवा ने देखा कि तकिये के नीचे पाँच हज़ार रुपये पड़े थे। उसके साथ रखी एक पर्ची पर लिखा था–

अपनी प्यारी बहन हेतु एक छोटी-सी भेंट,

–आज़ाद

शब्द-संपदा

कदापि (ever) = कभी भी **रक्षा-सूत्र** (holy thread) = रक्षा करने वाला पवित्र धागा

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. आज़ाद ने क्या प्रतिज्ञा की थी?
2. आज़ाद को रात में कहाँ शरण मिली?
3. उस रात को आज़ाद को क्या पता चला?
4. तकिए के नीचे रखी पर्ची पर क्या लिखा था?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. दोनों ओर से ..... चलीं। (गोलियाँ/लाठियाँ)
2. आज़ाद देशवासियों के लिए ..... थे। (कठोर/मुलायम)
3. विधवा औरत अपनी ..... के साथ रहती थी। (बेटी/बहन)
4. यह सुनकर विधवा ..... पड़ी। (हँस/रो)

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. आज़ाद को पकड़ने के लिए कौन बेचैन था? .....
2. आज़ाद को किसने डाकू समझ लिया था? .....
3. आज़ाद के सिर पर कितने रुपये का इनाम था? .....
4. तकिए के नीचे कितने रुपये रखे थे? .....

(घ) पाठ के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम दीजिए–

1. विधवा औरत ने उन्हें डाकू समझ लिया था।
2. आज़ाद जा चुके थे।
3. आज़ाद रात में शरण लेना चाहते थे।
4. विधवा ने उनकी कलाई पर रक्षा-सूत्र बाँध दिया।

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. पार्क में आज़ाद का सामना किससे हुआ?
2. आज़ाद को गिरफ़्तार करवाने को विधवा पाप क्यों समझ रही थी?
3. आज़ाद की मृत्यु किस तरह हुई?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

संज्ञा– किसी भी नाम को ही संज्ञा कहते हैं। अर्थात् किसी प्राणी, व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं, जैसे– आगरा, ताजमहल, पहाड़, नदी आदि।

(च) निम्नलिखित वाक्यों में आए संज्ञा शब्दों पर गोला लगाइए–

1. अंग्रेज़ सरकार आज़ाद को पकड़ना चाहती थी।
2. वे इलाहाबाद के एक पार्क में बैठे थे।
3. विधवा औरत अपनी बेटी के साथ रहती थी।

(छ) स्त्रीलिंग या पुल्लिंग लिखिए–

1. गोली ..... 2. पार्क .....
3. रक्षा-सूत्र ..... 4. कलाई .....

(ज) अक्षरों को सही क्रम में रखकर सही शब्द बनाइए–

1. दहाइलाबा ..... 2. कईठिना .....
3. यचरिप ..... 4. इरकान .....

(झ) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

1. गोली ..... 2. बेटी .....
3. पिस्तौल ..... 4. बहन .....

जीवन कौशल (Life-Skills)

SATISH CHANDRA MEMORIAL SCHOOL • CHAKDAHA • NADIA
LIBRARIAN

(ञ) चंद्रशेखर आज़ाद के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

चंद्रशेखर आज़ाद की जीवनी पढ़िए और मुख्य बातों को कक्षा में बताइए।

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. पाँच स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र इंटरनेट से प्राप्त कीजिए। उन्हें कॉपी में चिपकाइए और प्रत्येक के बारे में दो-दो पंक्तियाँ लिखिए।
2. आज़ादी से जुड़ी कविता 'झाँसी की रानी' की कुछ पंक्तियाँ लिखिए और कंठस्थ कीजिए।
3. सरदार भगत सिंह के चित्र के नीचे उनका नाम लिखिए और इंटरनेट का प्रयोग करके उनके बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए और अपनी कॉपी में लिखिए।

.....

SATISH CHANDRA MEMORIAL SCHOOL
LIBRARY
ACC. No. 6099

6 खरहा भागा

वन में एक घनी झुरमुट थी जिसके भीतर जाकर,
एक **खरहा** रहा करता था, सबकी आँख बचाकर।
फुदक-फुदक फुनगियाँ घास की, चुन-चुनकर खाता था।,
देख दूर से लोगों को वह झुरमुट में छिप जाता था।

एक रोज़ आया उस वन में, कुत्ता एक शिकारी,
लगा छानने सूँघ-सूँघकर, वन की झाड़ी-झाड़ी।
आखिर वह झुरमुट भी आई, जो खरहे का घर थी,
मगर खैर उस बेचारे की, लंबी अभी उमर थी।

शब्द-संपदा

खरहा (rabbit) = खरगोश

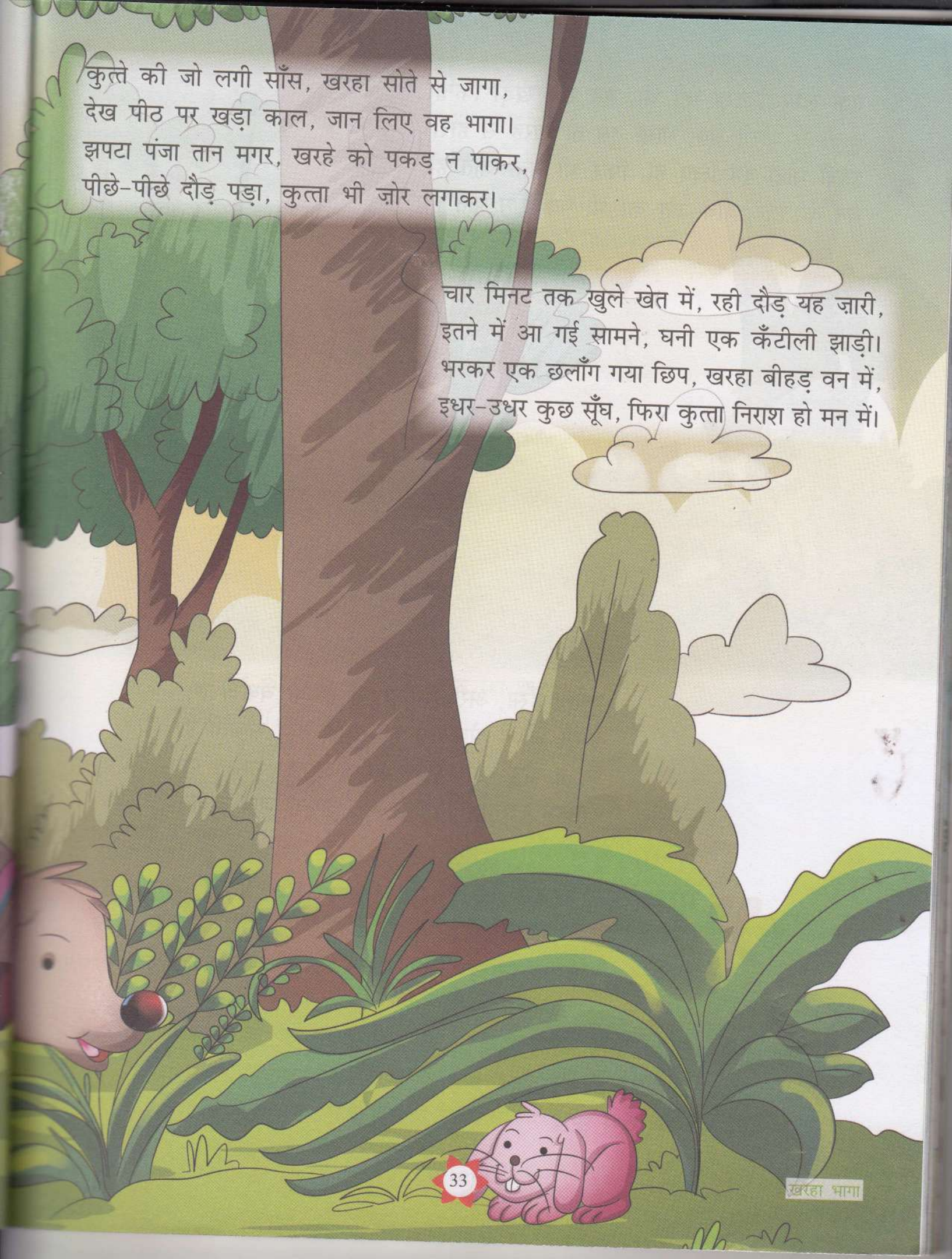

कुत्ते की जो लगी साँस, खरहा सोते से जागा,
देख पीठ पर खड़ा काल, जान लिए वह भागा।
झपटा पंजा तान मगर, खरहे को पकड़ न पाकर,
पीछे-पीछे दौड़ पड़ा, कुत्ता भी ज़ोर लगाकर।

चार मिनट तक खुले खेत में, रही दौड़ यह ज़ारी,
इतने में आ गई सामने, घनी एक कँटीली झाड़ी।
भरकर एक छलाँग गया छिप, खरहा बीहड़ वन में,
इधर-उधर कुछ सूँघ, फिरा कुत्ता निराश हो मन में।

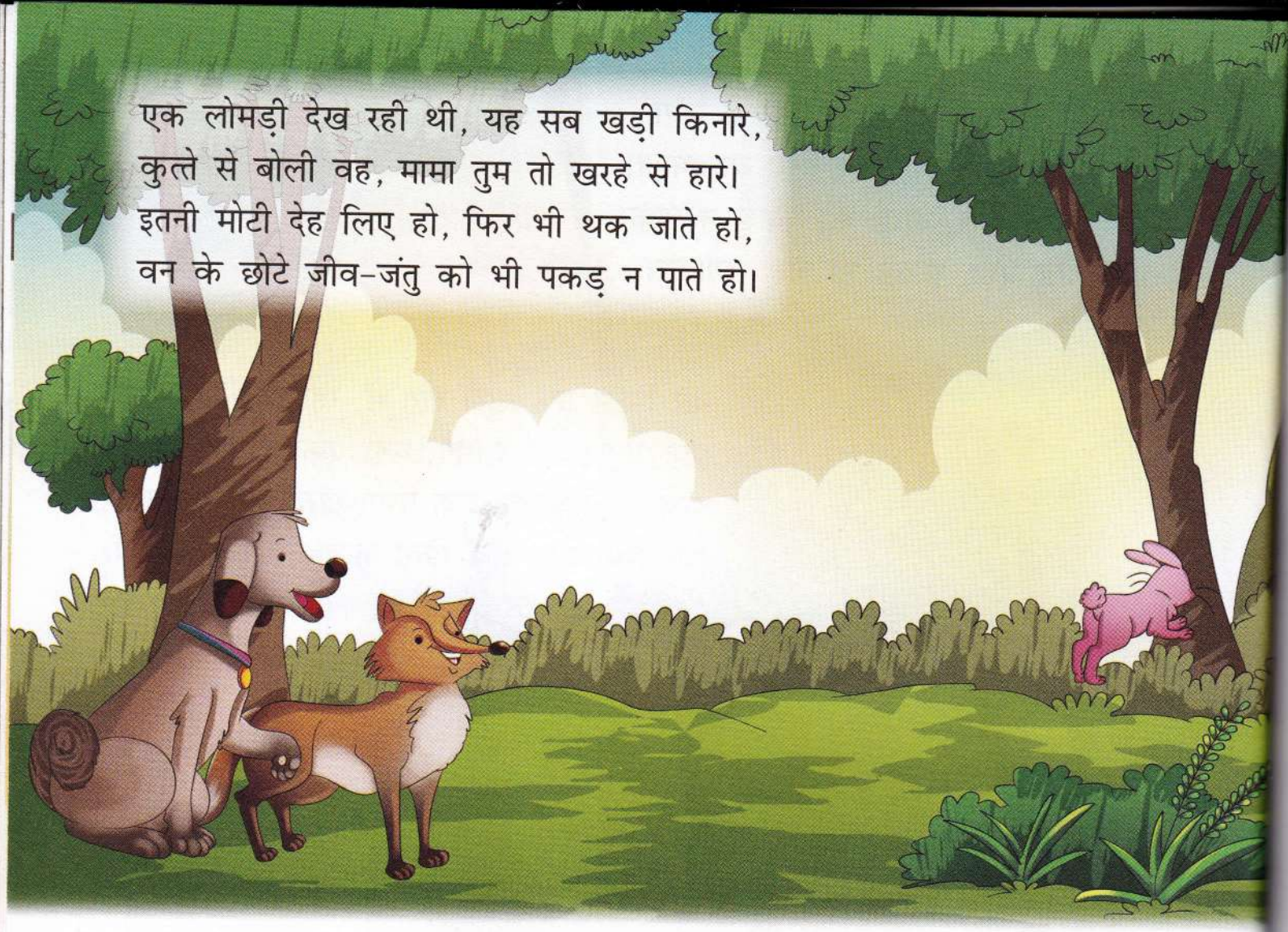

कुत्ता हँसा, अरी सयानी! तू नाहक बकती है,
इसमें जो है भेद उसे तू, समझ नहीं सकती है।
मैं तो दौड़ रहा था केवल, दिन का भोजन पाने,
लेकिन खरहा भाग रहा था, अपनी जान बचाने।

–रामधारी सिंह 'दिनकर'

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. खरहा कहाँ रहा करता था?
2. खरहा किसे कहते हैं?
3. खरहे की नींद कैसे टूटी?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. मामा तुम तो खरहे से ..... । (जीते/हारे)
2. इतनी ..... देह लिए हो । (पतली/मोटी)
3. अरी ..... ! तू नाहक बकती है। (सयानी/नादान)
4. इसमें जो है ..... उसे तू, समझ नहीं सकती है। (छेद/भेद)

(ग) निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए–

1. फुदक-फुदक फुनगियाँ घास की, ...
2. लगा छानने सूँघ-सूँघकर, ...
3. कुत्ते की जो लगी साँस, ...
4. इतने में आ गई सामने, ...

(घ) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (×) का चिह्न लगाइए–

1. खरहा घास की फुनगियाँ खाता था। ☐
2. कुत्ता धीरे-धीरे दौड़ रहा था। ☐
3. खरहा और कुत्ते की दौड़ को सियार देख रहा था। ☐
4. कुत्ता भोजन पाने को दौड़ रहा था। ☐

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. कुत्ता वन की झाड़ी-झाड़ी क्यों सूँघ रहा था?
2. कुत्ता निराश क्यों हो गया?
3. लोमड़ी ने खरहे को क्या कहकर संबोधित किया?
4. कुत्ते ने लोमड़ी को क्या भेद बताया?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

संज्ञा के भेद– संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, जैसे– गांधी जी, गंगा, हिमालय आदि।
2. जातिवाचक संज्ञा, जैसे– पर्वत, नदी, डाकिया आदि।
3. भाववाचक संज्ञा, जैसे – बचपन, सच्चाई, सत्य आदि।

(च) निम्नलिखित पंक्तियों में आए संज्ञा शब्द उनके सामने लिखिए–

1. कुत्ते से बोली वह, मामा तुम तो खरहे से हारे। .....

2. वन के छोटे जीव-जंतु को भी पकड़ न पाते हो। .....

3. देख पीठ पर खड़ा काल, जान लिए वह भागा। .....

(छ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्दों से जोड़े मिलाइए–

1. भीतर	(i) आगे
2. सोना	(ii) पीछे
3. पीछे	(iii) बाहर
4. सामने	(iv) जागना

(ज) विशेषता बताने वाले शब्दों को उचित शब्द से मिलाइए–

1. घनी	(i) कुत्ता
2. शिकारी	(ii) झाड़ी
3. लंबी	(iii) झुरमुट
4. कँटीली	(iv) उम्र

(झ) नीचे दिए गए शब्दों को उदाहरण के अनुसार लिखिए–

उदाहरण– लोमड़ी = ... ल + ो + म + ड़ + ी .....

1. झुरमुट = ...
2. शिकारी = ...
3. आखिर = ...
4. सयानी = ...

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) हमें पक्षियों को पिंजरे में कैद क्यों नहीं करना चाहिए? सोचिए और लिखिए।

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

'पंचतंत्र' नामक पुस्तक से कोई कहानी पढ़िए और कक्षा में सुनाइए।

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. यदि वन में जीव-जंतु तथा पशु-पक्षी न होते तो वन कैसा लगता? संक्षेप में लिखिए।
2. अपने प्रिय पक्षी या पालतू पशु के बारे में पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

नैनीताल की सैर

नैनीताल
1 जून, 2018
प्रिय गौतम,
नमस्ते!

इस समय मैं नैनीताल से तुम्हें पत्र लिख रहा हूँ। हमारा परिवार यहाँ घूमने आया है। यहाँ आकर दिल्ली की बेचैन गरमी से छुटकारा मिला क्योंकि आसमान में बादल छाए हैं और ठंडी-ठंडी हवाएँ बह रही हैं।

शब्द-संपदा

बेचैन (restless) = परेशान

परसों हम सबने नैनी झील में नौका पर बैठकर घूमने का आनंद उठाया। वहाँ से निकलकर माल रोड होते हुए हम सातताल देखने निकले। यह ऊँची पहाड़ियों के बीच स्थित है जो देखने में गरुड़ के आकार का लगता है। उसके बाद हम भीमताल को निकल पड़े। भीमताल का पानी बड़ा सुंदर लग रहा था। आसमान की छाया इस पानी पर पड़ रही थी जिससे यह नीला दिख रहा था।

कल हम सब सूर्योदय से पहले ही 'स्नोव्यू' पहुँचे यहाँ एक दूरबीन रखी थी इस दूरबीन से हिमालय की चोटियों को देखने का अनुभव अनूठा था। फिर हम सब 'चाइना पीक' गए जहाँ से सूर्योदय का खूबसूरत नज़ारा देखा। लगभग चार बजे हम सब नैना देवी के

शब्द-संपदा

गरुड़ (eagle) = एक प्रकार का बड़ा पक्षी अनूठा (unique) = निराला

मंदिर गए। यह मंदिर नैनी झील के पास ही है। मंदिर से निकलकर हम सबने एक बार फिर नैनी झील में **नौका विहार** किया। वहाँ से लौटते समय यहाँ एक ऊँची पहाड़ी पर स्थित हनुमानगढ़ी भी देखने गए। वहाँ से पहाड़ियों के पीछे ढलते सूरज को देखना बड़ा अच्छा लगा।

इन तीन दिनों में नैनीताल की खूबसूरती ने मन मोह लिया है। अब आज हम सब दिल्ली के लिए लौट जाएँगे। आने पर तुम्हें यहाँ खींचे गए फोटो दिखाऊँगा। बस, मेरे लौटने का इंतज़ार करो।

तुम्हारा मित्र

अनुराग

शब्द-संपदा

नौका विहार (boating) = नाव में बैठकर घूमना

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. यह पत्र कहाँ से किसने लिखा है?
2. पत्र लिखने वाले को नैनीताल में गरमी से छुटकारा क्यों मिला?
3. सातताल कहाँ है? यह देखने में कैसा लगता है?
4. भीमताल का पानी नीला क्यों दिख रहा था?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. यह पत्र ..... से लिखा गया है। (नैनीताल / दिल्ली)
2. ..... हवाएँ बह रही हैं। (गरम / ठंडी)
3. ..... का पानी सुंदर लग रहा था। (सातताल / भीमताल)
4. 'चाइनापीक' से ..... का खूबसूरत नज़ारा देखा। (सूर्योदय / सूर्यास्त)

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. यह पत्र किसके लिए लिखा गया है? .....
2. परिवार ने कितने दिनों तक नैनीताल की सैर की? .....
3. अनुराग के परिवार ने कहाँ नौका विहार किया? .....
4. दूरबीन कहाँ रखी गई है? .....

(घ) निम्नलिखित वाक्यों के सामने सही अथवा गलत लिखिए–

1. अनुराग दिल्ली से नैनीताल घूमने गया था। .....
2. सबने नैनी झील में नौका विहार का आनंद उठाया। .....
3. सबने हनुमानगढ़ी भी देखा। .....
4. वे एक सप्ताह नैनीताल में रुके रहे। .....

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. अनुराग नैनी झील देखने के बाद कहाँ गया?
2. अनुराग के परिवार ने दूरबीन से क्या देखा?
3. उन लोगों ने पहाड़ियों से क्या देखा?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

नए शब्द बनाना– नए शब्द बनाने के लिए शब्दों के पहले कुछ शब्दांश जोड़ दिए जाते हैं। इससे उनके अर्थ में बदलाव आ जाता है। जैसे- परि + वार = परिवार

(च) निम्नलिखित को मिलाकर शब्द बनाइए–

1. आ + समान = ...
2. खूब + सूरत = ...
3. परि + श्रम = ...
4. हम + सफर = ...

(छ) निम्नलिखित शब्दों के सामने एक या अनेक लिखिए–

1. हवाएँ .....
2. झील .....
3. दूरबीन .....
4. पहाड़ियाँ .....

(ज) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. आसमान .....
2. सूर्योदय .....
3. बेचैन .....
4. सूर्यास्त .....

(झ) एक शब्द में बताइए–

जिससे दूर की वस्तुएँ देखी जाएँ – .....दूरबीन.....

1. जो बच्चों को पढ़ाते हैं – .....
2. जो फल बेचता है – .....

3. जो आज्ञा मानता है – .....

4. जो साथ में पढ़ता है – .....

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमने जाते हैं। इससे क्या-क्या लाभ हैं? बताइए।

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

1. परिवार के साथ की गई अपनी किसी यात्रा के बारे में अपने मित्रों को बताइए।
2. नैनीताल एक पर्यटक स्थल है। देश में अन्य पर्यटक स्थलों के बारे में अपने अध्यापक/अध्यापिका से जानकारी प्राप्त कीजिए–

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. यात्रा की तैयारी करते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।
2. हम जिन स्थानों पर घूमने-टहलने जाते हैं, वहाँ की साफ़-सफ़ाई आदि के विषय में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
3. नीचे नैनीताल के पास में स्थित पर्यटक स्थल भीमताल का चित्र दिया गया है। इसके बारे में इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करके पाँच वाक्य लिखिए।

8

प्यारे बापू

हम सबके थे प्यारे बापू,
सारे जग से न्यारे बापू।
जगमग-जगमग तारे बापू,
भारत के उजियारे बापू।

लगते तो थे दुबले बापू,
थे ताक़त के पुतले बापू।
नहीं कभी डरते थे बापू,
जो कहते, करते थे बापू।

सदा सत्य अपनाते बापू,
सबको गले लगाते बापू।
हम हैं एक, सिखाते बापू,
सच्ची राह दिखाते बापू।

चरखा खादी लाए बापू,
हैं आज़ादी लाए बापू।
कभी न हिम्मत हारे बापू,
आँखों के थे तारे बापू।

–सियाराम शरण गुप्त

शब्द-संपदा

न्यारा (unique) = सबसे अलग

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. बापू, दिखने में कैसे लगते थे?
2. बापू, लोगों को क्या सिखाते थे?
3. बापू, लोगों को कौन-सी राह दिखाते थे?

(ख) सही शब्द चुनकर कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

पुतले, डरते, तारे, जग

1. सारे .... से न्यारे बापू।
2. थे ताक़त के .... बापू।
3. नहीं कभी .... थे बापू।
4. आँखों के थे .... बापू।

(ग) कविता की अगली पंक्ति बताइए–

1. हम सबके थे प्यारे बापू, ...
2. जगमग-जगमग तारे बापू, ...
3. सदा सत्य अपनाते बापू, ...
4. चरखा खादी लाए बापू, ...

(घ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. बापू देशवासियों के लिए क्या-क्या लाए हैं?
2. 'आँखों के थे तारे बापू' का अर्थ क्या है?
3. बापू को ताक़त का पुतला क्यों कहा गया है?
4. इस कविता के कवि का नाम क्या है?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

पर्यायवाची शब्द– जिन शब्दों से एक समान अर्थ का पता चलता है, उन्हें **पर्यायवाची शब्द** कहते हैं। **जैसे–** जल, नीर, तोय, अंबु का अर्थ पानी है। अतः ये पानी के पर्यायवाची हैं।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को उनके पर्यायवाची से मिलाइए–

1. जग	(i) जलज, पंकज
2. राह	(ii) दुनिया, जगत
3. कमल	(iii) घन, मेघ
4. बादल	(iv) पथ, मार्ग

(च) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. उजियारा .....
2. ताक़त का पुतला .....
3. गले लगाना .....
4. आँखों का तारा .....

(छ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

1. सच्चा .....
2. एक .....
3. सत्य .....
4. आज़ादी .....

(ज) निम्नलिखित पंक्तियों को उदाहरण के अनुसार लिखिए–

उदाहरण– हम सबके थे प्यारे बापू, ... बापू हम सबके प्यारे थे। .....

1. लगते तो थे दुबले बापू, ...
2. नहीं कभी डरते थे बापू, ...
3. हैं आज़ादी लाए बापू, ...
4. आँखों के थे तारे बापू, ...

जीवन कौशल (Life-Skills)

(झ) बापू सदा सत्य बोलते थे। इस पंक्ति से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ञ) मौखिक अभिव्यक्ति–

बापू के उन हथियारों के नाम कक्षा में अपने सहपाठियों को बताइए, जिनके बल पर उन्होंने हमें आज़ादी दिला दी।

(ट) लिखित अभिव्यक्ति–

1. 'दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल' गीत इंटरनेट पर खोजिए। अपनी कॉपी में लिखिए और गांधी जयंती के अवसर पर गाइए।
2. गांधी जी नरम दल के नेता माने जाते हैं। इस दल के अन्य तीन नेताओं के नाम लिखिए। उनके संबंध में दो-तीन पंक्तियाँ भी लिखिए।

स्वामी दयानंद जी

किसी नदी के किनारे एक स्वामी जी ने **कुटिया** बनवाई और वे उसमें रहने लगे। नदी के किनारे बसे गाँव में एक मंदिर था। मंदिर के पुजारी जी प्रतिदिन नदी स्नान करने जाते। जब वे कुटिया के समीप से गुज़रते तो ढेर सारी गालियाँ निकालते हुए आगे बढ़ जाते।

गालियाँ सुनकर भी स्वामी जी शांत रहते लेकिन उनके शिष्य **बर्दाश्त** नहीं कर पा रहे थे। एक दिन स्वामी जी के एक शिष्य ने कहा, ''महाराज! आप आज्ञा दें तो पुजारी को ठीक कर दें!''

शब्द-संपदा

कुटिया (hut) = झोंपड़ी   **बर्दाश्त करना** (to bear) = सहना

स्वामी जी ने उत्तर दिया, "नहीं वत्स! मन में भी ऐसे विचार लाना पाप है। हो सकता है, यह पुजारी जी का प्यार दिखाने का अपना तरीका होगा।"

एक बार कुछ गाँववाले स्वामी जी के दर्शन करने आए। वे मीठे-मीठे आम भी लेकर आए थे। भक्तों के जाने के बाद स्वामी जी ने दो-चार आम उठाए और एक शिष्य से कहा, "ये आम पुजारी जी को दे आओ। कहना कि आम मीठे हैं, मैंने भिजवाए हैं।"

शिष्य ने आश्चर्य से पूछा, "महाराज! वे आपको गालियाँ देते हैं और आप उन्हें आम भेज रहे हैं?"

स्वामी जी ने हँसकर कहा, "हाँ वत्स! उनसे कहना कि गालियाँ देने से ताकत कम होती है। ये आम खाएँ और अपनी ताकत बढ़ाएँ।"

शिष्य पुजारी जी के पास पहुँचा। उसने आमों के साथ स्वामी जी का संदेश भी कह सुनाया।

शिष्यों के जाने के बाद पुजारी जी रात भर सोचते रहे, "ये कितने बड़े संत हैं। मैं गाली देता था पर इन्होंने मेरे लिए आम भेजे।"

किसी तरह रात बीती। दूसरे दिन, सुबह होते ही पुजारी जी सीधा स्वामी जी के पास गए और उनके चरणों में गिर पड़े, "महाराज! मैंने आपको पहचानने में भूल कर दी। मुझे क्षमा करें।"

स्वामी जी ने पुजारी जी को उठाकर गले से लगा लिया और कहा, "देखो भाई, भगवान ने **वाणी** का यह वरदान मनुष्य को मीठा बोलने के लिए दिया है। कड़वे बोल न केवल सुनने वाले को दुख देते हैं बल्कि बोलने वाले को भी दुख पहुँचाते हैं। इसलिए, जब भी बोलो तब मीठा बोलो और अच्छा बोलो।"

बच्चो! स्वामी जी और कोई नहीं, वे स्वामी दयानंद सरस्वती थे। उन्होंने हमें वेदों का **वास्तविक** ज्ञान दिया था।

शब्द-संपदा

वाणी (power of speech) = बोलने की शक्ति **वास्तविक** (real) = सच्चा

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. कुटिया के समीप से गुजरने पर पुजारी जी क्या करते?
2. एक शिष्य ने स्वामी जी से क्या कहा?
3. शिष्य ने आश्चर्य से स्वामी जी से क्या पूछा?
4. पुजारी जी रात भर क्या सोचते रहे?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. पुजारी जी ..... नदी स्नान को जाते। (प्रतिदिन/कभी-कभी)
2. गालियाँ सुनकर भी ..... शांत रहते। (पुजारी/स्वामी जी)
3. वे मीठे-मीठे ..... साथ लाए थे। (सेब/आम)
4. किसी तरह ..... बीती। (दिन/रात)

(ग) निम्नलिखित वाक्यों के सामने सही अथवा गलत लिखिए–

1. नदी के किनारे बसे गाँव में एक मंदिर था। .....
2. पुजारी जी आशीर्वाद देते हुए आगे बढ़ जाते। .....
3. पुजारी जी स्वामी जी के चरणों में गिर गए। .....
4. कुछ शहर वाले स्वामी जी के दर्शन को आए। .....

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. स्वामी जी ने कुटिया कहाँ बनवाई? .....
2. गाँव वाले क्या लेकर स्वामी जी के पास आए थे? .....
3. दूसरे दिन पुजारी जी किसके पास गए? .....
4. स्वामी जी वास्तव में कौन थे? .....

(ङ) पाठ के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम दीजिए–

1. पुजारी जी गालियाँ देते हुए आगे बढ़ जाते। ☐
2. पुजारी जी, स्वामी जी के चरणों पर गिर गए। ☐
3. स्वामी जी कुटिया में रहते थे। ☐
4. शिष्य ने आमों के साथ स्वामी जी का संदेश दिया। ☐

(च) लिखित उत्तर दीजिए–

1. पुजारी जी प्रतिदिन नदी तक क्यों जाते थे?
2. दो चार आम उठाकर स्वामी जी ने शिष्य से क्या कहा?
3. शिष्य के जाने के बाद पुजारी जी क्या सोचने पर विवश हो गए?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

सर्वनाम– संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं। जैसे–'आप आज्ञा दें।' वाक्य में **आप** सर्वनाम है।

(छ) निम्नलिखित सर्वनामों से वाक्य बनाइए–

1. मैं .....
2. हम .....
3. वे .....
4. कोई .....

(ज) बहुवचन बनाकर लिखिए–

1. नदी .....
2. किनारा .....
3. रात .....
4. किताब .....

(झ) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

के, ने, को, में

1. गाँव ..... एक मंदिर था।
2. स्वामी जी ..... कुटिया बनवाई।
3. ये आम पुजारी ..... दे आओ।
4. वे स्वामी जी ..... दर्शन करने गए।

(ञ) स्त्रीलिंग या पुल्लिग लिखिए–

1. कुटिया .....
2. स्वामी .....
3. शिष्य .....
4. नदी .....

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ट) 1. आप किसी व्यक्ति से बात करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखेंगे?

2. यदि आप स्वामी जी के स्थान पर होते तो पुजारी जी से कैसा व्यवहार करते?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ठ) मौखिक अभिव्यक्ति–

महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल को अच्छे कर्म करने के लिए कैसे प्रेरित किया? इस संबंध में जानकारी लीजिए और कक्षा में सुनाइए।

(ड) लिखित अभिव्यक्ति–

1. यदि स्वामी जी भी गालियों का बदला गालियों से देते तो क्या होता?
2. पुजारी जी रोज नदी में नहाने जाते थे पर आज नदियाँ मैली हो गई हैं। इनको साफ रखने के लिए कोई दो उपाय अपनी कॉपी में लिखिए।

हिंद देश के निवासी

(बगीचे में बैठी मिनी दीदी हौले-हौले गुनगुना रही है। साथ में उसका छोटा भाई मन्नू भी है।)

मिनी – हिंद देश के निवासी, सभी जन एक हैं।
रंग-रूप वेश-भाषा चाहे अनेक हैं।

मन्नू – ये अनेक क्या है, दीदी?

मिनी – अनेक यानी बहुत सारे।

मन्नू – बहुत सारे! क्या बहुत सारे?

मिनी – अच्छा, बताती हूँ। जैसे-सूरज एक, चंदा एक और तारे अनेक।

मन्नू – ये अनेक कैसे? ठीक से समझाओ न दीदी।

(मिनी एक ओर इशारा करते हुए)

मिनी – देखो, देखो, एक गिलहरी, पीछे-पीछे अनेक गिलहरियाँ।
एक तितली, एक और तितली। एक, एक, करके हो गईं अनेक तितलियाँ।

मन्नू – समझ गया दीदी! एक अँगुली, अनेक अँगुलियाँ। वह देखो, अनेक चिड़ियाँ।

मिनी – चिड़िया की कहानी सुनोगे?

मन्नू – हाँ दीदी, सुनाओ न।

मिनी – तो सुनो–एक चिड़िया। एक और चिड़िया। दाना चुगने आई अनेक चिड़ियाँ।

(कुछ और बच्चे दौड़ते हुए उनकी ओर आते हुए)

अली – हमें भी सुनाओ न, दीदी।

मिनी – अच्छा, सुनो-एक चिड़िया। एक और चिड़िया। अनेक चिड़ियाँ। दाना चुगने बैठ गई थीं। पर हाय राम! वहाँ शिकारी ने एक जाल बिछाया था।

गुरमीत – तो क्या चिड़ियाँ पकड़ ली गईं?

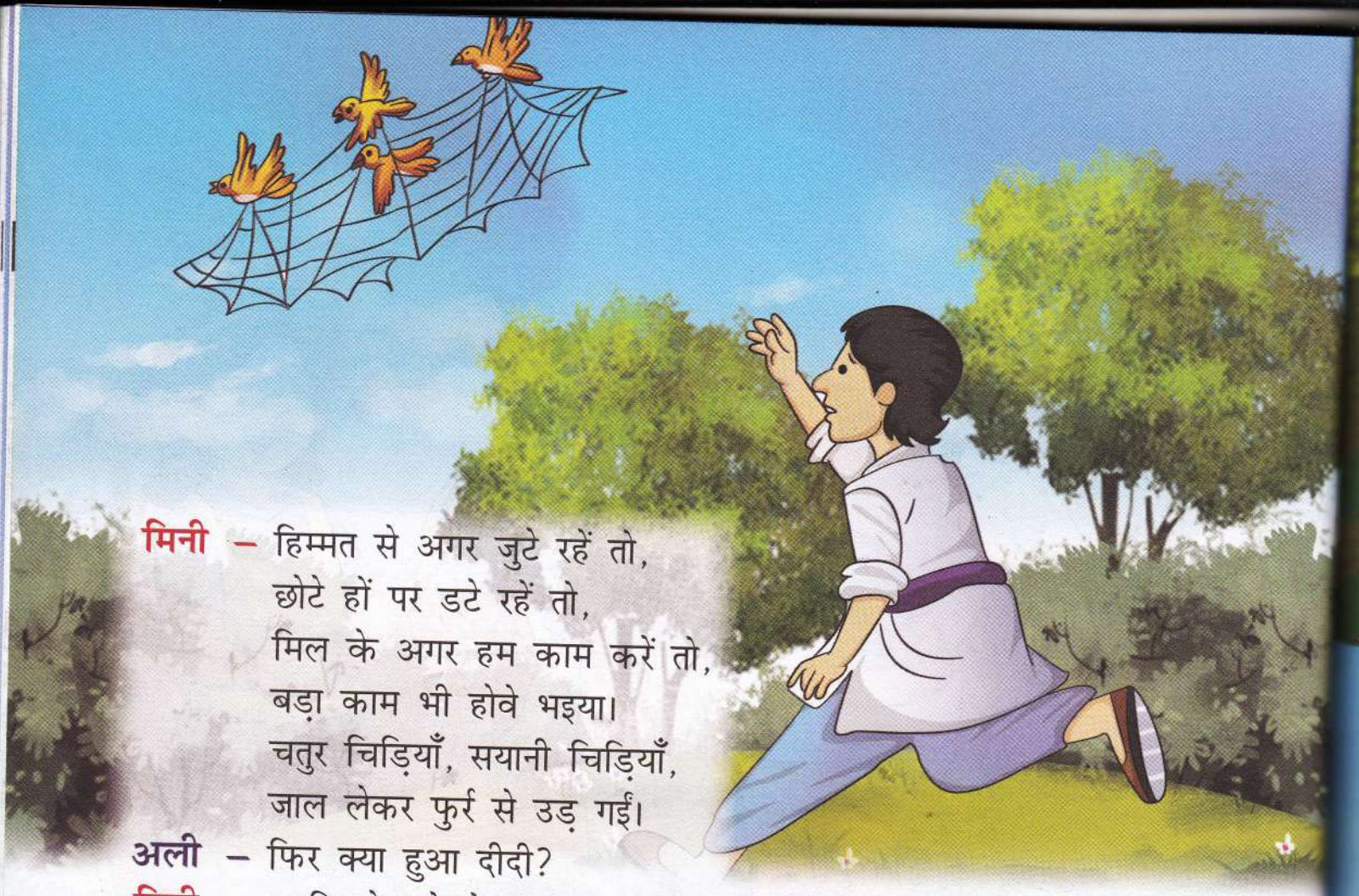

मिनी – हिम्मत से अगर जुटे रहें तो,
छोटे हों पर डटे रहें तो,
मिल के अगर हम काम करें तो,
बड़ा काम भी होवे भइया।
चतुर चिड़ियाँ, सयानी चिड़ियाँ,
जाल लेकर फुर्र से उड़ गईं।

अली – फिर क्या हुआ दीदी?

मिनी – बुद्धि से बड़े से बड़ा काम भी कर सकते हैं। सब चिड़ियों ने मिलकर ज़ोर लगाया और जाल समेत उड़ गईं। जंगल में उनके दोस्त चूहों ने उनका जाल काट दिया और सब चिड़ियाँ जाल से छूट गईं।

जोसफ – वाह! कहानी सुनकर बड़ा मज़ा आया।

मिनी – देखा तुमने, जब अनेक एक हो जाते हैं तो कितना मज़ा आता है।

मन्नू – समझ गया दीदी। 'मुक्का तानकर दिखाते हुए' हो गए एक, बन गई ताकत, बँध गई हिम्मत।

जोसफ – दीदी, अगर हम एक हो जाएँ तो कोई भी काम कर सकते हैं न!

मिनी – हाँ, क्यों नहीं।

गुरमीत – तो क्या हम इस पेड़ के फल भी तोड़ सकते हैं?

मिनी – हाँ, लेकिन जुगत लगानी होगी।

(दीदी उन्हें तरीका बताती है। कुछ बच्चे पेड़ के पास एक घेरा बनाकर खड़े हो जाते हैं। उन बच्चों पर कुछ और बच्चे चढ़कर एक और घेरा बनाते हैं। एक लंबा लड़का सबसे ऊपर जाकर फल तोड़ लाता है। सब बच्चे खुशी से तालियाँ बजाते हैं। और दीदी के साथ मिलकर गाते हैं।)

मिनी – हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं।
बच्चे – हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं।
मिनी – रंग-रूप वेश-भाषा चाहे अनेक हैं।
बच्चे – रंग-रूप वेश-भाषा चाहे अनेक हैं।
मिनी – बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली।
बच्चे – बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली।
मिनी – फूल हैं अनेक, किंतु माला फिर एक है।
बच्चे – फूल हैं अनेक, किंतु माला फिर एक है।
मिनी – हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं।
बच्चे – हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं।
मिनी – वाह!

(सभी बच्चे ताली बजाते हैं।)

–दूरदर्शन से सभार

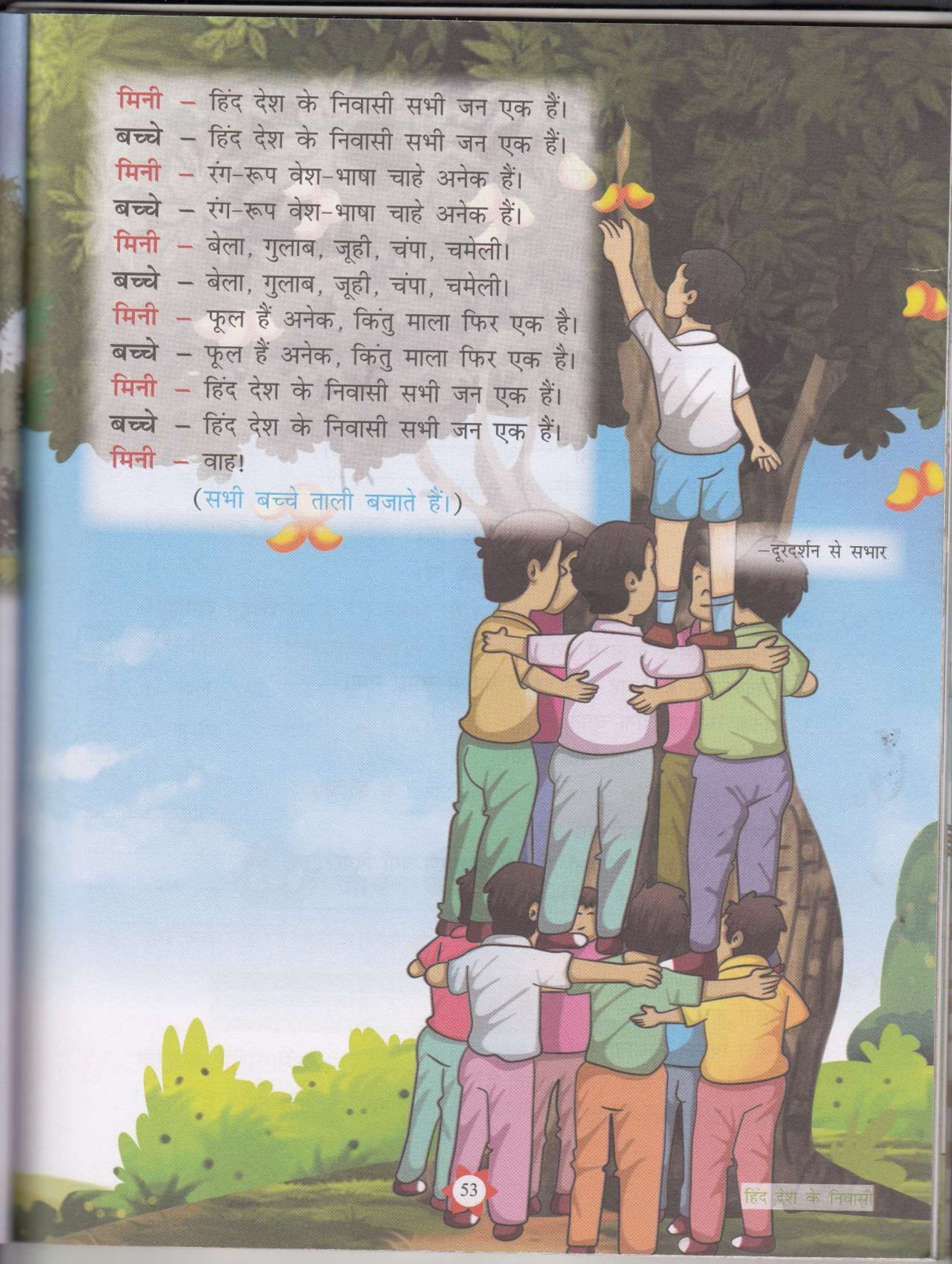

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न)

(Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. मिनी ने एक-अनेक समझाने के लिए पहले क्या समझाया?
2. मिनी ने किसकी कहानी सुनाई?
3. अंत में बच्चे क्या समझ गए?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

दाना, जन, जाल, कहानी

1. हिंद देश के निवासी सभी ..... एक हैं।
2. चिड़िया की ..... सुनोगे।
3. चिड़ियाँ ..... चुगने बैठ गईं।
4. चिड़ियाँ ..... समेत उड़ गईं।

(ग) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (×) का चिह्न लगाइए–

1. मिनी और मन्नू कक्षा में बैठे थे। ☐
2. 'अनेक क्या है?' यह मन्नू पहली बार में समझ गया। ☐
3. अनेक चिड़ियाँ दाना चुगने आईं। ☐
4. वहाँ शिकारी ने जाल बिछाया था। ☐

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. मिनी और मन्नू कहाँ बैठे थे? .....
2. मिनी ने तितली और तितलियों का उदाहरण क्यों दिया? .....
3. चिड़ियाँ जाल लेकर कहाँ चली गईं? .....
4. हिम्मत कब बँध जाती है? .....

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. मिनी कौन-सा गीत गुनगुना रही थी?
2. जाल किसने बिछाया था?
3. बड़ा काम भी कब पूरा हो जाता है?
4. जाल किसने काट दिया?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

वचन– वचन का अर्थ है–संख्या। कोई वस्तु एक है या अनेक, इसे ही **वचन** कहते हैं। वचन के दो भेद होते हैं– 1. एकवचन 2. बहुवचन।

(च) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए–

1. तितली ..... 2. अँगुली .....
3. चिड़िया ..... 4. दाना .....

(छ) निम्नलिखित शब्दों के अक्षर सही क्रम में लगाकर इनसे अर्थपूर्ण शब्द बनाइए–

1. रनकता ..... 2. कमिलर .....
3. कारीशि ..... 4. रीलहगि .....

(ज) निम्नलिखित शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए–

1. एक ..... 2. दोस्त .....
3. चतुर ..... 4. ऊपर .....

(झ) नीचे दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. जाल .....
2. बुद्धि .....
3. ज़ोर .....
4. बगीचा .....

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) 'हम एक बने रहें' इसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

'एकता में शक्ति होती है।' यह संदेश देने वाली कोई कहानी कक्षा में सुनाइए।

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. आप बगीचे में खेलते समय किन-किन बातों का ध्यान रखेंगे?
2. लोग ऐसे कौन-कौन से काम करते हैं जिनसे हमारी एकता को खतरा उत्पन्न होता है। इन कामों की सूची बनाइए।
3. जाल लेकर उड़ती चिड़ियाँ के चित्र में रंग भरिए–

11

मैं दही हूँ

बच्चो! मैं दही हूँ। आप मुझे चाव से खाते होंगे। आपकी मम्मी घर में मुझे जमाती भी होंगी। आइए, आपको अपने बारे में तरह-तरह की जानकारी दूँ– मेरा इतिहास बहुत पुराना है।

लोग मुझे बनाने की विधि बहुत पहले से ही जानते हैं। मुझे बनाने के लिए गरम दूध में पहले से तैयार दही की थोड़ी-सी मात्रा डालकर दूध को **स्थिर** छोड़ दिया जाता है। इससे दूध धीरे-धीरे थक्के के रूप में जम जाता है। इस प्रकार मैं यानी 'दही' बनकर तैयार हो जाता हूँ। इस विधि में गरम दूध में जो थोड़ा-सा दही डाला जाता है, उसे 'जामन डालना' कहते हैं। 'जामन' शब्द 'जमाना' से ही बना है।

यह तो हुई मेरे बनने की बात, अब मैं बताता हूँ कि मैं आपके लिए कितना **गुणकारी** हूँ। मेरे **जीवाणु** आपकी आँतों में मौजूद जीवाणुओं से काफ़ी मिलते-जुलते हैं। आँतों के जीवाणु खाना पचाने में सहायता करते हैं। उसी प्रकार, मेरे जीवाणु भी आपके पेट में पहुँचकर खाना पचाने में और पेट को कई रोगों से बचाने में मदद करते हैं।

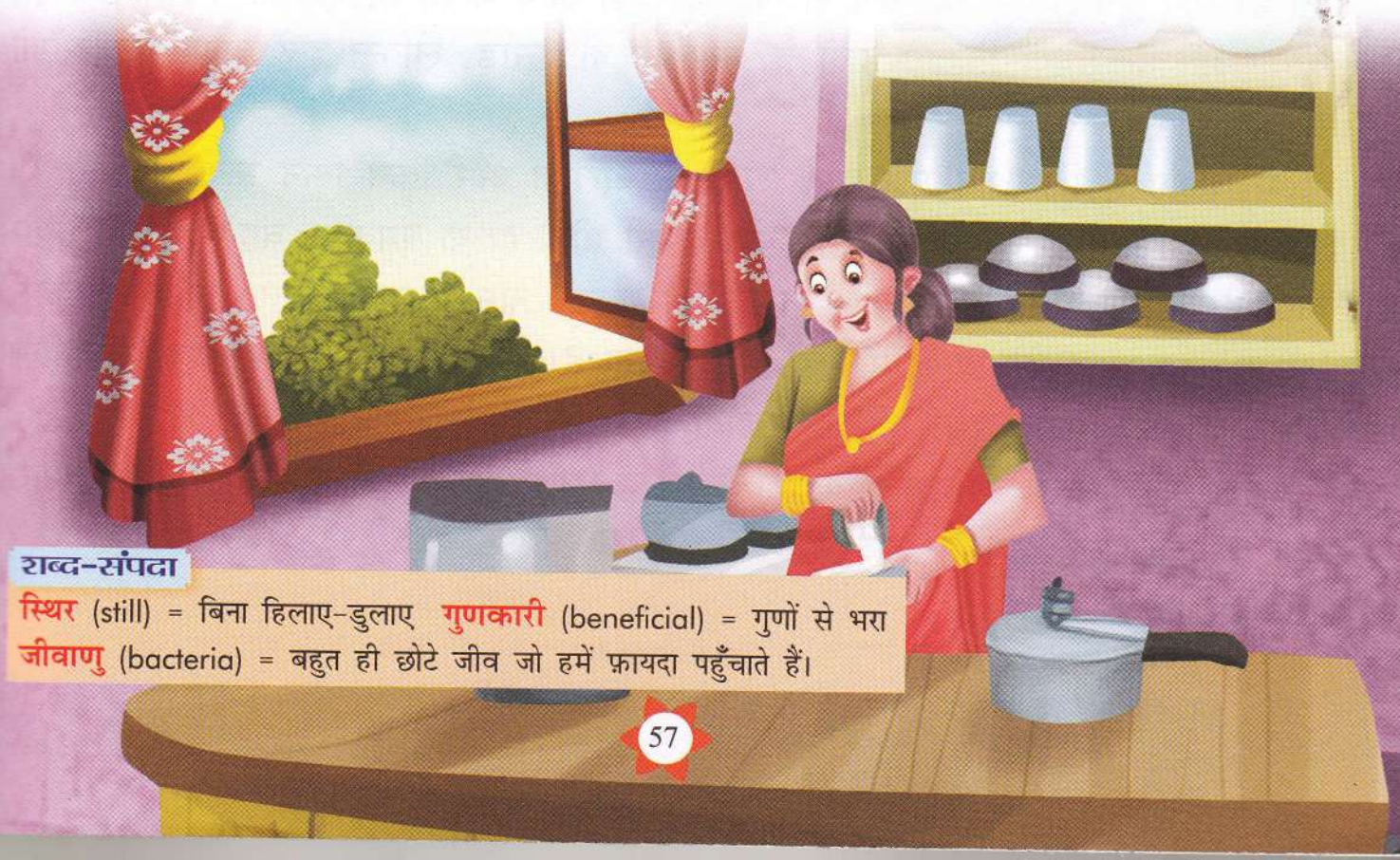

शब्द-संपदा

स्थिर (still) = बिना हिलाए-डुलाए **गुणकारी** (beneficial) = गुणों से भरा
जीवाणु (bacteria) = बहुत ही छोटे जीव जो हमें फ़ायदा पहुँचाते हैं।

अब आप इस क्रिया को विज्ञान की भाषा में समझिए। जामन के रूप में जो दही इस्तेमाल किया जाता है उसमें एक प्रकार के **लाभकारी** जीवाणु पाए जाते हैं। ये दूध में अपना परिवार तेज़ी से बढ़ाने लगते हैं और उसमें मौजूद तत्व को थक्के के रूप में जमा देते हैं। यही थक्का दही का रूप ले लेता है। क्या आप जानते हैं, एक चम्मच दही में इन जीवाणुओं की संख्या कितनी होती है? लगभग दो करोड़, लेकिन इन्हें आप नंगी आँखों से नहीं देख सकते।

मैं बताता हूँ कि आप मुझे सीधे खाने के अलावा और किन-किन रूपों में खाते हैं। 'लस्सी' का नाम तो आपने सुना ही होगा। लस्सी मीठी हो या नमकीन, वह मुझसे ही तैयार होती है। दक्षिण भारत में नमकीन लस्सी को 'ताक' नाम से जाना जाता है। इसी प्रकार, 'रायता' का स्वाद मेरे बिना मिल ही नहीं सकता है। महाराष्ट्र में 'श्रीखंड' एक लोकप्रिय मिठाई है। यह मिठाई मुझसे ही तैयार होती है।

कुल मिलाकर, मैं सभी भारतीयों का **मनपसंद** पदार्थ हूँ। तभी तो कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लोग मुझे चाव से खाते हैं।

शब्द-संपदा

लाभकारी (beneficial) = गुणों से भरा **मनपसंद** (favourite) = मन को अच्छा लगने वाला

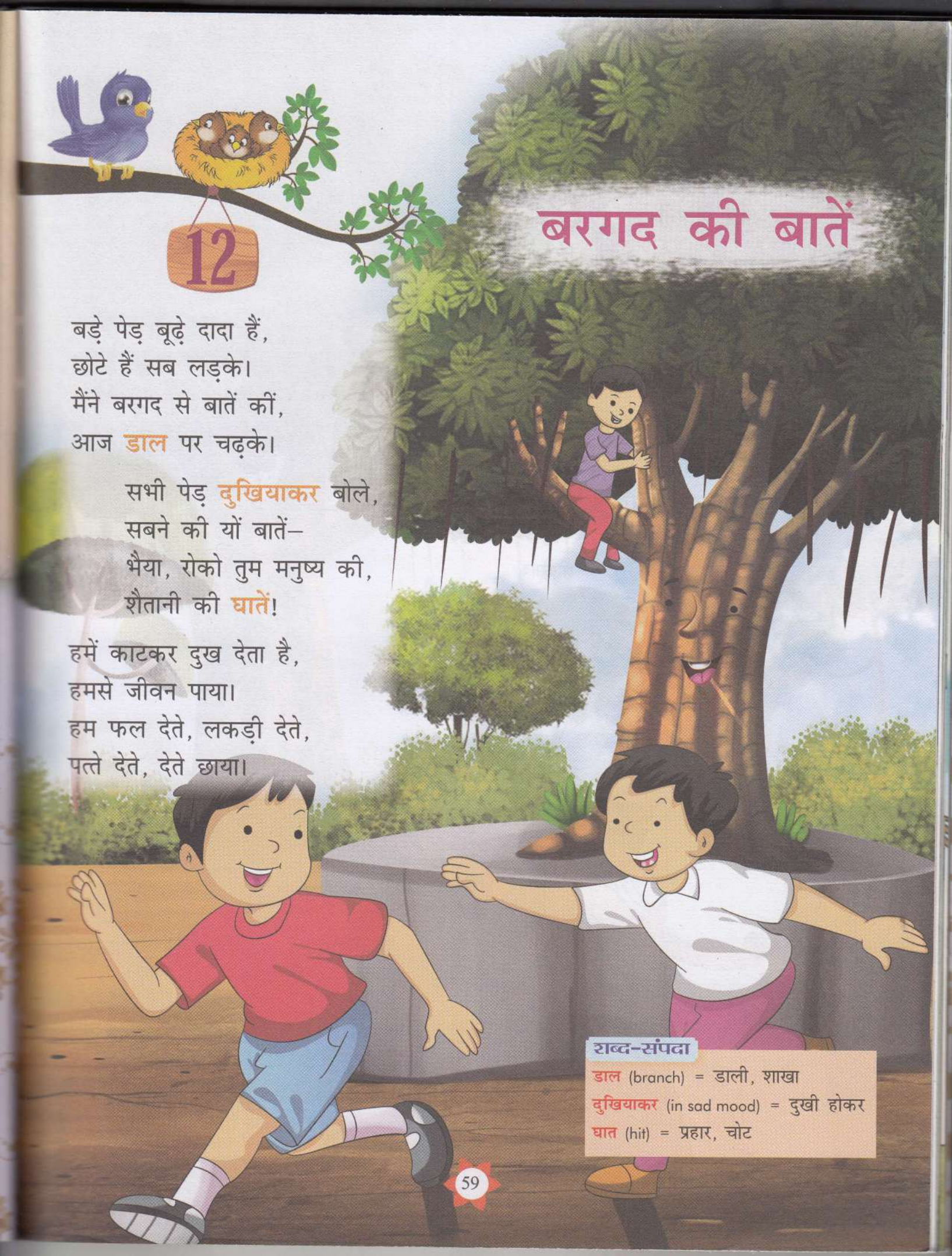

12 बरगद की बातें

बड़े पेड़ बूढ़े दादा हैं,
छोटे हैं सब लड़के।
मैंने बरगद से बातें कीं,
आज **डाल** पर चढ़के।

सभी पेड़ **दुखियाकर** बोले,
सबने की यों बातें–
भैया, रोको तुम मनुष्य की,
शैतानी की **घातें**!

हमें काटकर दुख देता है,
हमसे जीवन पाया।
हम फल देते, लकड़ी देते,
पत्ते देते, देते छाया।

शब्द-संपदा

डाल (branch) = डाली, शाखा
दुखियाकर (in sad mood) = दुखी होकर
घात (hit) = प्रहार, चोट

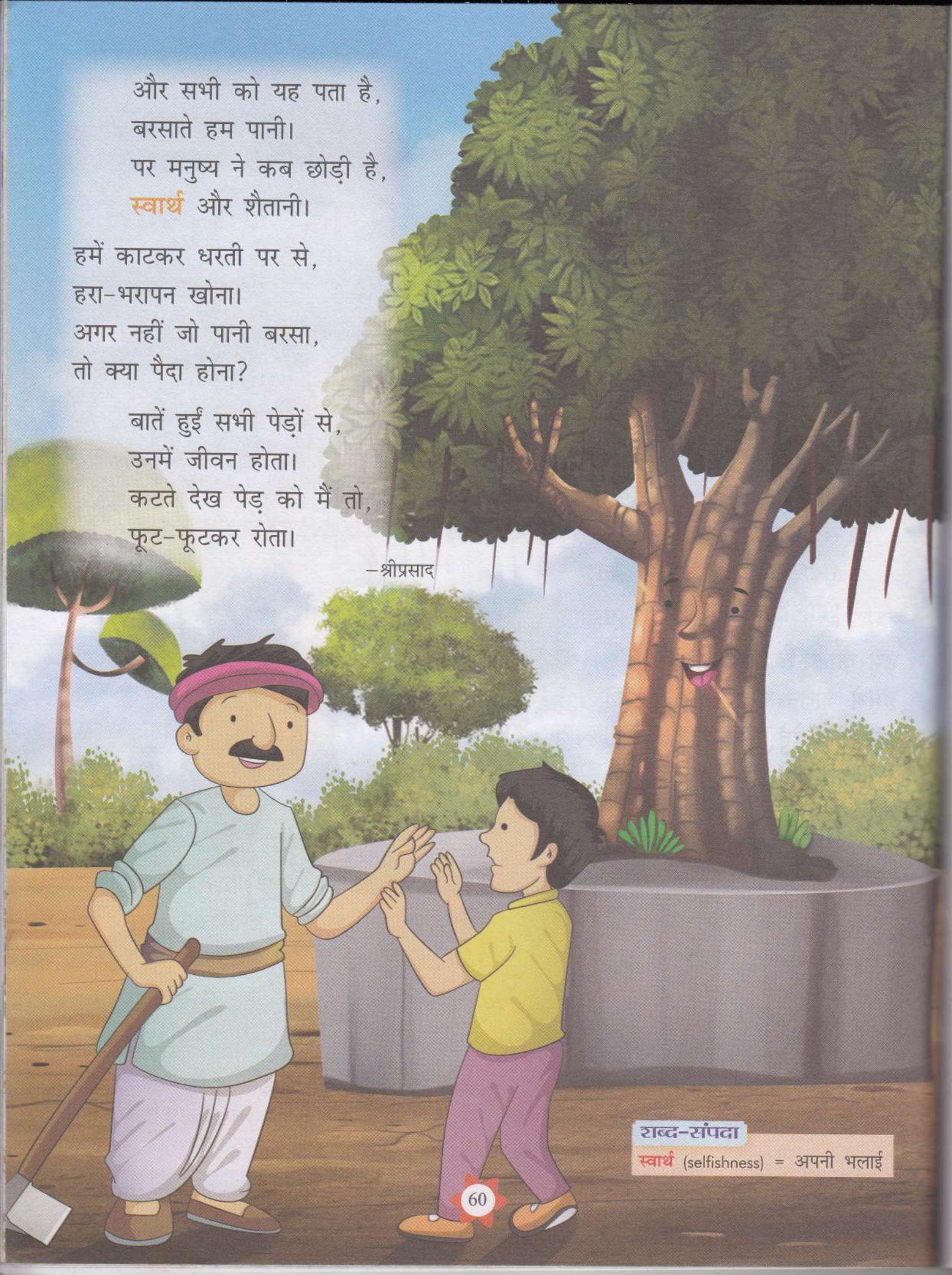

और सभी को यह पता है,
बरसाते हम पानी।
पर मनुष्य ने कब छोड़ी है,
स्वार्थ और शैतानी।

हमें काटकर धरती पर से,
हरा-भरापन खोना।
अगर नहीं जो पानी बरसा,
तो क्या पैदा होना?

बातें हुईं सभी पेड़ों से,
उनमें जीवन होता।
कटते देख पेड़ को मैं तो,
फूट-फूटकर रोता।

–श्रीप्रसाद

शब्द-संपदा

स्वार्थ (selfishness) = अपनी भलाई

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न)

(Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. बालक ने आज किससे बातें कीं?
2. 'शैतानी की घातें' कौन लगा रहा है?
3. मनुष्य ने किनसे जीवन पाया है?
4. बालक कब फूट-फूटकर रोता है?

(ख) सही शब्द चुनकर कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

पेड़, बरगद, सभी, काटकर

1. मैंने ..... से बातें कीं,
2. सभी ..... दुखियाकर बोले।
3. हमें ..... दुख देता है,
4. बातें हुईं ..... पेड़ों से,

(ग) निम्नलिखित पंक्तियों की अगली पंक्ति बताइए–

1. बड़े पेड़ बूढ़े दादा हैं,

   .....

2. भैया, रोको तुम मनुष्य की,

   .....

3. हमें काटकर दुख देता है,

   .....

4. बातें हुईं सभी पेड़ों से,

   .....

(घ) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (×) का चिह्न लगाइए–

1. बालक ने आम के पेड़ से बातें की। ☐
2. सभी पेड़ों ने प्रसन्न होकर बातें कीं। ☐
3. पेड़ लकड़ी, छाया, फल-फूल देते हैं। ☐
4. पेड़ पानी बरसाते हैं। ☐

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. बालक बड़े पेड़ों को क्या मानता है?
2. मनुष्य पेड़ों को किस तरह दुख देता है?
3. धरती पर कुछ भी कब नहीं पैदा होगा?
4. पेड़ों से बात करके बालक ने क्या जाना?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

विशेषण– विशेषता बताने वाले शब्दों को **विशेषण** कहते हैं। जैसे– बड़े पेड़, बूढ़े दादा में– बड़े, बूढ़े विशेषण हैं।

(च) नीचे दिए गए शब्दों के लिए उचित विशेषण छाँटकर लिखिए–

स्वार्थी, छायादार, मीठे, बूढ़े

1. ..... पेड़
2. ..... मनुष्य
3. ..... लोग
4. ..... फल

(छ) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

1. बात .....
2. घात .....
3. पत्ता .....
4. लकड़ी .....

(ज) शब्दों के सामने पुल्लिंग या स्त्रीलिंग लिखिए–

1. बरगद .....
2. शैतानी .....
3. धरती .....
4. पेड़ .....

(झ) शब्दों को उदाहरण के अनुसार लिखिए–

उदाहरण– जीवन = ज + ी + व + न

1. काटकर = ...
2. बरसाते = ...

3. शैतानी = ...

4. दुखियाकर = ...

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) 1. हमें पेड़ों को क्यों नहीं काटना चाहिए?

2. पेड़ हमारे लिए क्यों ज़रूरी हैं?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) **मौखिक अभिव्यक्ति–**

आपने अपने जन्मदिन पर जो पेड़ लगाया था, उसकी देखभाल कैसे करते हैं? कक्षा में बताइए।

(ठ) **लिखित अभिव्यक्ति–**

1. 'वन महोत्सव' क्यों मनाया जाता है? इस बारे में अपने अध्यापक/अध्यापिका से जानिए और पाँच पंक्तियाँ लिखिए।
2. नीचे दिए गए पेड़ के चित्र में रंग भरिए। उसकी महत्ता बताने वाला कोई स्लोगन भी लिखिए।

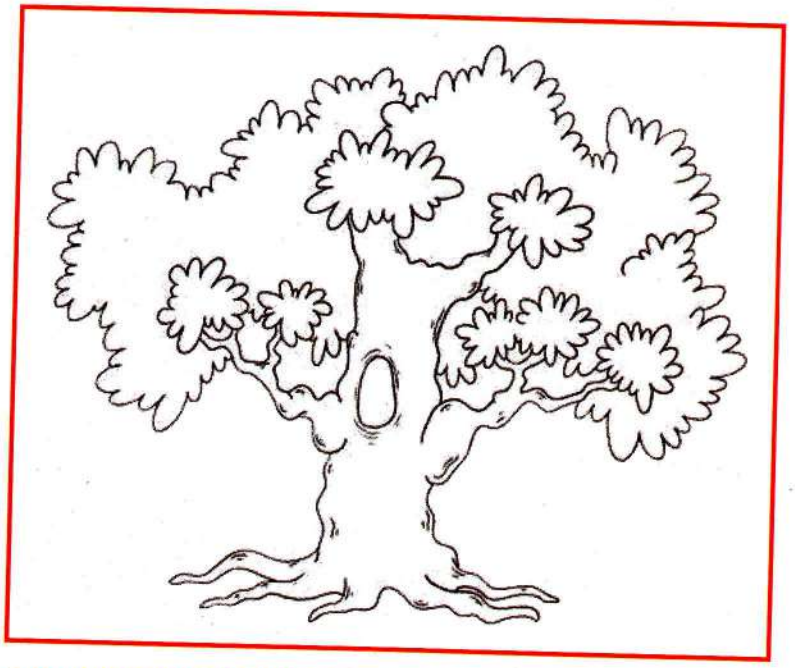

.....

.....

13 धरती और सूरज

रात बीती। आकाश में पूरब की ओर सूरज निकला। सूरज ने धरती को जगाया, "उठो-उठो, भोर हो गई।"

"तंग न करो, मैं कुछ देर और आराम करूँगी।" धरती ने कहा।

"नहीं-नहीं, उठो! तुम जैसे आलसियों को जगाना मेरा काम है।" सूरज ने कहा।

"आलसी मैं नहीं, तुम हो जो बादल की ओट में छिपे रहते हो।" धरती ने कहा।

"अरे! मेरे जितना काम करना पड़े, तब जानो।" सूरज ने चिढ़ाते हुए कहा।

धरती ने कहा "मैं क्या कम काम करती हूँ? इसके बाद भी मैं कितनी सुंदर दिखती हूँ। सब मेरे पास ही चिपके रहते हैं। गुलाब, बेला, चंपा, चमेली, सब मिलकर हमारी दुनिया रंग-बिरंगी बनाते हैं। तुम्हारे पास क्या है – आग का गोला। वह भी दहकता हुआ जिसे कोई छू भी न सके।"

यह सच था कि फूलों के मुकाबले सूरज के पास कोई चीज़ न थी। शर्म के मारे वह बादल के पीछे छिप गया।

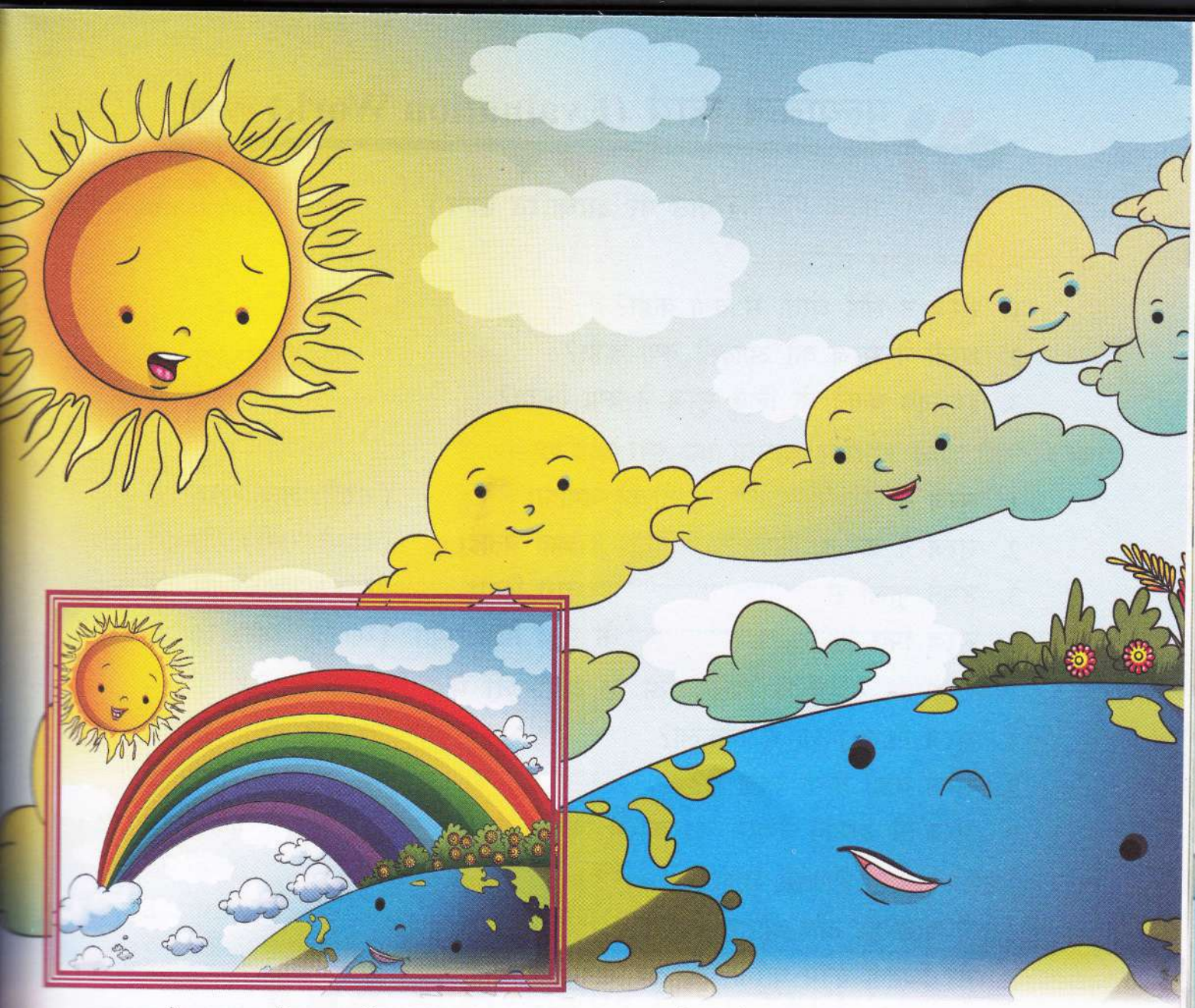

बादल ने सूरज से उदासी का कारण पूछा। सूरज ने उसे सारी बात कह सुनाई।

बादल के कहा, तुम अपनी किरणों को फूलों का रंग चुराने के लिए धरती पर चुपके से भेज दो। फिर हम वर्षा रानी की मदद से तुम्हारी किरणों को सतरंगी बना देंगे।

सूरज ने वैसा ही किया। उसने फूलों से रंग चुरा लिए। वर्षा रानी ने सूरज की किरणों से एक धनुष बनाया। दोनों ने मिलकर धनुष को आकाश में टाँग दिया।

अगली सुबह सूरज ने पूरब की खिड़की से झाँका। उसने धरती से कहा, "धरती रानी! बोलो, इससे बढ़िया धनुष क्या तुम्हारे पास है?"

धरती ने उससे कहा, "भाई! यह धनुष किस काम का? इसमें हमारे फूलों की तरह खुशबू ही नहीं है।"

यह सुनकर सूरज पानी-पानी हो गया और वह फिर बादल के पीछे जा छिपा।

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न)

(Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. सूरज ने सोई धरती से क्या कहा?
2. धरती ने सूरज को आलसी क्यों कहा?
3. इंद्रधनुष बनाने के लिए सूरज ने क्या किया?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. सूरज ने ..... को जगाया। (धरती / आकाश)
2. सूरज ने बादल ..... बात बताई। (आधी / सारी)
3. उसने फूलों से ..... चुरा लिए। (रंग / खुशबू)
4. सूरज फिर ..... के पीछे छिप गया। (बादलों / पेड़ों)

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. सूरज किस दिशा से निकला? .....
2. सूरज कहाँ छिपा रहता है? .....
3. सूरज से उसकी उदासी का कारण किसने पूछा? .....

(घ) किसने कहा? किससे कहा?

1. मैं कुछ देर और आराम करूँगी। ....
2. मेरे जितना काम करना पड़े तब जानो। ....
3. इससे बढ़िया धनुष क्या तुम्हारे पास है? ....

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. सोई धरती ने सूरज से क्या कहा?
2. धरती को कौन-कौन सुंदर बनाते हैं?
3. इंद्रधनुष बनाने के लिए सूरज ने क्या-क्या किया?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

क्रिया– काम के होने या करने का पता जिस शब्द से चले उसे **क्रिया** कहते हैं।
जैसे– राम **पढ़ता है**। मोहन **खेलता है**। इन वाक्यों में '**पढ़ता है**', '**खेलता है**' क्रिया है।

(च) निम्नलिखित वाक्यों की क्रिया पर गोला लगाइए–

1. रात बीती।
2. आकाश में सूरज निकला।
3. भोर हो गई।
4. सूरज ने चिढ़ाते हुए कहा।

(छ) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

की, से, को, में

1. बादल की ओट ..... छिपे रहते हो।
2. तुम जैसों ..... जगाना मेरा काम है।
3. पूरब ..... ओर से सूरज निकला।
4. उसने फूलों ..... रंग चुरा लिए।

(ज) निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. रंग-बिरंगी .....
2. इंद्रधनुष .....
3. गुलाब .....

(झ) विलोम शब्दों के जोड़े मिलाइए–

1. आलसी	(i) बदबू
2. जागना	(ii) परिश्रमी
3. खुशबू	(iii) पश्चिम
4. पूरब	(iv) सोना

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) हमारी धरती बहुत सुंदर है। इसकी सुंदरता बनाए रखने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

इन्द्रधनुष क्या होता है? इसमें कितने रंग होते हैं। इसके बारे में अध्यापक/अध्यापिका से बातचीत कीजिए–

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. सवेरे-सवेरे आपको कौन जगाता है और कैसे? संक्षेप में लिखिए।
2. सवेरे उठकर बाग-बगीचे में जाइए। 'सवेरे का दृश्य आपको कैसा लगा' पाँच वाक्यों में लिखिए।

14

चींटी ने मज़ा चखाया

कपिला वन में चींटियों का एक परिवार रहता था। उस परिवार की मुखिया रानी चींटी थी। रानी चींटी प्रतिदिन प्रातः अपने परिवार के साथ भोजन की टोह में बिल से निकलती थी।

कपिला वन में एक हाथी भी रहता था। वह बड़ा उद्दंड था। वह दिन भर जंगल में इधर से उधर घूमता और पेड़-पौधों को रौंदता रहता था। वन के सारे पशु उससे परेशान रहते थे। वह कभी खरगोश और चूहा जैसे छोटे जानवरों को अपने सूँड़ से उठाकर धरती पर पटक देता तो कभी किसी जानवर को अपने भारी-भरकम पैरों के नीचे कुचल डालता था।

शब्द-संपदा

टोह (search) = खोज उद्दंड (naughty) = शरारती, नटखट

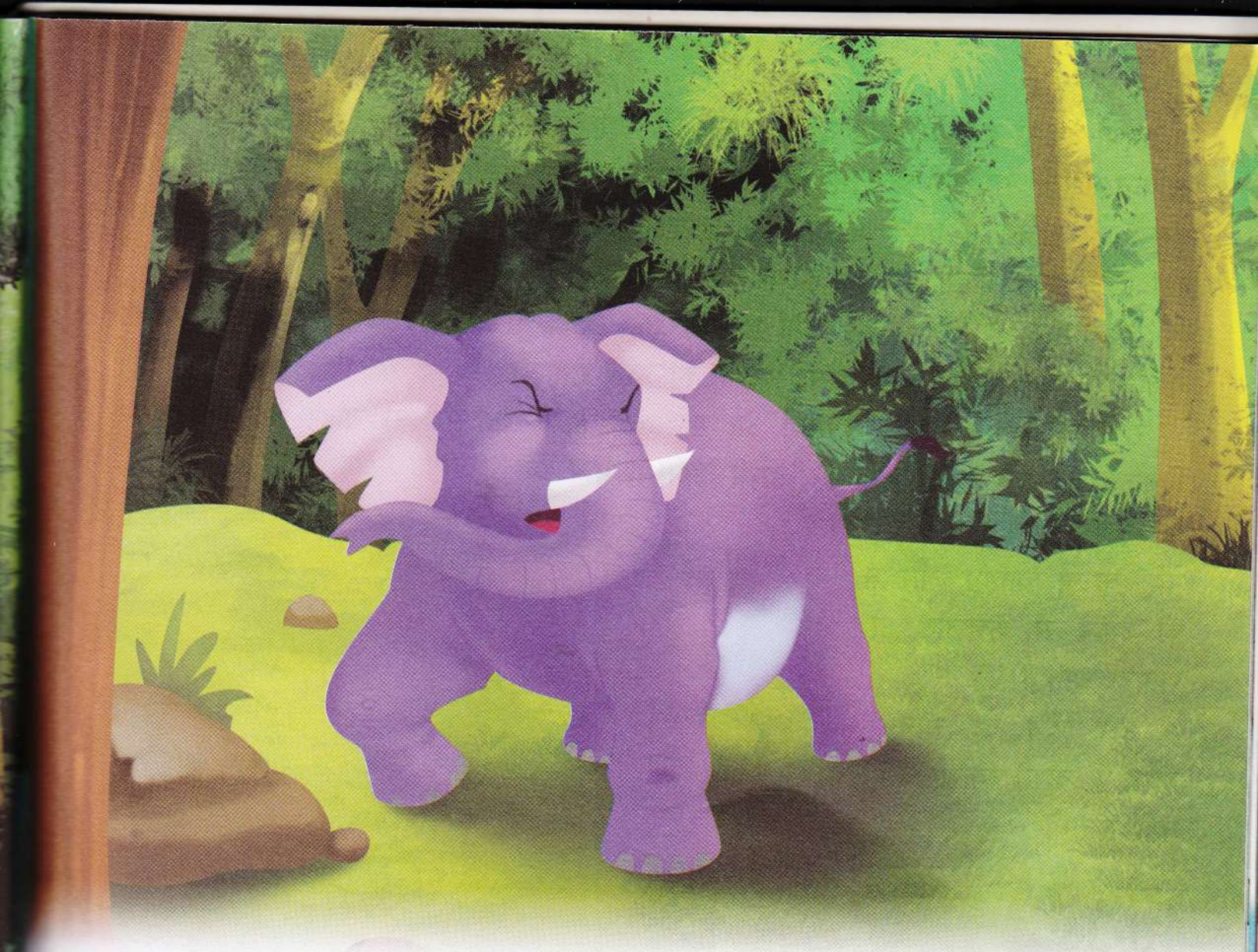

एक दिन हाथी ने कुछ चींटियों को अपने पैरों के **तले** कुचल दिया। रानी चींटी को यह देखकर बहुत दुख हुआ। उसने हाथी से कहा, "हाथी दादा! आप दूसरों को बहुत **सताते** हैं, यह कोई अच्छी बात नहीं है।"

हाथी ने रानी चींटी को **डपट** दिया और कहा, "अबे चुप रह! मैं चाहे कुछ भी करूँ, तुम मुझे समझाने वाली कौन हो? ज़्यादा बोलोगी तो तुम्हें भी कुचलकर मार दूँगा।"

बेचारी रानी चींटी हाथी की यह बात सुनकर चुप हो गई लेकिन उसने मन-ही-मन हाथी को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन हाथी इधर-उधर अपनी मस्ती में घूम रहा था। उसे देखकर रानी चींटी घास में छिप गई। जब हाथी घास के **समीप** आया तब रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई और उसने उसे काटना शुरू कर दिया।

शब्द-संपदा

तले (under) = नीचे **सताना** (to tease) = परेशान करना **डपटना** (to scold) = डाँट देना **समीप** (near) = नज़दीक

हाथी दर्द से छटपटा उठा। उसने अपना सूँड़ ज़ोर-ज़ोर से हिलाया और इधर-उधर पटका लेकिन उसकी परेशानी ज़रा भी कम नहीं हुई। तब रानी चींटी उससे बोली, "दादा, आपको दूसरों को सताने में बहुत आनंद आता है न! अब आप परेशान हो रहे हैं तब कैसा लग रहा है?" ऐसा कहते हुए वह हाथी को और कसकर काटने लगी।

जब हाथी दर्द से कराहने लगा तो वह रानी चींटी से बोला, "मेरी प्यारी नन्ही बहन! मुझे माफ़ कर दो। अब मैं कभी किसी को नहीं सताऊँगा।"

रानी चींटी को हाथी पर दया आ गई। वह हाथी के सूँड़ से बाहर आ गई। बाहर निकलकर उसने हाथी से कहा, "हाथी दादा! कभी भी अपनी ताकत का अभिमान नहीं करना चाहिए और न ही अपने से कमज़ोर को सताना चाहिए।"

उस दिन के बाद, हाथी ने कभी किसी को नहीं सताया।

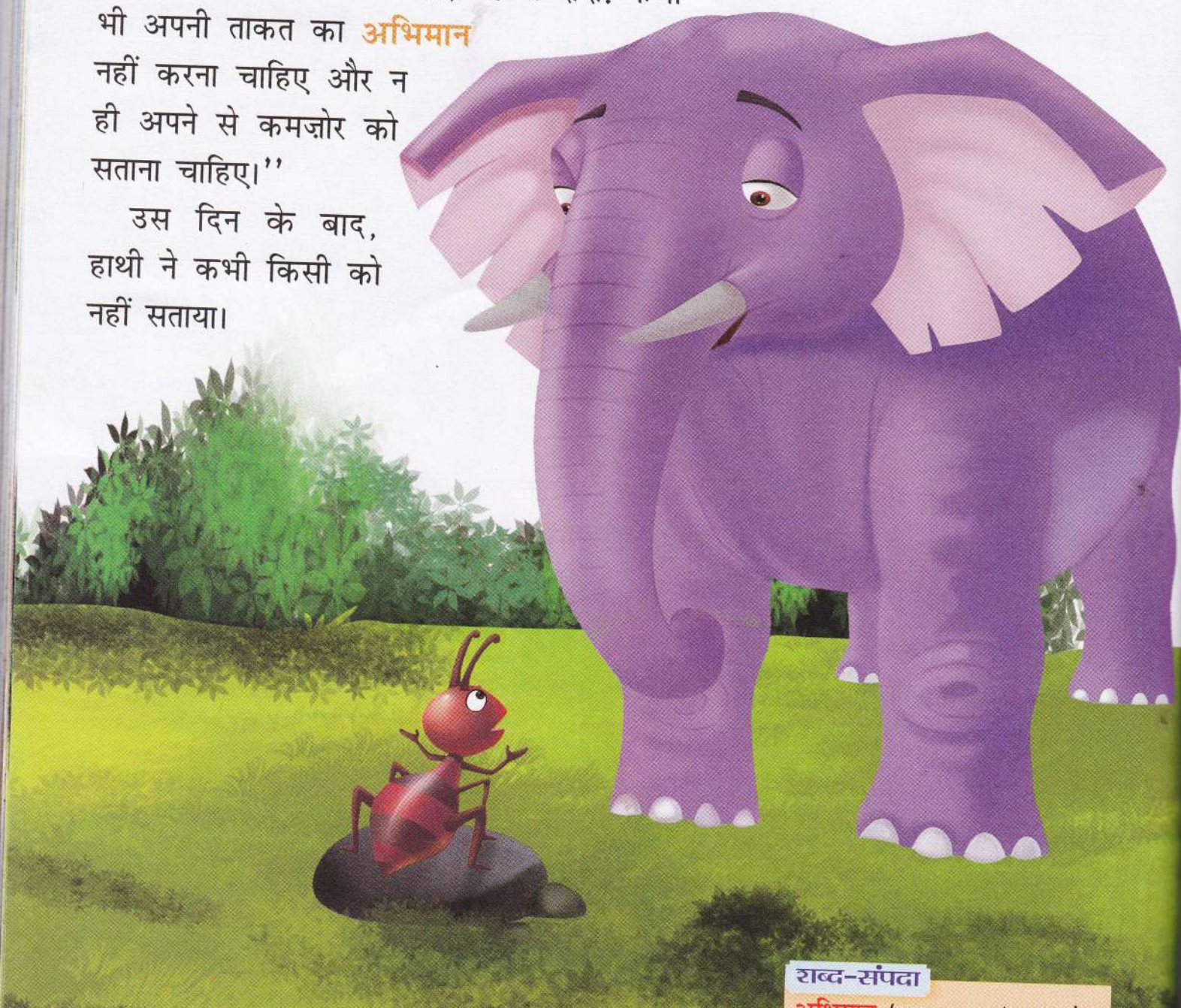

शब्द-संपदा

अभिमान (arrogance) = घमंड

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. रानी चींटी सवेरे क्या काम करती थी?
2. रानी चींटी को क्या देखकर दुख हुआ?
3. घास में छिपी रानी चींटी ने क्या किया?
4. दर्द से कराहते हाथी ने चींटी से क्या कहा?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

सबक, मस्ती, समझाने, समीप

1. तुम मुझे ..... वाली कौन हो?
2. हाथी अपनी ..... में घूम रहा था।
3. हाथी घास के ..... आया।
4. रानी चींटी ने हाथी को ..... सिखाने की सोची।

(ग) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (×) का चिह्न लगाइए–

1. रानी चींटी उस परिवार की मुखिया थी। ☐
2. वन के जानवर हाथी से बहुत खुश थे। ☐
3. हाथी ने रानी चींटी को डपट दिया। ☐
4. हाथी फूल में छिप गया। ☐

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. चींटियों का परिवार कहाँ रहता था? .....
2. हाथी का स्वभाव कैसा था? .....
3. चींटी कहाँ छिपी थी? .....
4. चींटी को किस पर दया आ गई? .....

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. हाथी दिन भर क्या करता रहता था?
2. रानी चींटी ने क्या ठान लिया?
3. दर्द से छटपटाता हाथी क्या करने लगा?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

क्रियाविशेषण– क्रियाविशेषण क्रिया शब्दों की विशेषता बताते हैं।
जैसे–मैं तुम्हें भी कुचलकर मार दूँगा। इस वाक्य में 'कुचलकर' क्रियाविशेषण है।

(च) निम्नलिखित क्रियाविशेषणों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. समीप .....
2. प्रतिदिन .....
3. इधर-उधर .....
4. प्रातः .....

(छ) निम्नलिखित वाक्यों में आए संज्ञा शब्दों को उनके सामने लिखिए–

1. वन में चींटियों का परिवार रहता था। .....
2. उसकी मुखिया रानी चींटी थी। .....
3. वह पेड़-पौधे को रौंदता था। .....
4. वह छोटे जानवरों को धरती पर पटक देता था। .....

(ज) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

1. चींटी .....
2. रानी .....
3. मक्खी .....
4. पौधा .....

(झ) निम्नलिखित शब्दों के सामने पुल्लिंग या स्त्रीलिंग लिखिए–

1. भोजन .....
2. घास .....
3. चींटी .....
4. परिवार .....

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) 1. 'चींटी ने मज़ा चखाया' पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है? अपने शब्दों में लिखिए।

2. क्या अपनी ताक़त के घमंड में हमें किसी भी कमज़ोर को सताना चाहिए? सोचकर लिखिए।

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

1. हाथी विशाल शरीर वाला प्राणी है। वह मनुष्य के किस-किस काम आता है? कक्षा में बताइए।
2. चींटियों को सामाजिक प्राणी क्यों कहा जाता है? इस विषय पर अध्यापक/अध्यापिका जी से जानकारी प्राप्त कीजिए।

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. विभिन्न पशु-पक्षियों के लिए अभयारण्य बनाने तथा उनके शिकार पर रोक लगाने की ज़रूरत क्यों हुई? संक्षेप में लिखिए।
2. नीचे दिए गए चींटी के चित्र में रंग भरिए व इसके बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

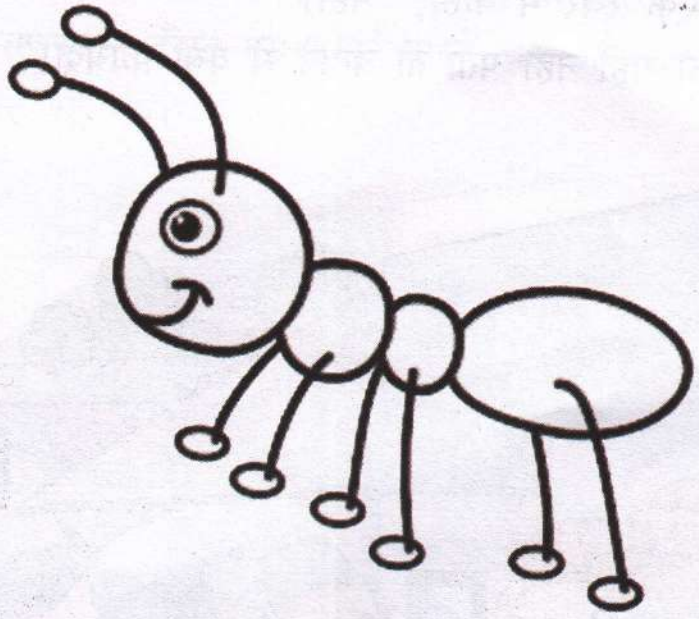

.....

.....

.....

.....

.....

15

मुल्ला नसरुद्दीन

मुल्ला नसरुद्दीन एक चतुर इनसान थे। सब उनकी हाज़िरजवाबी का लोहा मानते थे। वे समझदार व्यक्ति थे। नगर में वे जहाँ कहीं जाते। लोग उन्हें घेर लेते थे। वे उनसे अच्छी-अच्छी बातें सुनने को बेचैन रहते थे।

एक बार वे किसी गाँव में पहुँचे। लोगों ने उन्हें घेर लिया। वे उनसे कुछ सुनने को बेचैन थे।

आज मुल्ला नसरुद्दीन का कुछ कहने सुनने का मन नहीं था। वे बोले "क्या आप लोगों को पता है कि मैं आज आपको क्या बताने वाला हूँ?"

लोगों की भीड़ ने एक स्वर में कहा, "नहीं।"

"जब आप लोगों को यही नहीं पता तो बताने से क्या फ़ायदा!" यह कहकर मुल्ला जी चलते बने।

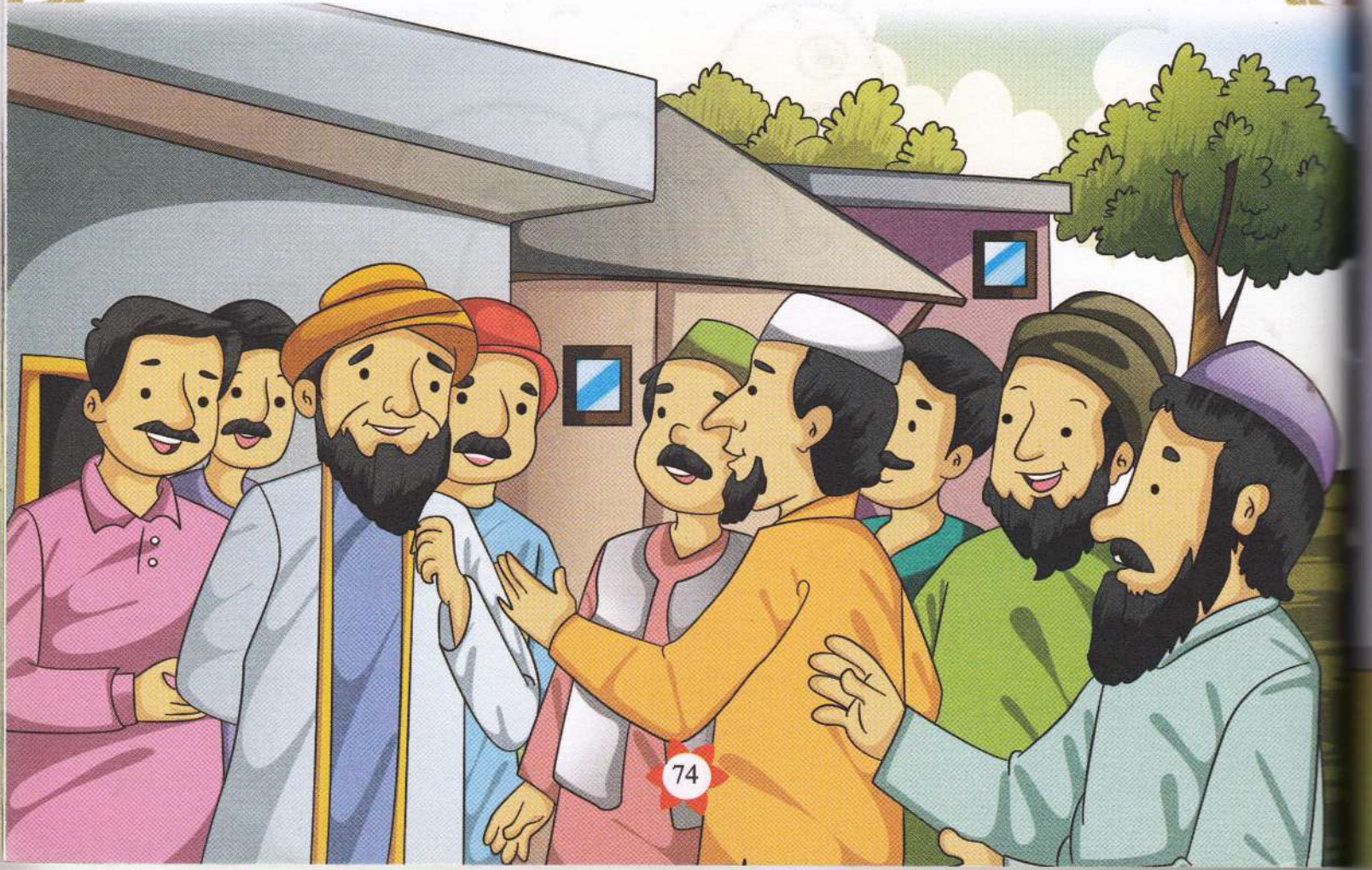

अगले दिन लोगों ने फिर मुल्ला नसरुद्दीन को घेर लिया। इस बार मुल्ला जी ने फिर पूछा, "क्या आप लोग जानते हैं कि मैं आपको क्या बताने वाला हूँ?"

"हाँ-हाँ।" लोगों ने होशियारी दिखाई।

लोगों को लगा कि 'नहीं' कहने पर मुल्ला जी आज भी कुछ नहीं बताएँगे। पर हुआ उलटा, मुल्ला जी ने कहा, जब "जानते ही हैं तो क्या बताना?" यह कहकर मुल्ला नसरुद्दीन वहाँ से चल दिए। लोग हैरान रह गए और उन्हें जाते हुए देखते रहे। इस बार भी वे कुछ नया जानने से चूक गए थे।

तीसरे दिन लोगों ने फिर मुल्ला जी को देखते ही घेर लिया। इस बार लोग पहले से ही सावधान थे।

मुल्ला नसरुद्दीन ने उन सबसे फिर वही प्रश्न दोहराया, "क्या आप लोग जानते हैं कि मैं आप लोगों से क्या कहने वाला हूँ?"

इस बार आधे लोग बोले, "हाँ", और आधे लोग बोले, "नहीं।"

"यह तो बहुत ही बढ़िया है। जो लोग नहीं जानते, वो उनसे पूछ लें जो जानते हैं।" इतना कहकर मुल्ला नसरुद्दीन हँसते हुए अपने रास्ते चले गए।

इधर लोग हाथ मलते रह गए।

16

कोयल

काली-काली कू-कू करती,
जो है डाली-डाली फिरती।
कुछ अपनी ही धुन में ऐंठी,
छिपी हरे पत्तों में बैठी।

जो पंचम सुर में है गाती,
वह ही है कोयल कहलाती।
जब जाड़ा कम हो जाता है,
सूरज थोड़ा गरमाता है।

तब होता है समा निराला,
जी को बहुत लुभाने वाला।
हरे पेड़ सब हो जाते हैं,
नए-नए पत्ते पाते हैं।

कितने ही फल औ, फलियों से,
नई-नई कोमल कलियों से।
भली भाँति वे लद जाते हैं,
बड़े मनोहर दिखलाते हैं।

रंग-रंग के प्यारे-प्यारे,
फूल-फूल जाते हैं सारे।
बसी हवा बहने लगती है,
दिशा महकने सब लगती है।

तब यह मतवाली हो-होकर,
झूम-झूम डाली-डाली पर।
अजब समा दिखला देती है,
सबका मन अपना लेती है।

बच्चो, जब अपना मुँह खोलो,
तुम भी मीठी बोली बोलो।
इससे कितना सुख पाओगे,
सबके प्यारे बन जाओगे।

–अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न)

(Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. कोयल कहाँ छिपी बैठी है?
2. कोयल का स्वर कैसा है?
3. किस ऋतु में पौधों पर नए पत्ते आ जाते हैं?
4. बच्चों को कैसी बोली बोलने के लिए कहा गया है?

(ख) सही शब्द चुनकर कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

पंचम, धुन, समा, गरमाता

1. कुछ अपनी ही ..... में ऐंठी।
2. जो ..... सुर में है गाती।
3. सूरज थोड़ा ..... है।
4. तब होता है ..... निराला।

(ग) नीचे दी गई पंक्तियों की अगली पंक्ति बताइए–

1. काली-काली कू-कू करती, ...
2. जो पंचम सुर में है गाती, ...
3. जब जाड़ा कम हो जाता है, ...
4. हरे पेड़ सब हो जाते हैं, ...

(घ) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

1. कोयल डाल-डाल पर फिरती है। ☐
2. कोयल वसंत ऋतु में गाती है। ☐
3. सरदी में पेड़ों पर नए पत्ते आ जाते हैं। ☐
4. कोयल बच्चों का मन मोह लेती है। ☐

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. किस समय का समा निराला होता है?
2. पेड़-पौधे मन को कब अच्छे लगते हैं?
3. खुशबूदार हवा का कोयल पर क्या असर होता है?
4. हम सबके प्यारे कैसे बन सकते हैं?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

विशेष्य– विशेषण द्वारा जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें **विशेष्य** कहते हैं। जैसे–'पवित्र स्थान' में '**स्थान**' की विशेषता बताई जा रही है। अतः **स्थान** 'विशेष्य' है।

(च) विशेषण और विशेष्य के जोड़े मिलाइए–

1. हरे-हरे	(i) कोयल
2. काली-काली	(ii) कलियाँ
3. पंचम	(iii) पत्ते
4. कोमल	(iv) सुर

(छ) निम्नलिखित अक्षरों को ठीक क्रम में लगाकर अर्थपूर्ण शब्द बनाइए–

1. लाकतीह ..... 2. हनाकम .....
3. वातमली ..... 4. मरनोह .....

(ज) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. मनोहर ..... 2. अजब .....
3. प्यारे ..... 4. डाली .....

(झ) निम्नलिखित शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए–

1. जाड़ा ..... 2. सूरज .....
3. पेड़ ..... 4. दिशा .....

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ञ) 'कोयल' कविता से बच्चों को क्या सीख अपनानी चाहिए?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ट) मौखिक अभिव्यक्ति–

वसंत या ग्रीष्मऋतु से संबंधित कोई कविता सस्वर सुनाइए।

(ठ) लिखित अभिव्यक्ति–

1. वसंत ऋतु हमारा मन क्यों मोह लेती है? इस ऋतु को आनंदायी ऋतु क्यों कहा जाता है? एक अनुच्छेद में लिखिए।
2. ऋतुओं के नाम पता करके लिखिए। इनमें से किस ऋतु का इंतजार-मोर, किसान, बच्चे आदि सभी करते हैं? संक्षेप में लिखिए।

17 दो बैलों की कथा

झूरी के पास दो बैल थे। उनके नाम थे–हीरा और मोती। दोनों में बहुत प्यार था। दोनों नाँद में एक साथ मुँह डालते और एक साथ मुँह हटाते। झूरी भी उनके चारे-पानी का बड़ा ध्यान रखता। वह कभी भी उन्हें मारता-पीटता नहीं था। इस कारण दोनों बैल भी झूरी को बहुत प्यार करते थे।

एक बार झूरी की पत्नी का भाई, गया, दोनों बैलों को अपने साथ गाँव ले जाने लगा। बैलों को बड़ा **आश्चर्य** हुआ कि उन्हें गया क्यों और कहाँ लिए जा रहा है। रास्ते में उन्होंने गया को बहुत तंग किया। मोती बाएँ भागता तो हीरा दाएँ। किसी प्रकार दोनों को लेकर गया अपने घर पहुँचा।

घर पहुँचकर उसने दोनों के सामने रूखा-सूखा भूसा डाल दिया जिसे दोनों बैलों ने छुआ तक नहीं।

रात होने पर बैलों ने वहाँ से भाग जाने का निश्चय किया। उन्होंने ज़ोर लगाकर रस्सियाँ तोड़ डालीं और वे वहाँ से भाग चले।

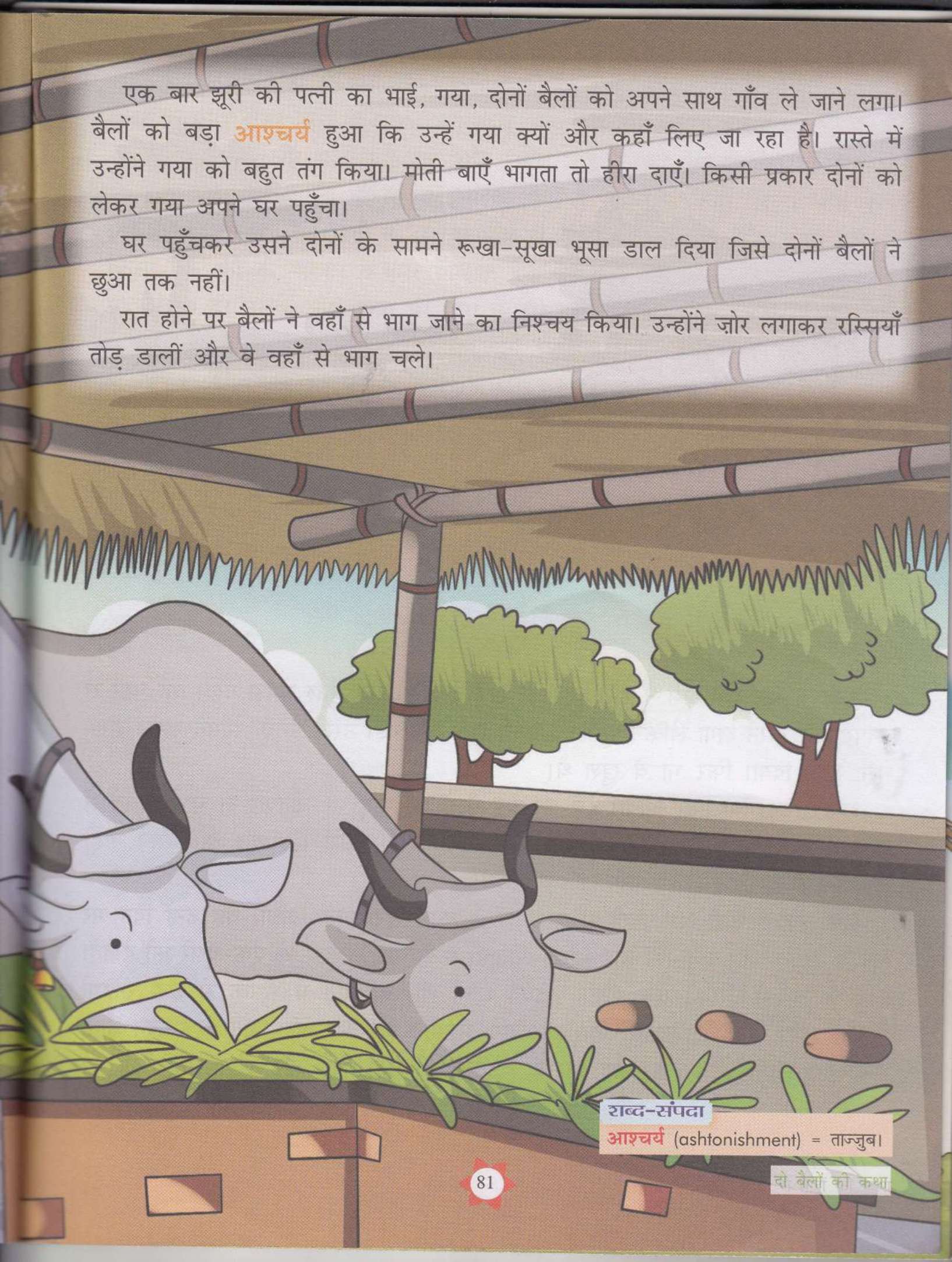

शब्द-संपदा

आश्चर्य (ashtonishment) = ताज्जुब।

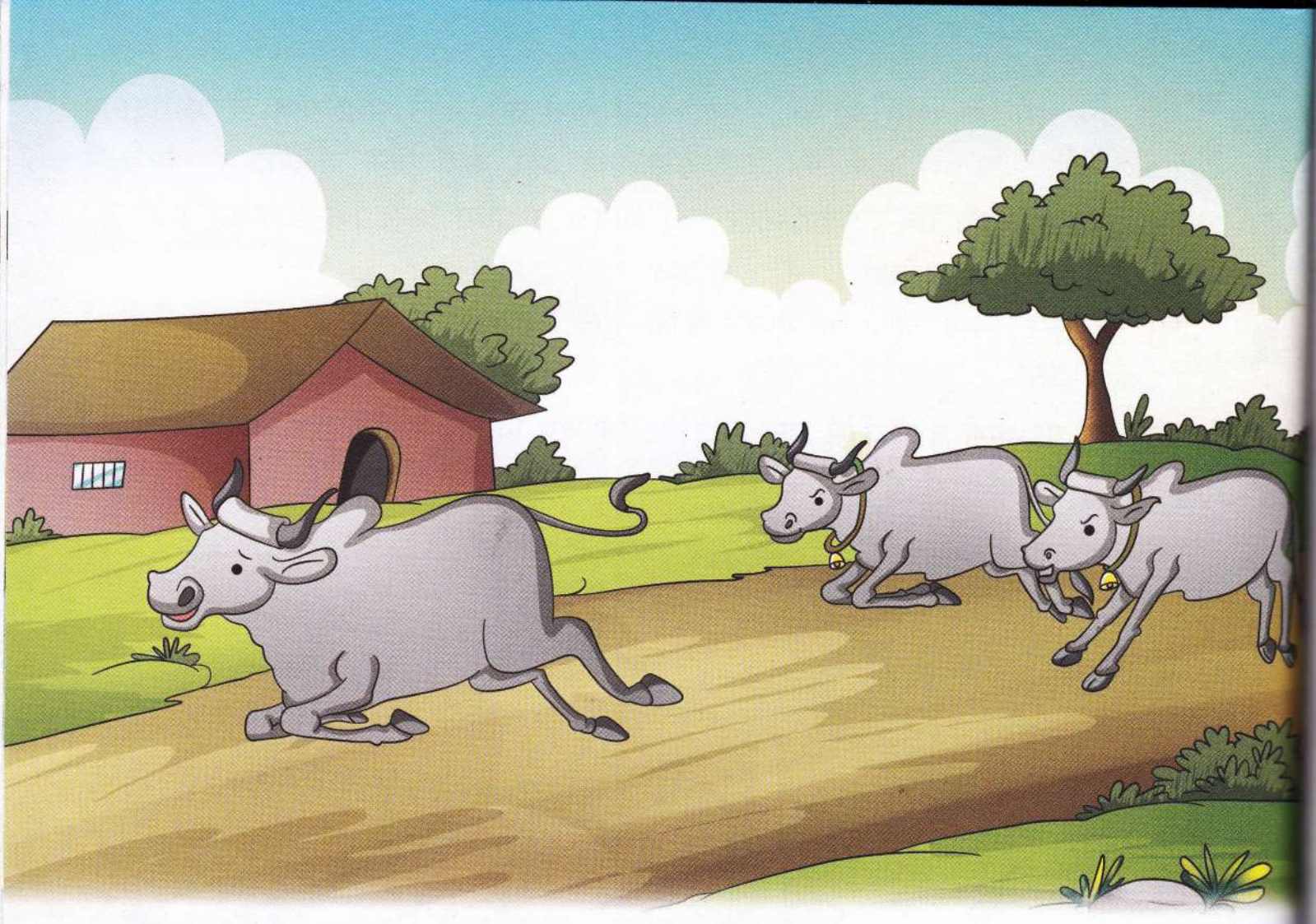

सुबह उठकर जब झूरी ने उन्हें थान पर खड़े देखा तो सब कुछ समझ गया। वह प्यार से उनपर हाथ फेरने लगा लेकिन झूरी की पत्नी जल-भुन गई। उसने उनके सामने रूखा-सूखा भूसा डाल दिया। फिर भी वे खुश थे।

अगले दिन गया फिर आया। इस बार वह बैलों को गाड़ी में जोतकर ले चला। रास्ते में मोती की इच्छा हुई कि गाड़ी को गड्ढे में ढकेल दे पर हीरा समझदार था। उसने गाड़ी सँभाल ली। दोनों जैसे-तैसे गया के घर पहुँचे।

अब गया ने हीरा और मोती से बहुत सख्त काम लेना शुरू किया। वह उन्हें दिन भर हल में जोतता और जब-तब उन्हें मारता-पीटता। वे लाचार निगाहों से एक-दूसरे को देखते। गया के घर में उसकी एक छोटी लड़की रहती थी। वह रात में चुपके से उन्हें रोटियाँ खिलाती थी। दोनों बैल उसके प्यार के आगे अपमान और मार भूल जाते। एक दिन मोती रस्सी तोड़ने का प्रयास कर रहा था कि वह लड़की वहाँ आई और उसने दोनों बैलों को

शब्द-संपदा

ढकेल (to push) = धक्का देना सख्त (hard) = कठोर निगाहों (eyes) = आँखों प्रयास (effort) = कोशिश

खोल दिया। दोनों वहाँ से भाग निकले। थोड़ी देर बाद जब गया को पता चला तो वह उन बैलों के पीछे दौड़ा पर उन्हें पकड़ न सका। अब हीरा और मोती आज़ाद थे।

रास्ते में हीरा और मोती को एक साँड़ मिला। वह उनकी ओर लपका तो हीरा-मोती के होश उड़ गए। भागना बेकार था इसलिए दोनों ने साहस से काम लिया। साँड़ ने जब हीरा पर **वार** किया तब मोती ने उस पर पीछे से सींगों से चोट की। साँड़ घबरा गया। वह किसी एक को तो मारकर कचूमर निकाल देता पर यहाँ तो दो थे। साँड़ वहाँ से भागा। मोती कुछ दूर उसके पीछे दौड़ा पर हीरा ने उसे दूर न जाने दिया।

हीरा और मोती अब बड़े **प्रसन्न** थे। आगे चले तो मटर का खेत दिखाई दिया। भूख तो लग ही रही थी, हरी-हरी मटर देखकर उनकी भूख और भी तेज़ हो गई। वे खेत में घुस गए मटर खाने। अभी पेट भरा भी न था कि खेत के रखवालों ने उन्हें चारों ओर से घेरकर पकड़ लिया और काँजीहौस में बंद करवा दिया।

हीरा और मोती ने देखा कि काँजीहौस में और भी कई जानवर थे। 'यहाँ कहाँ आ फँसे?' उन्होंने सोचा।

रात हुई। मोती ने हीरा से कहा, "अगर दीवार तोड़ दी जाए तो बाहर निकलना आसान हो जाएगा।" फिर उसने सींगों से दीवार गिराने का **प्रयत्न** किया। थोड़ी-सी दीवार गिर गई।

शब्द-संपदा

वार (hit) = चोट **प्रसन्न** (happy) = खुश **प्रयत्न** (effort) = कोशिश

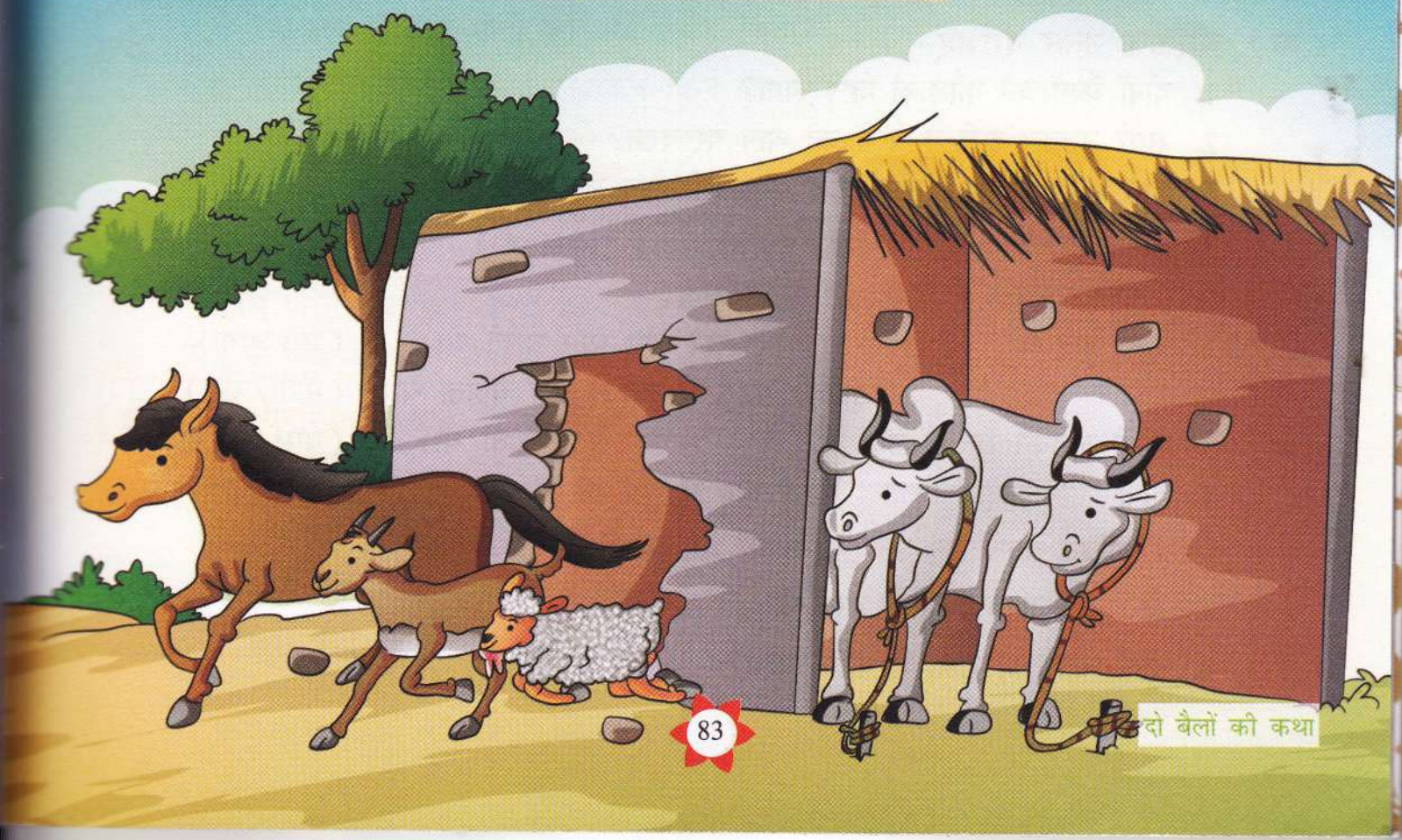

दीवार में रास्ता बनते ही पहले तो घोड़ियाँ भागीं फिर भैंसें और बकरियाँ। मोती ने गधों को भी सींग मार-मारकर भगा दिया। उसने हीरा से भी भाग जाने को कहा पर हीरा ने मना कर दिया। इस प्रकार हीरा-मोती काँजीहौस में रुके रहे।

सुबह होने पर काँजीहौस वालों ने हीरा और मोती को नीलाम कर दिया। नीलामी में सबसे ऊँची बोली बोलकर एक व्यापारी ने उन्हें खरीद लिया। वह दोनों को अपने गाँव की ओर ले चला। मार खाते-खाते और भूख सहते-सहते दोनों बहुत कमज़ोर हो गए थे। वे चुपचाप व्यापारी के साथ चलने लगे। अचानक उन्हें रास्ता जाना-पहचाना लगा तो न जाने कहाँ से **दम** आ गया। वे दोनों तेज़ी से भागे। आगे-आगे बैल, पीछे-पीछे व्यापारी। जब तक वह उन्हें पकड़े तब तक दोनों बैल अपने घर पहुँच चुके थे।

बैलों को वापस देखकर झूरी को बड़ी खुशी हुई। वह उनसे लिपट गया। इतने में व्यापारी भी वहाँ आ पहुँचा। मोती ने आव देखा न ताव, वह व्यापारी पर झपटा। व्यापारी जान बचाकर वहाँ से भागा। झूरी की पत्नी भी वहाँ आ गई और उसने भी दोनों बैलों के माथे चूम लिए।

शब्द-संपदा

दम (power) = शक्ति

—मुंशी प्रेमचंद

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न)

(Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. दोनों बैलों को कौन ले जाने लगा?
2. सवेरे उठकर झूरी ने बैलों को थान पर देखा?
3. हीरा समझदार था? उसने यह समझदारी कब दिखाई?
4. काँजीहौस क्या है?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. दोनों बैल भी ..... को खूब प्यार करते थे। (झूरी/गया)
2. ..... गाड़ी को गड्ढे में ढकेल देना चाहता था। (मोती/हीरा)
3. छोटी लड़की रात में उन्हें ..... दे जाती थी। (घास/रोटियाँ)
4. दोनों ..... खाने खेत में घुस गए। (मटर/चना)

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. हीरा और मोती किसके बैल थे? .....
2. दोनों बैलों को रास्ते में कौन मिला? .....

3. गया के घर से भागने में हीरा-मोती की मदद किसने की? .....

4. दोनों बैलों ने काँजीहौस से किन्हें भगाया? .....

(घ) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

1. गया बैलों को अपने गाँव ले गया। ☐
2. उसने बैलों को अच्छा चारा-पानी दिया। ☐
3. छोटी लड़की ने बैलों के भागने में मदद की। ☐
4. साँड़ ने दोनों बैलों को हरा दिया। ☐

(ङ) पाठ के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम दीजिए–

1. गया बैलों को अपने गाँव ले गया। ☐
2. उन्होंने खेत में मटर खाई। ☐
3. वे दोनों नीलामी में बिक गए। ☐
4. हीरा-मोती झूरी के दो बैल थे। ☐
5. दोनों बैलों का साँड़ से मुकाबला हुआ। ☐

(च) लिखित उत्तर दीजिए–

1. गया के घर दोनों बैलों ने क्या निश्चय किया?
2. गया बैलों के साथ कैसा व्यवहार करता था?
3. रखवालों ने हीरा-मोती को क्यों पकड़ लिया?
4. काँजीहौस में हीरा-मोती ने किन-किन जानवरों को आज़ाद करवाया?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

कर्ता– काम करने वाले को **कर्त्ता** कहते हैं। जैसे–श्याम विद्यालय जाता है। इस वाक्य में '**श्याम**' कर्त्ता है।

(छ) निम्नलिखित वाक्यों के कर्त्ता पर गोला लगाइए–

1. साँड़ घबरा गया।
2. रखवालों ने उन्हें घेर लिया।
3. हीरा और मोती अब प्रसन्न थे।
4. झूरी उन्हें बहुत प्यार करता था।

(ज) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

ने, का, से, में

1. आगे मटर ..... खेत दिखाई दिया।
2. काँजीहौस ..... कई जानवर थे।
3. मोती ..... हीरा से कहा।
4. दोनों ने साहस ..... काम लिया।

(झ) एकवचन या बहुवचन, शब्दों के समाने लिखिए–

1. रखवाले .....
2. दीवार .....
3. घोड़ियाँ .....
4. खेत .....

(ञ) विलोम शब्दों के जोड़े मिलाइए–

1. गाँव	(i) सम्मान
2. सुबह	(ii) खत्म
3. अपमान	(iii) शहर
4. शुरू	(iv) शाम

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ट) गया ने बैलों के साथ जैसा व्यवहार किया, उसे आप कितना सही मानते हैं? आपके विचार से कैसा व्यवहार करना चाहिए था?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ठ) मौखिक अभिव्यक्ति–

'काँजीहौस' क्या है? इसके बारे में अपने सहपाठियों को बताइए।

(ड) लिखित अभिव्यक्ति–

1. 'एकता में शक्ति है'। इस विषय पर पाँच-छह पंक्तियाँ लिखिए।
2. आप अपने पालतू पशु या प्रिय जानवर की देखरेख कैसे करते हैं और उसके खाने का ध्यान कैसे रखते हैं?

अथवा

बैल खेती के कामों में किस तरह किसान की मदद करते हैं। पता करके एक अनुच्छेद में लिखिए।

18

संत तिरुवल्लुवर

भारत के दक्षिण में एक राज्य है–तमिलनाडु। इसी राज्य के एक नगर में एक महात्मा जी रहते थे। वे कपड़ा बुनने का काम करते थे। उनका स्वभाव बहुत अच्छा था। हमेशा सबसे मीठा बोलने और कभी **क्रोध** न करने के कारण लोग उन्हें आदर से देखा करते थे।

जिस नगर में महात्मा जी रहते थे, वहाँ के सेठ का पुत्र **अभिमानी** था। वह मन-ही-मन महात्मा जी से जलता था। एक दिन उसने महात्मा जी के पास जाकर उनसे एक धोती माँगी। महात्मा जी ने अलमारी से एक धोती निकाली और युवक के सामने रख दी। दाम पूछने पर उन्होंने धोती का दाम आठ आने बताया। युवक ने धोती के दो टुकड़े कर दिए और एक टुकड़ा पकड़कर पूछा, ''यह कितने का है?''

महात्मा जी ने शांत होकर जवाब दिया, ''चार आने का।''

शब्द-संपदा

क्रोध (anger) = गुस्सा **अभिमानी** (proudy) = घमंडी

युवक ने उस टुकड़े को भी फाड़ दिया और छोटे टुकड़े की कीमत पूछी। महात्मा जी ने पुनः शांत होकर उत्तर दिया, "दो आने।"

युवक झुँझला उठा। वह बार-बार टुकड़ों के और टुकड़े करता और उसकी कीमत पूछता। महात्मा जी भी धैर्य खोए बिना उसे आधी कीमत बताते जाते। अंत में युवक ने कहा, "ये टुकड़े तो मेरे किसी काम के नहीं रहे। इन्हें क्यों खरीदूँ?"

महात्मा जी ने शांत होकर कहा, "हाँ बेटा! अब ये किसी काम के नहीं रहे। इन्हें छोड़ दो। क्या मैं दूसरी धोती दिखाऊँ?"

युवक दंग रह गया। उसे अपनी करनी पर पछतावा हो रहा था। उसने जेब से अठन्नी निकालकर महात्मा जी को देनी चाही। पर महात्मा जी ने अठन्नी लेने से मना करते हुए कहा, "बेटा! जब तुमने धोती ली ही नहीं तो मैं उसकी कीमत कैसे ले सकता हूँ?"

वह युवक हाथ जोड़कर महात्मा जी से क्षमा माँगने लगा। महात्मा जी ने उसे प्यार से गले लगा लिया।

जानते हैं, महात्मा जी कौन थे? वे थे संत तिरुवल्लुवर, जिन्हें आज भी याद किया जाता है। उनकी गिनती दक्षिण भारत के महान कवियों में होती है।

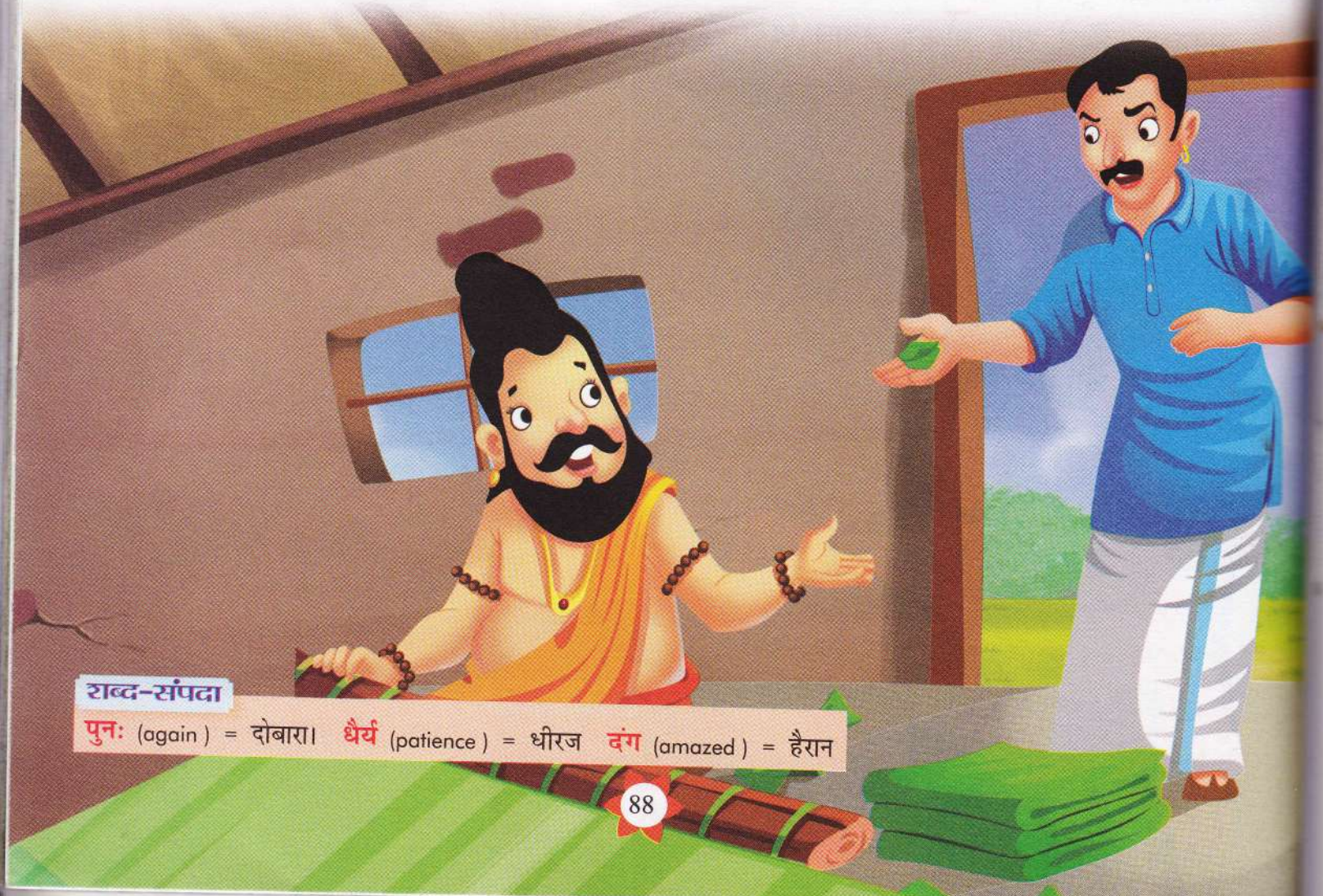

शब्द-संपदा

पुनः (again) = दोबारा। धैर्य (patience) = धीरज दंग (amazed) = हैरान

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न)

(Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. महात्मा जी कहाँ रहते थे?
2. सेठ के पुत्र का स्वभाव कैसा था?
3. युवक ने झुँझलाकर क्या किया?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. महात्मा जी का स्वभाव बहुत ..... था। (अच्छा / क्रोधी)
2. सेठ के पुत्र ने महात्मा जी के पास जाकर उनसे एक ..... माँगी। (कुर्ता / धोती)
3. सेठ के पुत्र को अपनी करनी पर ..... हो रहा था। (पछतावा / गर्व)
4. महात्मा जी ने ..... लेने से मना कर दिया। (चवन्नी / अठन्नी)

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. तमिलनाडु भारत की किस दिशा में है? .....
2. महात्मा जी क्या काम करते थे? .....
3. महात्मा जी ने धोती का क्या दाम बताया? .....
4. युवक ने किससे क्षमा माँगी। .....

(घ) सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (×) का चिह्न लगाइए–

1. महात्मा जी का स्वभाव अच्छा था। ☐
2. सेठ का पुत्र महात्मा जी से प्यार करता था। ☐
3. सेठ के पुत्र ने धोती के कई टुकड़े कर दिए। ☐
4. महात्मा जी ने धोती का दाम ले लिया। ☐

(ङ) किसने कहा? किससे कहा?

1. यह कितने का है?	.....	.....
2. चार आने का।	.....	.....
3. इन्हें क्यों खरीदूँ?	.....	.....
4. क्या मैं दूसरी धोती दिखाऊँ?	.....	.....

(च) लिखित उत्तर दीजिए–

1. लोग महात्मा जी को आदर से क्यों देखा करते थे?
2. धोती का दाम पूछने के बाद युवक ने क्या किया?
3. महात्मा जी ने युवक से धोती की कीमत क्यों नहीं ली?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

वाक्य– शब्दों का ऐसा मेल, जिसका अर्थ निकलता हो, उसे **वाक्य** कहते हैं। वाक्य के मुख्य भेद हैं– (1.) विधान वाचक (2.) आज्ञावाचक (3.) प्रश्नवाचक (4.) निषेधवाचक (नकारात्मक)

(छ) वाक्य और उनके भेद के जोड़े मिलाइए–

1. अलमारी से धोती दिखाओ।	(i) विधानवाचक
2. यह कितने का है?	(ii) आज्ञावाचक
3. चार आने का।	(iii) नकारात्मक
4. ये मेरे काम के नहीं हैं।	(iv) प्रश्नवाचक

(ज) निम्नलिखित विलोम शब्दों के जोड़े बनाइए–

1. आदर	(i) उत्तर
2. शांत	(ii) पूरी
3. दक्षिण	(iii) अशांत
4. आधी	(iv) अनादर

(झ) निम्नलिखित शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

1. आठ आने का सिक्का .....
2. दो आने का सिक्का .....
3. चार आने का सिक्का .....
4. एक आने का सिक्का .....

(ञ) निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. नगर .....
2. कपड़ा .....
3. दाम .....
4. कवि .....

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ट) संत तिरुवल्लुवर के जीवन से हमें क्या शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए?

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ठ) मौखिक अभिव्यक्ति–

अपने अध्यापक/अध्यापिका जी की सहायता से तिरुवल्लुवर की कोई रचना खोजिए और कक्षा में सुनाइए।

(ड) लिखित अभिव्यक्ति–

1. संत कबीर या रविदास (रैदास) के दो पद लिखिए और उन्हें कंठस्थ कीजिए।
2. नीचे दिए गए संत कबीरदास के चित्र के नीचे उनका नाम लिखिए और उनके जीवन के संबंध में पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

19

मलेथा की सुरंग

माधो सिंह मलेथा गाँव के निवासी थे। यह गाँव उत्तराखंड में गढ़वाल की **घाटियों** में बसा है जो ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों से घिरा है। पहाड़ के एक ओर चंद्रभागा नदी है। इस नदी और गाँव के, बीच में पहाड़ होने के कारण उसका पानी गाँव तक पहुँच नहीं पाता था। इससे वहाँ की भूमि **बंजर** पड़ी थी।

माधो सिंह बराबर सोचा करते, 'किसी तरह नदी का पानी उनके गाँव तक पहुँचे तो गाँव के खेतों में फ़सल बोई जा सकती है। इससे हम सब खुशहाल हो सकते हैं।'

एक दिन सवेरे-सवेरे माधो सिंह के मन में एक **विचार कौंधा**, 'अगर पहाड़ में सुरंग बना दी जाए तो नदी का पानी सुरंग के रास्ते हमारे गाँव तक आ सकता है।' ऐसा सोचकर वे उठे और छेनी-हथौड़ा लेकर चल पड़े पहाड़ की ओर। पत्नी ने जब माधो सिंह के मन की बात जानी तो वह भी खुशी-खुशी साथ हो ली।

शब्द-संपदा

घाटियों (vallies) = दो पहाड़ों के बीच की समतल जगह **बंजर** (unfertile land) = ऊसर
विचार कौंधा (struck an idea) = उपाय सूझ गया

पहाड़ के पास पहुँचकर माधो सिंह ने ईश्वर को याद किया और लगे पहाड़ की जड़ पर छेनी-हथौड़े से चोट करने। इससे चट्टान के टुकड़े टूट-टूटकर गिरने लगे। उनकी पत्नी उन टुकड़ों को हटाकर सुरंग का रास्ता साफ़ करती गई।

यह सिलसिला कई दिनों तक चला। इससे पहाड़ के बीचोंबीच गहरी सुरंग बनने लगी। धीरे-धीरे गाँववाले भी माधो सिंह के काम में हाथ बँटाने लगे। परिणाम यह हुआ कि लगभग एक महीने में सुरंग बन गई। और, एक दिन चंद्रभागा नदी की धारा सुरंग के रास्ते मलेथा गाँव की धरती तक पहुँच गई।

आज भी मलेथा गाँव के निवासी माधो सिंह का नाम आदर से लेते हैं।

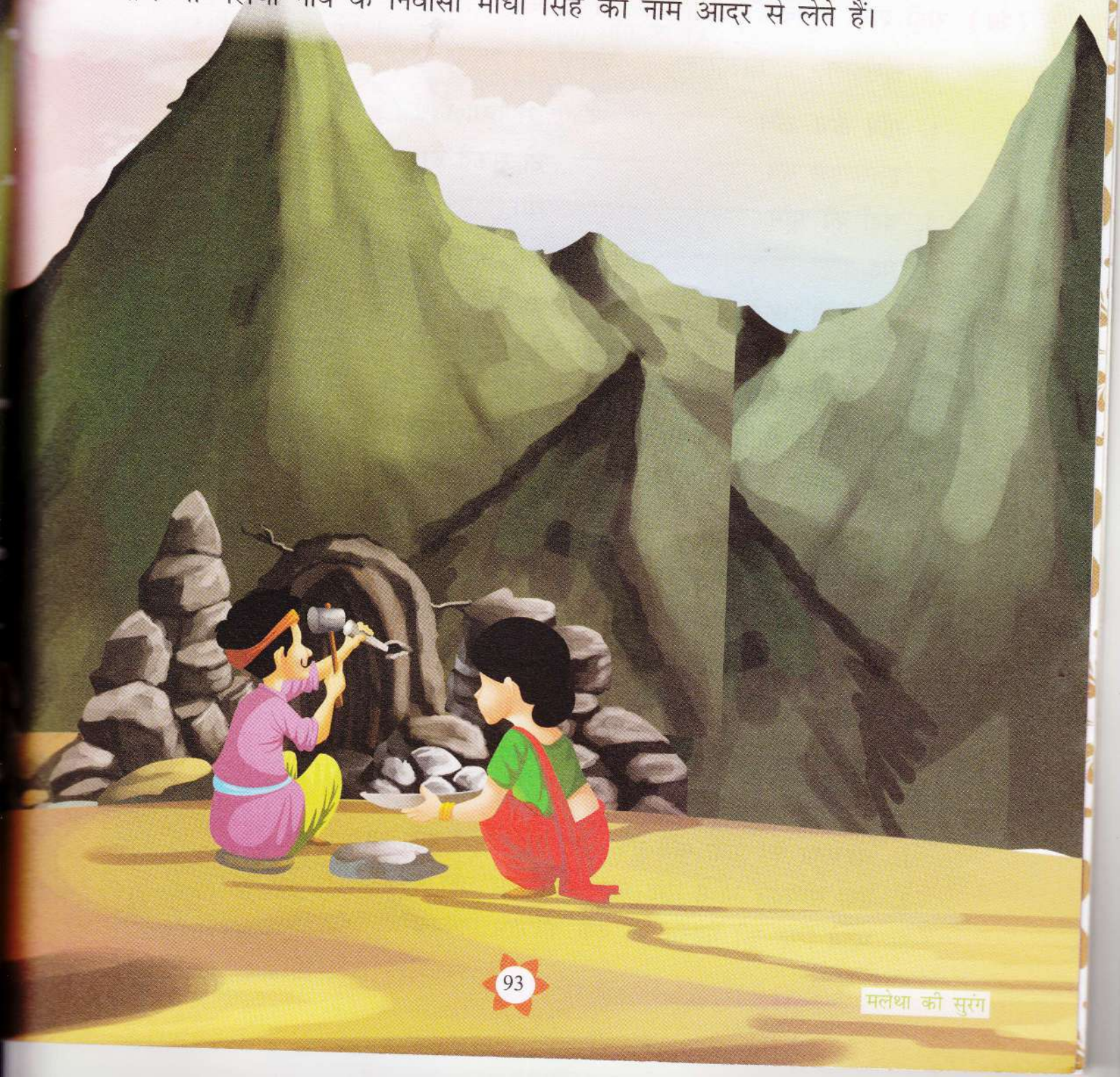

मूल्यांकन कार्य (Evaluation Work)

(पाठ पर आधारित प्रश्न) (Comprehension Skills)

(क) मौखिक उत्तर दीजिए–

1. मलेथा गाँव कहाँ स्थित है?
2. माधो सिंह क्या सोचा करते थे?
3. माधो सिंह के मन में कौन-सा विचार आया?

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

खुशहाल, सिलसिला, पहाड़ों, बंजर

1. गाँव ऊँचे-ऊँचे ..... से घिरा है।
2. इससे हम सब ..... हो सकते हैं।
3. वहाँ की भूमि ..... थी।
4. यह ..... कई दिनों तक चला।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दीजिए–

1. माधो सिंह किस गाँव के निवासी थे? .....
2. पहाड़ के दूसरी ओर कौन-सी नदी बहती थी? .....
3. माधो सिंह छेनी-हथौड़ा लेकर किस ओर चल पड़े? .....
4. सुरंग बनने में लगभग कितने दिन लगे? .....

(घ) पाठ के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम दीजिए–

1. नदी का पानी पहाड़ तक नहीं पहुँच पाता था। ☐
2. गाँववाले माधो सिंह का नाम आदर से लेते हैं। ☐
3. पत्नी भी खुशी-खुशी माधो सिंह के साथ हो ली। ☐
4. गाँववाले भी माधो सिंह के काम में हाथ बँटाने लगे। ☐
5. चट्टान के टुकड़े टूट-टूटकर गिरने लगे। ☐

(ङ) लिखित उत्तर दीजिए–

1. चंद्रभागा का पानी गाँव तक क्यों नहीं पहुँच पाता था?
2. क्या सोचकर माधो सिंह पहाड़ की ओर चल पड़े?
3. माधो सिंह की मेहनत का क्या परिणाम निकला?

भाषा कौशल (Language Skills)

(व्याकरण पर आधारित प्रश्न)

मुहावरा– कुछ शब्द समूह अपने शब्दों का अर्थ छोड़कर एक विशेष अर्थ देने लगते हैं। इन्हें मुहावरा कहते हैं। जैसे– हाथ बटाना। इसका अर्थ है – सहायता करना।

(च) निम्नलिखित मुहावरे और अर्थ के जोड़े बनाइए–

1. नौ दो ग्यारह होना	(i) बहुत ज़ोर की भूख लगना
2. पेट में चूहे कूदना	(ii) बहुत थक जाना
3. दिन रात एक करना	(iii) भाग जाना
4. अंग-अंग टूटना	(iv) कठिन परिश्रम करना

(छ) उदाहरण के अनुसार दो-दो शब्द बनाइए–

1. आ ⟶ ..... आजीवन, ... आगमन .....
2. अ ⟶ ....
3. कु ⟶ ....
4. उप ⟶ ....
5. वि ⟶ ....

(ज) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए–

1. नदी .....
2. रास्ता .....
3. हथौड़ा .....
4. फ़सल .....

(झ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

1. पहाड़	2. गाँव .....
3. बंजर	4. हाथ .....

(ञ) शब्दों को उनके पर्यायवाची शब्दों से मिलाइए–

1. नदी	(i) नग, भूधर
2. पहाड़	(ii) जल, अंबु
3. रास्ता	(iii) सरिता, तटिनी
4. पानी	(iv) मार्ग, डगर

जीवन कौशल (Life-Skills)

(ट) सफलता पाने के लिए आप किसे अधिक ज़रूरी मानते हैं, भाग्य को या कर्म को। सोचकर बताइए।

रचना कौशल (Creative-Skills)

(ठ) मौखिक अभिव्यक्ति–

बिहार के निवासी दशरथ माँझी ने पहाड़ को काटकर रास्ता बनाया था? यह कार्य उन्होंने कैसे किया? इसे पता करके कक्षा में बताइए।

(ड) लिखित अभिव्यक्ति–

1. मधुमक्खियाँ और चींटियाँ हमें परिश्रम करने की प्रेरणा कैसे देती हैं? संक्षेप में लिखिए।
2. 'परिश्रम का महत्व' विषय पर छह-सात पंक्तियाँ लिखिए।
3. नीचे दिए गए गाँव के चित्र को देखकर जैसा आप के मन में आए अपनी कॉपी में लिखिए।

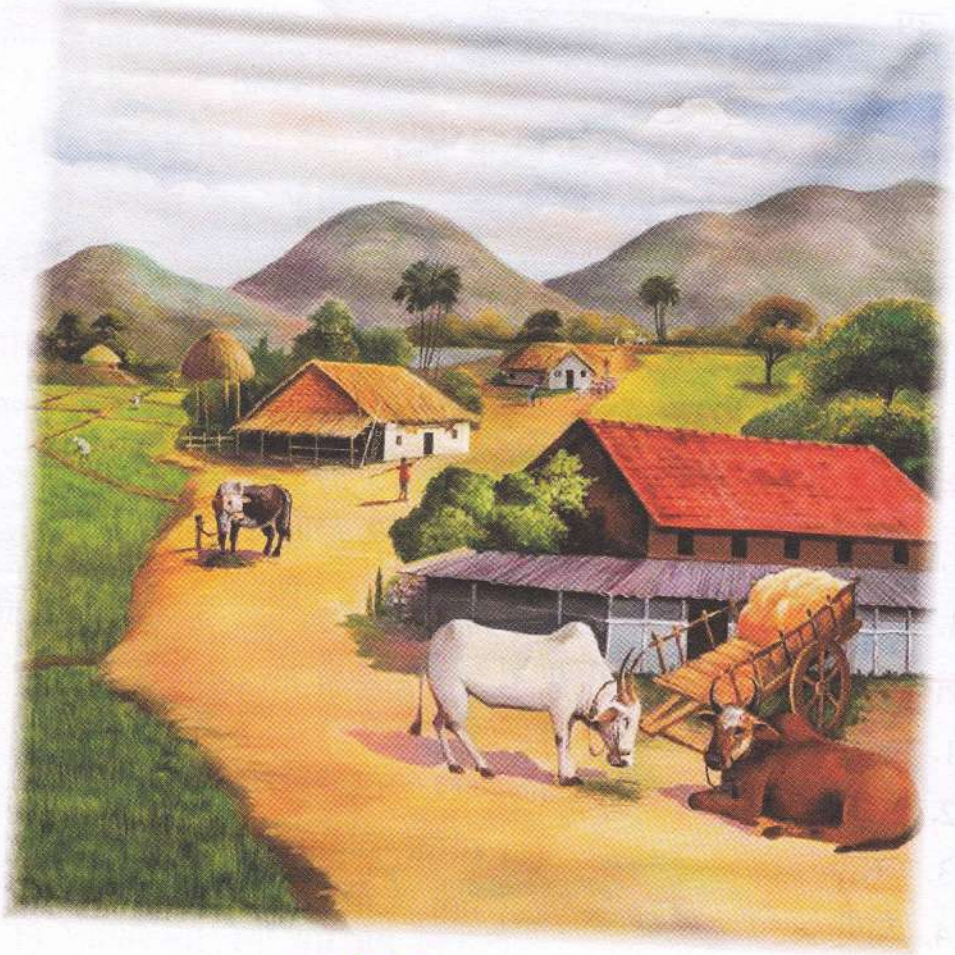

20 पानी की खुशहाली

दृश्य–1

द्वारपाल – राजाओं के राजा, महाराजाओं के महाराज पधार रहे हैं।

(महाराज दरबार में आकर सिंहासन पर बैठते हैं।)

महाराज – हाँ, दूरदर्शन मंत्री जी! अपनी दूर की दृष्टि से देखकर बताइए कि हमारे राज्य में क्या-क्या हो रहा है।

मंत्री – महाराज! सिर्फ़ आप ही सुखी हैं। बाकी सारी जनता दुखी है।

महाराज – (आँखें तरेरकर) क्या बात कर रहे हैं?

मंत्री – हाँ, महाराज! जनता गरीबों की तरह आस लगाकर बैठी है कि सरकार की कब दया हो और हमें कुछ दान दे दें।

महाराज – मंत्री जी! ये बातें बाद में होंगी, पहले यह बताइए कि प्रजा दुखी क्यों है।

मंत्री – महाराज! ऐसे आपको पता नहीं चलेगा। आपको भेष बदलकर राज्य का भ्रमण करना पड़ेगा। तो फिर चलें महाराज!

महाराज – हाँ-हाँ, चलिए! जनता हमारी है। हमें उनका हाल जानना चाहिए।

दृश्य–2

(राजा भेष बदलकर गाँव में जाता है। एक ग्रामीण पानी भरकर नहा रहा है। राजा और मंत्री उसके समीप पहुँचते हैं।)

मंत्री – ओ भाया! अरे, ओ भाया!

(दो-तीन बार बोलते हैं। आदमी अनदेखा करता है।)

मंत्री – महाराज! लगता है, कम सुनता है।

महाराज – तो तेज़ बोलिए न!

मंत्री – भाई! तुम नल बंद करके क्यों नहीं नहाते! बेकार में पानी बहाए जा रहे हो!

ग्रामीण – पानी क्या तुम्हारे बाप का है? चल, अपना काम कर।

महाराज – (अपने गुस्से पर काबू करते हुए) अरे! गलती भी कर रहे हो और सीनाज़ोरी भी। इसी को कहते हैं– उलटा चोर, कोतवाल को डाँटे।

ग्रामीण – अरे कौन चोर और कौन कोतवाल! पानी तो धरती मैया दे रही है न! फिर तुम दोनों के पेट में दर्द क्यों हो रहा है?

मंत्री – हम तो तुम्हारे भले के लिए समझा रहे हैं। तुमने वो दोहा पढ़ा है न–

रहमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न उबरे, मोती, मानस चून।।

महाराज – अरे भाई! देश में पानी सीमित है। अगर आप पानी बरबाद करेंगे तो आपकी आने वाली पीढ़ी बिना पानी के कैसे ज़िंदा रहेगी!

ग्रामीण – हाँ, यह बात तो मेरे भेजे में घुसी ही नहीं थी। अब से ऐसा नहीं करूँगा। मुझे माफ़ कर दो भाई! तुमने तो मेरी आँखें खोल दीं।

(महाराज और मंत्री का प्रस्थान)

दृश्य–3

मंत्री – अरे महाराज! देखिए! भैंसों को एक आदमी तालाब में नहला रहा है।

भैंसवाला – ठंडे-ठंडे पानी से मेरी भैंस नहाएगी, नहा-धोकर के ये तो गोरी हो जाएगी।

मंत्री – अरे भाया! ये क्या कर रहे हो?

भैंसवाला – दिखता नहीं, अपनी भैंस को नहला-नहलाकर गोरी कर रहा हूँ।

महाराज – नहाने से गोरी थोड़ी होगी।

भैंसवाला – फिर कैसे होगी?

महाराज – फेयरनेश क्रीम लगा दे, सात दिन में गोरी हो जाएगी।

भैंसवाला – आप तो मज़ाक कर रहे हैं।

मंत्री – मज़ाक! मज़ाक तो आप अपने और लोगों के जीवन के साथ कर रहे हैं।

भैंसवाला – वो कैसे?

महाराज – वो ऐसे कि ये साफ़ पानी है और आप इसे गंदा कर रहे हैं। आपको पता है, यहाँ भैंसों को नहलाने से और कपड़े धोने से पानी दूषित हो जाता है।

(उसी वक्त एक महिला वहाँ आकर पानी भरने लगती है।)

मंत्री – बहन जी! आप यहाँ से पानी क्यों भर रही हैं! ये पानी तो दूषित है।

महिला – अब क्या करें भैया! कुएँ पर जाने से डर लगता है क्योंकि कुएँ के चारों तरफ़ दीवार नहीं है। इसलिए, यहाँ तलैया से पानी भर लेते हैं।

महाराज – ये तो बहुत बुरी बात है। कुएँ के चारों तरफ़ दीवार होनी चाहिए, नहीं तो खतरा हो सकता है।

मंत्री – हाँ महाराज! आपने अखबार में पढ़ा नहीं, अभी कुछ दिनों पहले हरियाणा में कुएँ में दीवार नहीं होने के कारण बबलू नाम का एक बच्चा उसमें गिर गया था। गाँववालों ने किस्मत से उसे निकालकर बचा लिया था।

महाराज – इसीलिए तो कहता हूँ कि बहन जी, पानी के स्रोत से दस मीटर की दूरी तक किसी को नहाने धोने या मल त्यागने से रोकना चाहिए।

महिला – धन्यवाद भइया! आज के बाद मैं भी दीवार वाले कुएँ से या हैंडपंप से पानी भरा करूँगी। (महिला चली जाती है।)

भैंसवाला – भैया! आप लोगों ने तो मेरा दिमाग खोल दिया। भैंसों के साथ रहते-रहते मैं भी इनके जैसा नासमझ हो गया था। आप दोनों का बहुत-बहुत धन्यवाद!

(भैंसवाले का प्रस्थान)

मंत्री – देखा महाराज! जनता कितनी दुखी और नासमझ है।

महाराज – मंत्री जी! आज से हम अपनी जनता को समझाने के लिए सभी पानी के स्रोतों पर जानकारी के बोर्ड लगवाएँगे। चित्रों द्वारा भी समझाने वाले बोर्ड

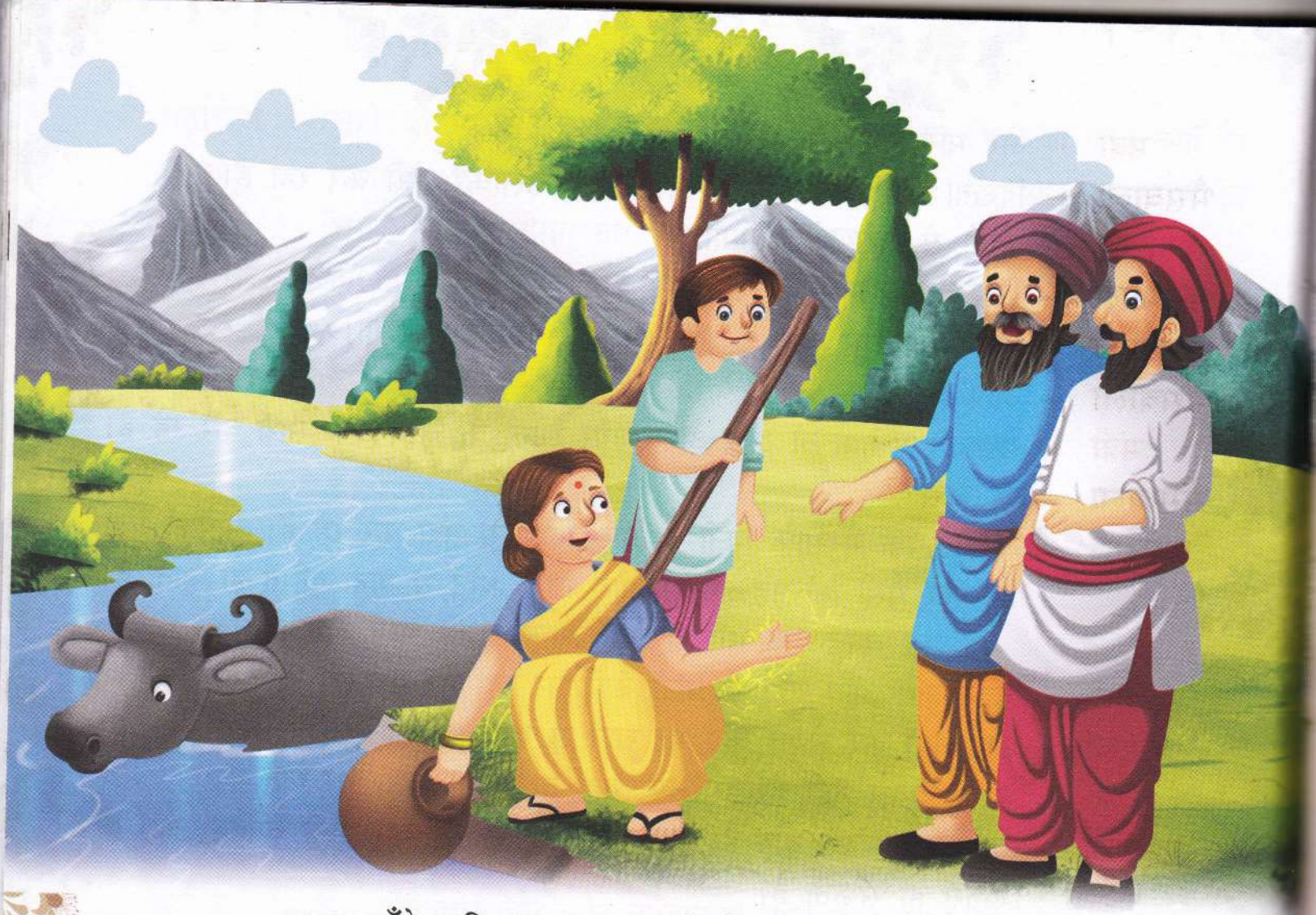

लगवाएँगे ताकि जनता आसानी से समझ जाए। वे जान जाएँगे कि पीने का पानी अलग से भरना है तथा जानवरों को अलग से पानी पिलाना है। इससे पानी दूषित न हो पाएगा।

मंत्री – बहुत खूब महाराज! फिर तो जनता दूषित पानी की समस्या से मुक्त हो जाएगी।

महाराज – हाँ, जनता जागरूक हो जाए तो वे अपने आपको स्वच्छ बनाएगी।

मंत्री – हाँ-हाँ, गाँव-गाँव में स्वच्छता की लहर दौड़ जाएगी। हम उनके साथ मिलकर गाएँगे–

स्वच्छ माहौल बनाना है,
सबको अब चेताना है।
देश के कोने-कोने को,
अब खुशहाल बनाना है।

(दोनों का प्रस्थान)

3. निम्नलिखित वाक्यों के कर्ता पर गोला लगाइए– 1

(क) साँड़ घबरा गया।

(ख) हीरा और मोती अब प्रसन्न थे।

4. निम्न शब्दों के लिए उचित विशेषण छाँटकर लिखिए– 2

स्वार्थी छायादार मीठे बूढ़े

(क) ..... पेड़

(ख) ..... लोग

(ग) ..... मनुष्य

(घ) ..... फल

5. निम्न शब्दों के वाक्य बनाइए– 2

(क) इन्द्रधनुष (ख) रंग-बिरंगी

6. विशेषण व विशेष्य के जोड़े बनाइए– 2

(क) हरे-हरे	(i) कोयल
(ख) काली-काली	(ii) कलियाँ
(ग) पंचम	(iii) पत्ते
(घ) कोमल	(iv) सुर

खण्ड 'ग' पाठ्यपुस्तक

7. दिए गए प्रश्नों में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $3 \times 5 = 15$

(क) मनुष्य पेड़ों को किस तरह दुख देता है?

(ख) इन्द्रधनुष बनाने के लिए सूरज ने क्या-क्या किया?

(ग) रानी चींटी ने क्या ठान लिया?

(घ) खुशबूदार हवा का कोयल पर क्या असर होता है?

(ङ) काँजीहौस में हीरा-मोती ने किन-किन जानवरों को आज़ाद करवाया?

(च) लोग महात्मा जी को आदर से क्यों देखा करते थे?

(छ) माधो सिंह की मेहनत का क्या परिणाम निकला?

8. कविता की दी गई पंक्तियाँ पूरी कीजिए– 5

जो पंचम सुर ..... ,

वह ही है ..... ।

जब जाड़ा ..... ,

..... गरमाता है।

अथवा

हमें काटकर ..... ,

हरा-भरापन खोना।

अगर नहीं जो ..... ,

..... पैदा होना?

9. **सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–** 4

(क) सूरज ने ..... को जगाया। (धरती/आकाश)

(ख) सूरज ने बादल को ..... बात बताई। (आधी/सारी)

(ग) उसने फूलों से ..... चुरा लिए। (रंग/खुशबू)

(घ) सूरज फिर ..... के पीछे छिप गया। (बादलों/पेड़ों)

10. **पेड़ हमारे लिए क्यों जरूरी है? लिखिए–** 3

अथवा

हमारी धरती बहुत सुंदर है इसकी सुंदरता बनाए रखने के लिए आप क्या करेंगे?

11. **पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

एक दिन सवेरे-सवेरे माधो सिंह के मन में एक विचार कौंधा, "अगर पहाड़ में सुरंग बना दी जाए तो नदी का पानी सुरंग के रास्ते हमारे गाँव तक आ सकता है" ऐसा सोचकर वे उठे और छेनी-हथौड़ा लेकर चल पड़े पहाड़ की ओर। पत्नी ने जब माधो सिंह के मन की बात जानी तो वह भी खुशी-खुशी साथ हो ली।

क. माधो सिंह के मन में क्या विचार आया? 2

ख. माधो सिंह अपने साथ में क्या लेकर गए? 2

ग. उनके साथ और कौन गया? 1

खण्ड 'घ' सृजनात्मक लेखन

12. **निम्न में से किसी एक विषय में चार वाक्य लिखिए–** 5

- इन्द्रधनुष
- परिश्रम का महत्व
- वसंत ऋतु

13. **बैल खेती के कामों में किस तरह किसान की मदद करते हैं। एक अनुच्छेद में लिखिए–** 5

14. **अपने मित्र को पत्र लिखकर 'वन महोत्सव' के बारे में बताइए–** 5

अथवा

पत्र लिखकर अपने मित्र को बताइए कि आप अपने पालतू पशु या प्रिय जानवर की देखरेख कैसे करते हैं।

15. **नीचे दिए गए चित्र को देखकर पाँच वाक्य लिखिए–** 5

गिनती

(1 से 50)

SATISH CHANDRA MEMORIAL SCHOOL * CHAKDAHA * NADIA
LIBRARIAN

हिंदी शब्द	अंग्रेज़ी अंक	हिंदी अंक
एक	1	१
दो	2	२
तीन	3	३
चार	4	४
पाँच	5	५
छह	6	६
सात	7	७
आठ	8	८
नौ	9	९
दस	10	१०
ग्यारह	11	११
बारह	12	१२
तेरह	13	१३
चौदह	14	१४
पंद्रह	15	१५
सोलह	16	१६
सत्रह	17	१७
अठारह	18	१८
उन्नीस	19	१९
बीस	20	२०
इक्कीस	21	२१
बाईस	22	२२
तेईस	23	२३
चौबीस	24	२४
पच्चीस	25	२५

हिंदी शब्द	अंग्रेज़ी अंक	हिंदी अंक
छब्बीस	26	२६
सत्ताईस	27	२७
अट्ठाईस	28	२८
उनतीस	29	२९
तीस	30	३०
इकतीस	31	३१
बत्तीस	32	३२
तैंतीस	33	३३
चौंतीस	34	३४
पैंतीस	35	३५
छत्तीस	36	३६
सैंतीस	37	३७
अड़तीस	38	३८
उनतालीस	39	३९
चालीस	40	४०
इकतालीस	41	४१
बयालीस	42	४२
तैंतालीस	43	४३
चवालीस	44	४४
पैंतालीस	45	४५
छियालीस	46	४६
सैंतालीस	47	४७
अड़तालीस	48	४८
उनचास	49	४९
पचास	50	५०

फूलों के हिंदी और अंग्रेज़ी नाम

हिंदी नाम	अंग्रेज़ी नाम
गुलाब	rose
कमल	lotus
चमेली	jasmine
गेंदा	marigold
सूरजमुखी	sunflower
छूईमुई	touch-me-not

हिंदी नाम	अंग्रेज़ी नाम
गुलबहार	daisy
कुकुरमुत्ता	mushroom
नागफनी	prickly pear
नरगिस	daffodil
डहलिया	dahlia
बनफूल	pansy

जानवरों के हिंदी और अंग्रेज़ी नाम

हिंदी नाम	अंग्रेज़ी नाम
चींटी	ant
भालू	bear
भैंस	buffalo
तितली	butterfly
ऊँट	camel
गाय	cow
बिल्ली	cat
चिंपांज़ी	chimpanzee
केकड़ा	crab
मगरमच्छ	crocodile
कुत्ता	dog
हिरण	deer
गधा	donkey
छिपकली	lizard
हाथी	elephant

हिंदी नाम	अंग्रेज़ी नाम
लोमड़ी	fox
मेंढक	frog
बकरी	goat
घोड़ा	horse
दरियाई घोड़ा	hippopotamus
शेर	lion
सियार	jackal
नेवला	mongoose
बंदर	monkey
चूहा	rat
बैल	ox
सुअर	pig
खरगोश	rabbit
भेड़	sheep
साँप	snake